शर्मा हार्डओवेब
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 311 | गुवाहाटी | मंगलवार, 11 जून, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

तीसरी पारी : तिब्बत में 30 से अधिक स्थानों के बदले जाएंगे नाम — पेज 2
बाढ़ मुक्त गुवाहाटी, अमृत, स्वच्छ भारत मिशन आदि विभिन्न मुद्दों पर मंत्री... — पेज 3
यूपी में भाजपा की सीटें घटी, लेकिन मोदी मंत्रिमंडल में दबदबा बरकरार — पेज 5
फ्रेंच ओपन चैंपियन बने कार्लोस अल्काराज, फानिल में ज्वेरेव... — पेज 7

मोदी 3.0 : ज्यादातर मंत्रियों के विभागों में बदलाव नहीं

■ शिवराज देश के नए कृषि मंत्री ■ चिराग पासवान को खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शपथ के बाद आज केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक हुई है। इसके साथ ही मंत्रिमंडल में मंत्रालयों का वितरण भी हो गया है। बड़े मंत्रियों के विभागों में बदलाव नहीं हुआ है। रक्षा, वित्त, गृह और विदेश मंत्रालय पहले की ही तरह राजनाथ सिंह, निर्मला सीतारमण, अमित शाह और डॉ एस. जयशंकर के पास ही रहेगा। इसके अलावा नितिन गडकरी पहले की तरह सड़क परिवहन मंत्रालय देखेंगे। बतौर राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा और अजय टम्टा उनके मंत्रालय में सहयोगी मंत्री होंगे। मोदी कैबिनेट में शामिल शिवराज सिंह चौहान, मनोहर लाल खट्टर और जेपी नड्डा को इस बार बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। शिवराज को कृषि और पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्रालय दिया गया है। खट्टर शहरी विकास और विद्युत मंत्रालय संभालेंगे। नड्डा को मोदी 1.0 की ही तरह स्वास्थ्य मंत्रालय दिया गया है। धर्मेंद्र प्रधान शिक्षा मंत्री, हरदीप पुरी पेट्रोलियम मंत्री, सर्वानंद सोनोवाल बंदरगाह एवं जहाजरानी मंत्री, भूपेंद्र यादव पर्यावरण मंत्री और अश्वनी वैष्णव रेल मंत्री बने रहेंगे। अश्विनी वैष्णव को इस बार सूचना-प्रसारण मंत्रालय भी दिया गया है। सहयोगी दलों को भी मोदी कैबिनेट में बड़े मंत्रालय सौंपे गए हैं। चिराग पासवान को खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय, जीतन राम मांझी सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय; राम मोहन नायडू को नागरिक उड्डयन मंत्रालय और एचडी कुमारस्वामी को भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्रालय दिया गया है। श्रम और खेल मंत्रालय मनसुख मंडाविया, वाणिज्य मंत्रालय पीयूष गोयल, संसदीय कार्य मंत्रालय किरण रिजिजू को दिया गया है। सीआर पाटिल को जलशक्ति मंत्रालय सौंपा गया है। संस्कृति एवं पर्यटन मंत्रालय गजेंद्र सिंह शेखावत, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय अन्नपूर्णा देवी, अल्पसंख्यक मंत्रालय रवनीत सिंह बिट्टू को दिया गया है। प्रह्लाद जोशी को नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, ज्योतिरादित्य सिंधिया को संचार मंत्रालय और गिरिराज सिंह को कपड़ा मंत्रालय सौंपा गया है।

विस चुनाव में 90 से 100 सीटें जीतेगी भाजपा एवं उसके सहयोगी : सीएम

गुवाहाटी। नरेंद्र मोदी के अगुवाई में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए ने एक बार फिर सरकार बनाई है। साथ ही नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री के रूप में तीसरी बार शपथ लेकर इतिहास रच दिया। अब असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर विश्वास जताया है। असम के मुख्यमंत्री और भाजपा नेता हिमंत विश्व शर्मा ने राज्य में 2026 के विधानसभा चुनावों में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए की जीत पर विश्वास जताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा और उसकी सहयोगी पार्टियों ने -शेष पृष्ठ दो पर

सात राज्यों की 14 विस सीटों पर उपचुनाव की घोषणा, 10 जुलाई का मतदान

नई दिल्ली (हि.स.)। चुनाव आयोग ने सोमवार को सात राज्यों की 14 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की घोषणा कर दी। इन सभी सीटों पर 10 जुलाई को मतदान होगा। आयोग के अनुसार इसके लिए 14 जून को अधिसूचना जारी की जाएगी और 10 जुलाई को मतदान होगा। जिन सीटों पर उपचुनाव होना है वह इस प्रकार हैं- बिहार की रुपौली, पश्चिम बंगाल की रायगंज, राणाघाट दक्षिण (एससी), बागदा (एससी), मणिकतला, -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर मुख्यमंत्री के अग्रिम सुरक्षा काफिले पर आतंकी हमला, सुरक्षाकर्मी घायल

इंफाल (हि.स.)। जिरीबाम जा रहे मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के अग्रिम सुरक्षा काफिले पर रविवार को संदिग्ध कुकी उग्रवादियों ने फायरिंग कर हमला किया है। घटना में एक सुरक्षाकर्मी घायल हुआ है। उसे इंफाल के शिजा अस्पताल और अनुसंधान संस्थान में भर्ती कराया गया है। यह घटना रविवार सुबह करीब 10:30 बजे कांगपोकपी जिले के अंतर्गत राजमार्ग-37 पर जिरीबाम में हुई। राज्य पुलिस मुख्यालय के सूत्रों के मुताबिक मुख्यमंत्री को जिरीबाम जिले के हिंसा प्रभावित इलाके का सोमवार को दौरा करना था। मुख्यमंत्री की यात्रा से पहले संबंधित क्षेत्रों में सुरक्षा मामलों को देखने के लिए राज्य पुलिस के सशस्त्र बलों का एक काफिला आज इंफाल से जा रहा था। इसी बीच जिरीबाम रोड पर कोटलेन के पास टी लाइजांग के पास संदिग्ध कुकी हथियारबंद आतंकवादियों ने काफिले पर घात लगाकर हमला कर दिया। काफिले पर फायरिंग के बाद सुरक्षाकर्मियों ने भी इस हमले का जवाब दिया। पुलिस -शेष पृष्ठ दो पर

कार्यभार संभालने के बाद प्रधानमंत्री का अधिकारियों को संदेश-

जनता का पीएमओ होना चाहिए, मोदी का नहीं

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि 2014 से पहले प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) को सत्ता का केंद्र माना जाता था लेकिन मेरा शुरू से प्रयास रहा है कि पीएमओ सेवा का अधिष्ठान और पीपल्स पीएमओ बने। तीसरी बार प्रधानमंत्री का पद संभालने के बाद पीएमओ के अधिकारियों को अपने पहले संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 10 साल पहले हमारे देश में एक छवि बनी हुई थी कि पीएमओ एक शक्ति का केंद्र और एक बहुत बड़ा पावर सेंटर है। उन्होंने कहा कि मैं न सत्ता के लिए पैदा हुआ हूं और न ही मैं शक्ति अर्जित करने के बारे में सोचता हूं। मोदी ने कहा कि उनका पीएमओ को सत्ता केंद्र में बदलने का कोई इरादा नहीं है, जैसा कि 10 साल पहले इसकी परिकल्पना की गई थी। उन्होंने कहा कि वह इसे एक उत्प्रेरक एजेंट के रूप में विकसित -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम आवास योजना के तहत बनाए जाएंगे तीन करोड़ नए घर

नई दिल्ली। रिकॉर्ड तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेते ही नरेंद्र मोदी एक्शन मोड में आ गए है। पीएम मोदी ने आज अपने मंत्रिमंडल में शामिल नवनिर्वाचित मंत्रियों के साथ पहली कैबिनेट बैठक की। इस बैठक में उन्होंने प्रधानमंत्री आवास -शेष पृष्ठ दो पर

मोदी मंत्रिमंडल को लेकर राकांपा के बाद शिवसेना भी नाराज

नई दिल्ली। नरेंद्र मोदी ने रविवार को तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। पीएम मोदी के शपथ समारोह के एक दिन बात महाराष्ट्र के मावल के मौजूदा सांसद श्रीरंग बारणे ने मीडिया से बात की। शिवसेना सांसद श्रीरंग बारणे ने कहा कि उन्हें उम्मीद थी कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में रविवार को जिस मंत्रिपरिषद का गठन हुआ, उसमें शिवसेना को कैबिनेट मंत्री का पद मिलेगा। श्रीरंग बारणे ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में रविवार को जिस मंत्रिपरिषद का गठन हुआ, उसमें हमें उम्मीद थी कि शिवसेना को -शेष पृष्ठ दो पर

भूलभुलैया गुफाओं में छिपे 58 पाकिस्तानी आतंकी, जिंदा या मुर्दा, बाहर घसीटने की तैयारी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में रविवार को पाकिस्तानी आतंकियों ने वैष्णो देवी मंदिर जा रही तीर्थयात्रियों की बस पर हमला कर दिया। फायरिंग के चलते ड्राइवर का बस पर नियंत्रण नहीं रहा। नतीजा, बस गहरी खाई में जा गिरी। दस लोग मारे गए, जबकि 33 से अधिक घायल हैं। जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय बलों की खुफिया इकाई से जुड़े विश्वस्त सूत्रों का कहना है, जेएंडके के घने जंगलों में स्थित प्राचीन *भूलभुलैया* गुफाओं में *58* पाकिस्तानी दहशतगर्द छिपे हैं। लगभग 32 स्थानीय आतंकी भी उनके साथ हैं। इसके अलावा करीब दो दर्जन ऐसे लोग हैं, जो दहशतगर्दों के लिए मुखबिरी और सप्लाई चेन का काम करते हैं। भारतीय सेना, सीआरपीएफ और जेकेपी, उन प्राकृतिक गुफाओं तक -शेष पृष्ठ दो पर

हिंसा के बाद असम की सीमा में पहुंचे मणिपुर के पांच सौ विस्थापित

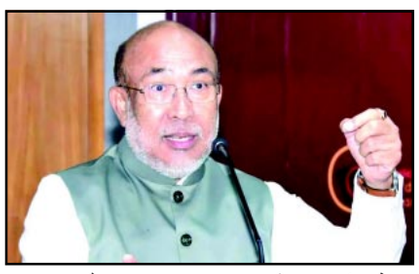

कछार (हि.स.)। मणिपुर में मैतेई और कूकी समुदाय के बीच फिर से हिंसा भड़क जाने के कारण मणिपुर के पांच सौ से अधिक लोग असम की सीमा में आ गए हैं। प्रशासन ने किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए असम-मणिपुर की सीमा पर गश्त बढ़ा दी है और लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है। कछार पुलिस अधीक्षक ने सोमवार को औपचारिक रूप से बताया कि मणिपुर से कछार जिले में लगभग पांच सौ लोग असम में पहुंचे हैं। यह लोग अपने रिश्तेदारों तथा लखीपुर मारकुलिन में अस्थाई शिविर बनाकर रह रहे हैं। सरकार ने कछार जिले में इनके लिए कोई शिविर नहीं बनाया है। पुलिस अधीक्षक ने आशंका जाहिर की है कि असम-मणिपुर -शेष पृष्ठ दो पर

मंत्रिपरिषद की सूची

नरेंद्र मोदी	:	प्रधानमंत्री के साथ ही कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय, परमाणु ऊर्जा विभाग; अंतरिक्ष विभाग, सभी महत्वपूर्ण नीतिगत मुद्दे और अन्य सभी विभाग जो किसी मंत्री को आवंटित नहीं हैं।
कैबिनेट मंत्री		
राज नाथ सिंह	:	रक्षा मंत्री।
अमित शाह	:	गृह और सहकारिता मंत्री।
नितिन गडकरी	:	सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री।
जगत प्रकाश नड्डा	:	स्वास्थ्य और परिवार कल्याण के अलावा रसायन और उर्वरक मंत्री।
शिवराज सिंह चौहान	:	कृषि और किसान कल्याण मंत्री के साथ ही ग्रामीण विकास मंत्री।
निर्मला सीतारमण	:	वित्त मंत्री और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री।
डॉ. एस जयशंकर	:	विदेश मंत्री।
मनोहर लाल	:	आवास और शहरी मामलों के मंत्री और विद्युत मंत्री।
एच. डी. कुमारस्वामी	:	भारी उद्योग मंत्री और इस्पात मंत्री।
पीयूष गोयल	:	वाणिज्य और उद्योग मंत्री।
धर्मेंद्र प्रधान	:	शिक्षा मंत्री।
जीतन राम मांझी	:	सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री।
राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह	:	पंचायती राज, मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री।
सर्वानंद सोनोवाल	:	बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री।
डॉ. वीरेंद्र कुमार	:	सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री।
किंजरापु राममोहन नायडू	:	नागरिक उड्डयन मंत्री।
प्रल्हाद जोशी	:	उपभोक्ता मामले, खाद्य, सार्वजनिक वितरण मंत्री, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री।
जुएल ओराम	:	जनजातीय मामलों के मंत्री।
गिरिराज सिंह	:	कपड़ा मंत्री।
अश्विनी वैष्णव	:	रेल मंत्री, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री।
ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया	:	संचार तथा पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री।
भूपेंद्र यादव	:	पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री।
गजेंद्र सिंह शेखावत	:	संस्कृति मंत्री और पर्यटन मंत्री।
अन्नपूर्णा देवी	:	महिला और बाल विकास मंत्री।
किरेन रिजिजू	:	संसदीय कार्य तथा अल्पसंख्यक कार्य मंत्री।
हरदीप सिंह पुरी	:	पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री।
डॉ. मनसुख मंडाविया	:	श्रम एवं रोजगार तथा युवा मामले और खेल मंत्री।
जी. किशन रेड्डी	:	कोयला एवं खान मंत्री।
चिराग पासवान	:	खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री।
सी आर पाटिल	:	जल शक्ति मंत्री।
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)		
राव इंद्रजीत सिंह	:	सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, योजना मंत्रालय, और संस्कृति मंत्रालय।
डॉ. जितेंद्र सिंह	:	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय, परमाणु ऊर्जा विभाग और अंतरिक्ष विभाग।
अर्जुन राम मेघवाल	:	कानून एवं न्याय मंत्रालय और संसदीय कार्य मंत्रालय।
जाधव प्रतापराव गणपतराव	:	आयुष मंत्रालय और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय।
जयंत चौधरी	:	कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय और शिक्षा मंत्रालय।
राज्य मंत्री		
जितिन प्रसाद	:	वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय तथा इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय।
श्रीपद येसो नाइक	:	ऊर्जा मंत्रालय तथा नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय।
पंकज चौधरी	:	वित्त मंत्रालय।
कृष्ण पाल	:	सहकारिता मंत्रालय।
रामदास अठावले	:	सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय।
राम नाथ ठाकुर	:	कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय।
नित्यानंद राय	:	गृह मंत्रालय।
अनुप्रिया पटेल	:	स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय तथा रसायन और उर्वरक मंत्रालय।
वी. सोमन्ना	:	जल शक्ति मंत्रालय तथा रेल मंत्रालय।
डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी	:	ग्रामीण विकास मंत्रालय तथा संचार मंत्रालय।
प्रो. एस.पी. सिंह बघेल	:	मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय तथा पंचायती राज मंत्रालय।
सोभा करंदलाजे	:	सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय तथा श्रम और रोजगार मंत्रालय। -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD,
S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866,
94018-06952

तीसरी पारी : तिब्बत में 30 से अधिक स्थानों के बदले जाएंगे नाम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी अपने तीसरे कार्यकाल में चीन को सबक सिखाने का प्लान बना चुके हैं। भारत अब चीन की हरकतों का जवाब जैसे को तैसा वाली रणनीति के तहत देने जा रहा है। इसके संकेत उस समय मिले जब ताइवानी राष्ट्रपति लाई चिंग-ते के बधाई संदेश का जवाब पीएम नरेंद्र मोदी ने भी पूरी गर्मजोशी से देते हुए दोनों देशों में घनिष्ठ संबंधों बढ़ने के प्रति उन्हें आश्वस्त किया। इसके बाद चीन की ओर इस पर सख्त प्रतिक्रिया आई है। सूत्रों का कहना है कि पीएम मोदी के शपथ ग्रहण के बाद भारत अब चीन को तिब्बत मुद्दे पर घेरने का मन बना चुका है। इसके लिए भारत अब चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में करीब दर्जन 30 से अधिक स्थानों के नाम बदलने की योजना बना रहा है। नामकरण किए जाने के साथ भारत ने अपने दावे की जमीनी साक्ष्य पेश करने की भी तैयारी कर ली है। इसके लिए हाल के हफ्तों में भारतीय सेना ने इन विवादित सीमा क्षेत्रों में मीडिया के बहुत से दौरे आयोजित किए हैं। पत्रकारों को ऐसे स्थानीय लोगों से बात कराई गई है जो चीनी दावों का कड़ा विरोध करते हैं और कहते हैं कि वे हमेशा भारत का हिस्सा थे। इसका अंतिम लक्ष्य क्षेत्रीय और वैश्विक मीडिया के माध्यम से विवादित सीमा पर भारतीय नैरेटिव को खड़ा करना है। ऐसा नैरिटव जो ठोस ऐतिहासिक शोध और स्थानीय निवासियों की आवाजों पर आधारित है। भारत का यह कदम चीन द्वारा भारत के अरुणाचल प्रदे में कई स्थानों के नाम बदलने की चाल का मुकाबला करने की तैयारी माना जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार भारतीय सैन्य स्रोतों ने ऐसे स्थानों के नए नाम की पूरी सूची तैयार कर ली है और दिल्ली में नई सरकार के सत्ता में आने के तुरंत बाद ही यह सूची जारी की जा सकती है। सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले 10 साल के कार्यकाल में अपनी मजबूत नेता की छवि खड़ी की है। ऐसे में यह स्वाभाविक है कि वह उस छवि को बनाए रखने के लिए तिब्बती स्थानों के नाम बदले जाने के अधिकृत करेंगे। गौरतलब है कि चीन अपने छद्म नामकरण अभियान के तहत अरुणाचल को जांगनान या दक्षिणी तिब्बत कहता है। अब भारत द्वारा तिब्बती पर चीन के दावे पर सवाल खड़ा करते हुए उनका नाम बदले जाने रणनीति अपनाई है। इस पूरी रणनीति के पीछे भारतीय सेना का सूचना युद्ध प्रभाग है। इसके तहत पहले चरण में व्यापक शोध करके 30 से ज्यादा शहरों, नदियों, झीलों, दर्रा, पर्वतों, मैदानों के चीनी नामों को गलत साबित किया जाना है, जिसके लिए कोलकाता स्थित ब्रिटिशकालीन एशियाटिक सोसाइटी जैसे शीर्ष शोध संस्थानों का सहयोग लिया गया है। साथ ही इन स्थानों को नए नाम दिए जाने हैं। इसके लिए व्यापक ऐतिहासिक शोध पर आधारित नए नामों की सूची तैयार कर ली गई है। ऐतिहासिक अभिलेखों से संबंधित स्थानों के प्राचीन नामों को भारतीय भाषाओं में तैयार किया गया है। यह सूची जल्द ही मीडिया के माध्यम से ग्लोबल अभियान के तहत जारी की जाएगी।

बलौदा बाजार में सतनामी समुदाय का विरोध प्रदर्शन, कलेक्टर कार्यालय में लगाई आग

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बलौदा बाजार में हजारों की संख्या में सतनामी समाज के लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। बेकाबू भीड़ ने कलेक्टर कार्यालय को घेर लिया और उसमें आग लगा दी। इस दौरान तहसील कार्यालय, जिला पंचायत भवन और कलेक्टर कार्यालय में आग लग गई। जब पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को खदेड़ने का प्रयास किया तो प्रदर्शनकारियों ने पुलिस से हाथापाई की। इस झड़प में कुछ पुलिस अधिकारी घायल हो गए। लंबे समय से प्रशासन से नाराज चल रहे सतनामी समाज के लोग सोमवार को कलेक्टर कार्यालय में विरोध प्रदर्शन के लिए पहुंचे थे। इस दौरान हजारों की संख्या में लोग जमा हो गए। लेकिन जब बातचीत विफल हो गई तो वे सुरक्षा घेरा तोड़कर अंदर घुस गए। सतनामी समाज के बेकाबू लोगों की सुरक्षा में तैनात पुलिस अधिकारियों से झड़प हो गई। कार्यालय के बाहर करीब 3-4 हजार लोग जमा हो गए थे। इस दौरान भीड़ ने कलेक्टर कार्यालय में आग लगा दी और बाहर खड़ी कई प्रशासनिक गाड़ियों को भी आग के हवाले कर दिया। सामने आयी तस्वीरों के अनुसार छत्तीसगढ़ के बलौदा बाजार में सतनामी समुदाय के लोगों ने कलेक्टर ऑफिस और कार में आग लगा दी। सरकारी दफ्तर व्यस्त हैं, इलाका काले धुएं से भर गया है। सूत्रों के मुताबिक, धार्मिक प्रतीक जैतखाम को तोड़े जाने के विरोध में सोमवार को छत्तीसगढ़ के बलौदा बाजार में सतनामी समाज के सैकड़ों लोगों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। देखते ही देखते मामला गरमा गया। गुस्साई भीड़ ने आग लगा दी. पुलिस स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश कर रही है।

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से 10 गायों की मौत

गोलाघाट (हिंस)। जिला के बोकाखात महकुमा अंतर्गत धनसिरीमुख बामुनगांव चापरी के बिलतिया में आकाशीय बिजली गिरने से पशुओं की मौत हुई है। मिली जानकारी के अनुसार बीती देर रात को आकाशीय बिजली गिरने से 10 गायों की मौत हो गई। सभी गायें जीवन शर्मा और द्रोण शर्मा की बताई गई हैं। इस घटना को लेकर दोनों किसानों का परिवार बेहद गमगीन है। आशंका जताई गई है कि बिजली गिरने से चापरी इलाके में और भी गायों की मौत हुई है। ज्ञात हो कि बीती रात आकाशीय बिजली, तेज हवा और बारिश के बीच आकाशीय बिजली गिरने से मवेशियों की मौत हो गई।

आदित्य एल-1 के उपकरणों ने की सूर्य गतिविधियों को कैद, भेजी तस्वीरें

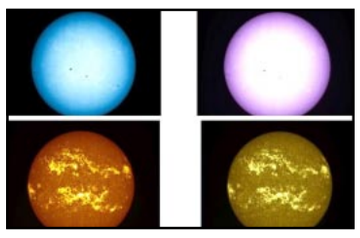

नई दिल्ली (हि.स.)। आदित्य-एल1 मिशन ने एक और कामयाबी हासिल की है। मिशन के एसयूआईटी और वीईएलसी उपकरणों ने मई के दौरान सूर्य की गतिशील गतिविधियों को कैद किया है। सोमवार को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने आदित्य एल वन की तस्वीरें साझा करते हुए कहा कि कोरोनल मास इजेक्शन से जुड़ी कई एक्स-क्लास और एम-क्लास फ्लेयर्स दर्ज की गईं, जिससे महत्वपूर्ण भू-चुंबकीय तूफान पैदा हुए। उल्लेखनीय है कि भारत का पहला सोलर मिशन *आदित्य एल 1* छह जनवरी को एल 1 पॉइंट की हेलो ऑर्बिट पर पहुंचा दिया गया था। यान को पृथ्वी से लगभग 15 लाख किलोमीटर दूर सूर्य-पृथ्वी प्रणाली के *लैग्रेंज प्वाइंट 1* (एल 1) के आसपास एक प्रभामंडल कक्षा में स्थापित किया गया है। इस मिशन को पिछले साल 2 सितंबर को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से लॉन्च किया गया था।

No. GFM/Offence/GENL Notice/2176

NOTICE

The following vehicles have been seized by respective Ranges under this Division for violation under Section 49 (I) of A.F.R. Act 1891 (Amendment Act'1995, Vol, VII) section 34, 40 and other relevant section of AFR Act'1891 and are unclaimed. Therefore vide this notice all the owners of the following vehicles are hereby directed to claim the vehicles at the O/o the undersigned within 7 (seven) days from the publication of this notice without fail. Otherwise the vehicles will be confiscated by the Govt. of Assam as per Rule.

Sl. No.	Name of Range	Date of Seizure	Vehicle Registration No.	Chassis No.	Engine No.	Type of Vehicle
1	2	3	4	5	6	7
1	Nagarbera Range	26-02-2024	AS-26-C-3452	--	--	TATA ACE
2	Singra Range, Boko	01-10-2023	AS-25-BC-3829	--	--	TATA ACE ZIP
3	Nagarbera Range	06-12-2023	AS-13-C-1403	--	--	TATA RX Pick up
4	Nagarbera Range	06-01-2024	AS-01-EC-6236	--	--	Mahindra Maximo
5	Singra Range, Boko	28-10-2023	AS-01-DC-3882	--	--	TATA RX Pick up
6	Singra Range, Boko	31-10-2023	AS-25-AC-2970	--	_	TATA Magic
7	Nagarbera Range	02-11-2023	AS-01-X-6423	--	_	Mahindra Max Pick up
8	Singra Range, Boko	18-07-2023	AS-01-AA-9054	--	--	Maruti Van
9	Singra Range, Boko	01-12-2023	AS-01-FC-2026	--	--	Maximo
10	Bamunigaon Range	01-03-2024	ML-10-B-0170	--	--	Mahindra Maximo
11	Bamunigaon Range	05-04-2024	AS-01-DC-4603	--	--	TATA ACE
12	Bamunigaon Range	24-04-2024	AS-01-FC-1088	--	--	TATA ACE
13	Loharghat Range	03-06-2022	ML-05-2695	--	--	Truck

Janasanyog/D/1394/ 24/11-Jun-24

Authorised Officer cum
Divisional Forest Officer,
Kamrup West Division,
Bamunivaon.

गर्मजोशी के साथ शेख हसीना से मिला गांधी परिवार

नई दिल्ली। पीएम मोदी के शपथ ग्रहण में शामिल होने भारत आई बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना शनिवार को दिल्ली पहुंची थी। इसके बाद बीते दिन रविवार को राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में पीएम मोदी की शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुई। इस समारोह में मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू, श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे और नेपाल के पीएम पुष्प कमल दहल प्रचंड सहित भारत के अन्य पड़ोसी देशों के शीर्ष नेताओं ने हिस्सा लिया। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने सोमवार को बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना से मुलाकात की। साथ ही उनके साथ सांसद राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी भी मौजूद रही। इस मुलाकात की जानकारी कांग्रेस ने ऑफिशियल एक्स हैंडल पर एक पोस्ट साझा कर दिया। इस दौरान शेख हसीना ने सोनिया गांध को गले लगाया। इसके साथ ही उन्होंने प्रियंका और राहुल गांधी को भी गले लगाया। आपको बता दें कि एक समय था जब शेख हसीना और उनके परिवार पर जान के भी लाले थे, उस समय हमारे देश की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने इनको भारत में न सिर्फ शरण दिया, बल्कि उनकी जान भी बचाई थी। यह बात साल 1975 की है जब बांग्लादेश में तख्तापलट के दौरान उनके पिता शेख मुजीब उर रहमान और परिवार के अन्य सदस्यों की सेना ने हत्या कर दी थी।

पृष्ठ एक का शेष

विस चुनाव में 90 से ...

राज्य में 2026 के विधानसभा चुनाव में 90-100 विधानसभा सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। जानकारी के लिए बता दें कि भारतीय जनता पार्टी ने 11 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ा था और नौ सीटें जीती थीं, जबकि उसकी सहयोगी पार्टी असम गण परिषद (अगप) ने दो सीटों पर चुनाव लड़ा था और एक सीट जीती थी और यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) ने एक सीट लड़ी थी और एक सीट जीती थी। असम में कुल 14 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में से कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया ब्लॉक ने राज्य में तीन सीटें जीतीं थीं। असम विधान सभा के निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या 126 है। भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) की तरफ से घोषित रिजल्ट के अनुसार, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसकी सहयोगी पार्टियों ने हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनाव में असम में 93 विधानसभा क्षेत्रों में बढ़त हासिल की। भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) के आंकड़ों के अनुसार, डिब्रूगढ़ लोकसभा सीट के तहत सभी 10 विधानसभा क्षेत्रों, गुवाहाटी लोकसभा सीट के तहत नौ विधानसभा क्षेत्रों, काजीरंगा लोकसभा सीट के तहत नौ विधानसभा क्षेत्रों, 10 विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा आगे रही। दरांग-उदलगुरी लोकसभा सीट के अंतर्गत, सभी नौ विधानसभा क्षेत्र सोनितपुर लोकसभा सीट के अंतर्गत आते हैं। भाजपा ने लखीमपुर लोकसभा सीट के तहत आठ विधानसभा क्षेत्रों, डीफू लोकसभा सीट के तहत सभी छह विधानसभा क्षेत्रों, सिलचर लोकसभा सीट के तहत छह विधानसभा क्षेत्रों और करीमगंज और नगांव लोकसभा सीटों में चार पर भी बढ़त बना ली है।

सात राज्यों की ...

तमिलनाडु की विक्रावंडी, मध्य प्रदेश की अमरवाड़ा (एसटी), उत्तराखंड की बद्रीनाथ, मंगलौर, पंजाब की जालंधर पश्चिम (एससी), हिमाचल प्रदेश की देहरा, हमीरपुर और नालागढ़। यह सीटें विधायकों के इस्तीफा देने या उनकी मृत्यु के कारण खाली हुई हैं।

मणिपुर मुख्यमंत्री के ...

सूत्रों ने बताया कि आतंकवादियों की अंधाधुंध गोलीबारी में एक सुरक्षाकर्मी घायल हुआ है और उसे इंफाल के शिजा अस्पताल और अनुसंधान संस्थान में भर्ती कराया गया है। सूत्र ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद तुरंत इंफाल से पुलिस कमांडो और असम राइफल्स की एक संयुक्त टीम को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। इस बीच, संयुक्तबलों ने मौके पर पहुंचकर उग्रवादियों को पकड़ने के लिए सघन अभियान शुरू किया है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री बीरेन सिंह अभी तक दिल्ली से इंफाल नहीं लौटे हैं। वे आज इंफाल पहुंचने वाले हैं। मुख्यमंत्री को कल जिरीबाम जिले में स्थिति की समीक्षा करने जाना था। हमले के बाद मुख्यमंत्री जिरिबाम यात्रा कार्यक्रम में कोई बदलाव किया गया है अथवा नहीं, इसकी कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

जनता का पीएमओ...

करना चाहते हैं, जो लोगों के कल्याण के लिए काम करे। उन्होंने कहा कि पिछले 2014 से हमने जो कदम उठाए हैं, हमने इसे एक उत्प्रेरक एजेंट के रूप में विकसित करने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि मेरा शुरू से प्रयास रहा है कि पीएमओ सेवा का अधिष्ठान और लोगों का पीएमओ बने। यह मोदी का पीएमओ नहीं हो सकता है। मोदी ने कहा कि उनके दिल और दिमाग में 140 करोड़ लोगों के अलावा कोई नहीं है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब सरकार की बात आती है, तो यह सिर्फ मोदी ही नहीं है, हजारों दिमाग जो उनके साथ जुड़े हुए हैं, हजारों मस्तिष्क जो इस पर काम कर रहे हैं, हजारों भुजाएं जो इस पर काम कर रही हैं। इस विराट स्वरूप के कारण सामान्य मनुष्य भी इसकी क्षमताओं से परिचित हो पाता है। उन्होंने कहा कि सरकार का मतलब सामर्थ्य, समर्पण और संकल्पों की नई ऊर्जा है। मोदी ने कहा कि हम वो लोग नहीं हैं, जिनका ऑफिस इस समय शुरू होता है और इस समय खत्म होता है। हमारी टीम के लिए ना तो समय का बंधन है, ना सोचने की सीमाएं और ना ही पुरुषार्थ के लिए कोई तय मानदंड है। जो इससे परे हैं, वो मेरी टीम है और देश को उस टीम पर भरोसा है। उन्होंने कहा कि उन सबको मेरा निमंत्रण है, जो विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए समर्पित भाव से खप जाना चाहते हैं। हमारा एक ही लक्ष्य राष्ट्र प्रथम, एक ही इरादा 2047 तक विकसित भारत बनाना है। मैंने सार्वजनिक रूप से कहा है, मेरा पल-पल देश के नाम है। मैंने देश से वादा भी किया है कि 2047 के लिए 24/7, मुझे टीम से ऐसी उम्मीदें हैं। मोदी ने कहा कि मुझे लगता है कि अब मेरा दायित्व है कि मैं 10 साल में जितना सोचा था, उससे कहीं ज्यादा सोचूं, 10 साल में जितना किया, उससे कहीं ज्यादा करने का है। अब जो करना है, वो ग्लोबल बेंचमार्क को पार करने की दिशा में करना है। हम कल क्या थे और आज हमने कितना अच्छा किया वो समय बीत चुका है। अगर दुनिया उस मुकाम पर है, जिसके आगे कुछ नहीं है, तो हमें वहां पहुंचना है। हमें अपने देश को वहां ले जाना है, जहां कोई और नहीं पहुंचा।

पीएम आवास योजना ...

योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) के तहत 3 करोड़ अतिरिक्त घरों को मंजूरी देने का फैसला किया है। बता दें कि भारत सरकार वर्ष 2015-16 से प्रधानमंत्री आवास योजना को क्रियान्वित कर रही है। इसका उद्देश्य पात्र ग्रामीण और शहरी परिवारों को बुनियादी सुविधाओं के साथ मकान बनाने में सहायता प्रदान करना है। पीएमएवाई के तहत, पिछले 10 वर्षों में आवास योजनाओं के तहत पात्र गरीब परिवारों के लिए कुल 4.21 करोड़ मकान पूरे किए गए हैं। पीएमएवाई के तहत निर्मित सभी घरों में केंद्र सरकार और राज्य सरकारों की अन्य योजनाओं के साथ अभिसरण के माध्यम से घरेलू शौचालय, एलपीजी कनेक्शन, बिजली कनेक्शन, कार्यात्मक घरेलू नल कनेक्शन आदि जैसी अन्य बुनियादी सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। रविवार को नरेंद्र मोदी ने रिकॉर्ड तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ ली। राष्ट्रपति भवन में उनके साथ 72 मंत्रियों ने भी शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह से पहले मोदी ने अपने आवास पर चाय पर हुई बैठक के दौरान अपने तीसरे मंत्रिमंडल में शामिल मंत्रियों से कहा कि उन्हें *100 दिवसीय कार्यक्रम* पर काम शुरू करना होगा।

मोदी मंत्रिमंडल को ...

कैबिनेट मंत्री का पद मिलेगा। कर्नाटक के एचडी कुमारस्वामी की पार्टी के दो सांसद हैं, उन्हें कैबिनेट मंत्री का पद मिला। जीतनराम मांझी इकलौते सांसद हैं, उन्हें कैबिनेट मंत्री पद मिला। चिराग पासवान की पार्टी के पांच सांसद जीते हैं, उन्हें भी कैबिनेट में जगह मिली है। शिवसेना के सात सांसद हैं, जबकि हम 19 सीटों पर लड़े थे। भाजपा के नौ सांसद है, जबकि वह 28 सीटों पर लड़ी थी। हमारी अपेक्षा थी कि शिवसेना को एक कैबिनेट मंत्री पद और एक राज्य मंत्री पद मिलना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि हम भाजपा के सबसे पुराने सहयोगी दलों में से एक हैं, जबकि हमें राज्य मंत्री पद मिला है। तीन महीने में विधानसभा चुनाव हैं। जब हम चुनाव में एकसाथ जाएंगे तो उसका विचार करते हुए शिवसेना को उचित भूमिका मिलनी चाहिए। 61 मंत्री तो भाजपा के ही हैं। महाराष्ट्र को भी उचित भूमिका नहीं मिल पाई। हमने एकनाथ शिंदे जी के सामने अपनी राय रखी है। अब भाजपा को इस पर फैसला करना है। हमारी भूमिका स्पष्ट होनी चाहिए। लोकसभा चुनाव में तीसरी बार बारणे ने मावल सीट से जीत हासिल की। उन्होंने शिवसेना (यूबीटी) के संजोग वाघेरे पाटिल को हराया। शिवसेना सांसद ने कहा कि सतारा से भाजपा सांसद उदयनराजे भोसले भी कैबिनेट पद के हकदार थे। नई कैबिनेट में शिंदे सेना से केवल प्रतापराव जादव ही एकमात्र प्रतिनिधित्व थे, जिन्होंने रविवार को स्वतंत्र प्रभार के साथ राज्य मंत्री के रूप में शपथ ली। उन्होंने कहा कि एकनाथ शिंदे के साहसिक कदम के कारण ही महाराष्ट्र की राजनीति में बड़ा परिवर्तन आया। उन्होंने कहा कि इन कारकों को ध्यान में रखते हुए वे भाजपा से उचित रुख की उम्मीद कर रहे हैं।

भूलभुलैया गुफाओं ...

पहुंच रही है, जहां पाकिस्तानी और लोकल आतंकी छिपे हैं। सुरक्षा एजेंसियों के सीक्रेट प्लान के मुताबिक, आतंकी जिंदा या मुर्दा, लेकिन वे बाहर घसीटे जाएंगे। जम्मू क्षेत्र के पुंछ और राजौरी इलाके में बीहड़ जंगल हैं। इन्हीं जंगलों में अनेक प्राकृतिक गुफाएं मौजूद हैं। गत वर्ष सेना प्रमुख, जनरल मनोज पांडे ने कमांडरों की एक बैठक में यह निर्देश दिया था कि प्राकृतिक गुफाओं में छिपे बैठे आतंकियों को जल्द से जल्द बाहर निकाला जाए। उनके ठिकानों पर जोरदार प्रहार किया जाए। इसके बाद कई स्थानों पर सुरक्षा बलों के खास ऑपरेशन शुरु किए गए हैं। पीर पंजाल रेंज के तहत आने वाले राजौरी-पुंछ के वन क्षेत्रों में सुरक्षा बलों की टीमें पहुंच रही हैं। ऑपरेशन में सीआरपीएफ का कोबरा दस्ता, जो जंगल वॉरफेयर में एक्सपर्ट है, उसकी मदद ली जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, कई प्राकृतिक गुफाओं में पाकिस्तानी दहशतगर्द छिपे हुए हैं। कुछ गुफाएं ऐसी जगह पर स्थित हैं, जहां तक सुरक्षा बलों की सीधी पहुंच नहीं है। आतंकी, ऊंचाई का फायदा उठाते हैं। गत वर्ष दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग के कोकेरनाग जंगल क्षेत्र में छह सात दिन चले ऑपरेशन में दो आतंकियों के मारे जाने का दावा किया गया था। यहां पर आतंकी, प्राकृतिक गुफा में छिपे हुए थे। जब सुरक्षा बलों ने गुफा की तरफ चढ़ाई की, तो आतंकियों ने फायरिंग कर दी। उस हमले में भारतीय सेना का एक कर्नल, एक मेजर और एक डीएसपी शहीद हो गए थे। ऑपरेशन के छठे दिन, एक अन्य जवान की बॉडी मिली थी। उसके बाद भी जंगलों में आतंकियों ने हमलों को अंजाम दिया। पिछले माह जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में आतंकवादियों ने भारतीय वायुसेना के वाहन पर हमला किया था। उस हमले में एक सैनिक शहीद हुआ, जबकि कई अन्य सैनिक घायल हो गए थे। प्राकृतिक गुफाओं में छिपे बैठे आतंकियों का सफाया करने के लिए अब सुरक्षा बल, ग्राउंड-पेनेट्रेटिंग रडार और थर्मल इमेजिंग तकनीक का इस्तेमाल कर रहे हैं। हालांकि अभी तक इस तरह के उपकरणों से कोई बड़ी मदद नहीं मिल रही है। वजह, आतंकी इन उपकरणों की तकनीक से वाकिफ हैं। वे इसके तोड़ का कोई न कोई तरीका ढूंढ लेते हैं। सुरक्षा बलों की टीम, अब प्राकृतिक गुफाओं में छिपे आतंकियों को बाहर निकालने का जो तरीका अपना रही है, वह करो या मरो का है। यानी किसी भी तरह से आतंकी, जिंदा या मुर्दा, गुफा से बाहर आना चाहिए। भूलभुलैया के रास्तों वाली प्राकृतिक गुफाओं में अब बड़े हथियारों का इस्तेमाल किया जाएगा। इनमें स्नाइपर्स गन, मोर्टार, अंडर बैरल ग्रेनेड लांचर, रॉकेट और भारी मशीनगन शामिल है। जहां पर भी आतंकियों के छिपने की पुख्ता सूचना मिले, वहीं उक्त हथियारों का प्रयोग किया जाए। गुफाओं में प्रवेश मार्ग को लेकर ड्रोन से सूचनाएं जुटाई जा रही हैं। घने जंगल में खुफिया एजेंसियों को उन रास्तों पर लगाया गया है, जहां से आतंकियों की सप्लाई चेन जारी रहती है। डेरा की गली के जंगल में विशेष बलों को उतारा जा रहा है। यहां पर दर्जनों प्राकृतिक गुफाएं मौजूद हैं। ये गुफाएं, आतंकवादियों के छिपने के लिए एक कारगर ठिकाना साबित हो रही हैं। सुरक्षा बलों के सूत्रों के मुताबिक, पिछले कुछ वर्षों के दौरान घाटी में बड़ी घुसपैठ नहीं हुई है। ये सभी विदेशी आतंकी कई वर्षों से घाटी में कहीं पर छिपे हों। हालांकि अब इनके ठिकाने का पता चल रहा है। गुफाओं तक अब सुरक्षा बलों की पहुंच बन रही है। मौजूदा समय में 32 लोकल और 58 विदेशी यानी पाकिस्तानी आतंकी सक्रिय हैं। जम्मू-कश्मीर पुलिस, आईबी, आर्मी एवं अन्य एजेंसियां आतंकियों के ठिकाने तक पहुंचने का प्रयास कर रही हैं। सीमा पार के आतंकी संगठन, पाकिस्तानी आतंकियों को बचाना चाहते हैं। वे ज्यादा से ज्यादा हाइब्रिड आतंकी तैयार कर रहे हैं। हाइब्रिड आतंकियों की मदद से ही टारगेट किलिंग की वारदात को अंजाम दिया जाता है। ये आतंकी, पब्लिक के बीच ही अंडर ग्राउंड वर्कर बनकर काम करते हैं। इन पर पुलिस या आम जनता को शक नहीं होता, क्योंकि ये उनके बीच में ही रहते हैं। जम्मू-कश्मीर में गत वर्ष जी-20 की बैठक से कुछ दिन पहले आतंकियों ने भारतीय सेना के वाहन पर हमला किया था। उसमें पांच जवान शहीद हो गए थे। इसके बाद राजौरी के कंडी जंगलों में बनी गुफाओं में छिपे आतंकियों के साथ हुई मुठभेड़ में भी सेना के पांच जवानों ने शहादत दी। पहले आईईडी ब्लास्ट और फिर जवानों पर अंधाधुंध फायरिंग की गई। पीपुल्स एंटी-फासिस्ट फ्रंट (पीएएफएफ) के प्रवक्ता तनवीर अहमद राथर ने अपने बयान में इन हमलों की जिम्मेदारी ली थी। पीएएफएफ ने इन हमलों का एक वीडियो भी जारी किया था। उसमें कहा गया कि सुरक्षा बलों को वे यानी आतंकी जैसा चाहते हैं, वैसा ही करने के लिए मजबूर कर देते हैं। सुरक्षा बल, उनके ट्रैप में आ जाते हैं। सुरक्षा बलों से जुड़े एक अधिकारी बताते हैं, पाकिस्तान से आए आतंकी, जम्मू-कश्मीर के जंगलों में छिपे हैं। वे सामान्य फोन से बातचीत नहीं करते। यही वजह है कि उन्हें आसानी से ट्रैक नहीं किया जा सकता। सुरक्षा बलों को ज्यादातर सूचनाएं मुखबिरों के माध्यम से ही मिलती हैं।

हिंसा के बाद असम ...

की सीमा पर स्थित कछार जिले के लखीपुर में कुकी और मैतेई दोनों संप्रदाय की आबादी निवास करती है। ऐसे में लखीपुर में मणिपुर हिंसा की आग की लपटें पहुंच सकती हैं। इससे निपटने के लिए एहतियाती तौर पर कछार पुलिस ने असम-मणिपुर की सीमा पर गश्त बढ़ा दी है। पुलिस अधीक्षक ने लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें। उल्लेखनीय है कि मणिपुर में धीरे-धीरे शांत हो रही हिंसा की ज्वाला एक बार फिर जीरीबाम की घटना के बाद भड़क उठी है। पूरे इलाके में धारा 144 लगाई गई है, बावजूद इसके मैतेई और कूकी एक-दूसरे का घर जला रहे हैं। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए जीरीबाम और इसके आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा बलों की भारी तैनाती की गई है। हालांकि मुखबिरों की सूचना को क्रॉस चैक किया जाता है, लेकिन कई बार इंटेल इनपुट, पूरी तरह से स्पष्ट नहीं होता। उस स्थिति में जोखिम या नुकसान की संभावना बनी रहती है।

मंत्रिपरिषद की सूची

कीर्तिवर्धन सिंह	:	पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय तथा विदेश मंत्रालय।
बी.एल. वर्मा	:	उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय।
शांतनु ठाकुर	:	बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय।
डॉ. एल. मुरुगन	:	सूचना और प्रसारण मंत्रालय तथा संसदीय मामलों के मंत्रालय।
अजय टम्टा	:	सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय।
बंदी संजय कुमार	:	गृह मंत्रालय।
कमलेश पासवान	:	ग्रामीण विकास मंत्रालय।
भागीरथ चौधरी	:	कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय।
सतीश चंद्र दुबे	:	कोयला मंत्रालय तथा खान मंत्रालय।
संजय सेठ	:	रक्षा मंत्रालय।
रवनीत सिंह	:	खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय तथा रेल मंत्रालय।
दुर्गादास उइके	:	जनजातीय मामलों के मंत्रालय।
सुकांत मजूमदार	:	शिक्षा मंत्रालय तथा पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय।
सावित्री ठाकुर	:	महिला एवं बाल विकास मंत्रालय।
तोखन साहू	:	आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय।
राजभूषण चौधरी	:	जल शक्ति मंत्रालय।
भूपति राजू श्रीनिवास वर्मा	:	भारी उद्योग मंत्रालय तथा इस्पात मंत्रालय।
हर्ष मल्होत्रा	:	कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय तथा सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय।
निमूबेन जयंतीभाई बांभनिया	:	उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय।
मुरलीधर मोहोल	:	सहकारिता मंत्रालय तथा नागरिक उड्डयन मंत्रालय एवं मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय।
पबित्र मार्गेरिटा	:	विदेश मंत्रालय तथा कपड़ा मंत्रालय।

माजुली में दो ग्रामीणों के घरों को जंगली हाथियों ने किया नष्ट

माजुली (हिंस)। माजुली के रिहायशी इलाकों में जंगली हाथियों का आतंक व्याप्त है। आज तड़के दक्षिणपाट कुमार गांव में दो व्यक्तियों के घरों को जंगली हाथियों ने तहस-नहस कर दिया। इस दौरान पाइप लाइन का कार्य कर रहे कई कर्मचारियों की बमुश्किल जान बची। दक्षिणपाट कुमार गांव के निवासी यादव कलिता और शुभ कलिता के घर के बाहर बनाए गए बेड़ (चाहरदीवारी) को हाथियों ने तोड़कर घर में प्रवेश किया। साथ ही घर में मौजूद धान को भी हाथी खा गये। ज्ञात हो कि इलाके के अफलामुख स्थित घाट के समीप पाइप लाइन का चल रहा है, जंगली हाथी उक्त स्थान पर पहुंच गए। हाथियों को देख श्रमिकों में दहशत फैल गई। हालांकि, किसी तरह श्रमिक अपनी जान बचाने में फसल रहे। ज्ञात हो कि जंगली हाथी पिछले कुछ दिनों से ब्रह्मपुत्र के बीचों-बीच स्थित चापरी (नदी का छाड़न वाला इलाका) में शरण लिए हुए हैं।

बाढ़ मुक्त गुवाहाटी, अमृत, स्वच्छ भारत मिशन आदि विभिन्न मुद्दों पर मंत्री सिंघल ने की कई बैठकें

गुवाहाटी (हिंस)। गृह निर्माण और शहरी मामलों तथा सिंचाई विभाग के मंत्री अशोक सिंघल ने आज बाढ़ मुक्त गुवाहाटी, मिशन अमृत, स्वच्छ भारत मिशन (शहरी), आवास और शहरी मामलों के विभाग के तकनीकी विंग और शहरी और ग्राम नियोजन निदेशालय के साथ आवास और शहरी मामलों के विभाग के शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक की। आज की बैठक में विशेष रूप से हाल ही में चक्रवात रेमल के प्रभाव में गुवाहाटी शहर में असामान्य वर्षा और उसके परिणामस्वरूप आई बाढ़ के साथ-साथ मिशन फ्लड-फ्री गुवाहाटी के तहत दीर्घकालिक उपायों पर चर्चा की गई ताकि गुवाहाटी शहर में कृत्रिम बाढ़ की समस्या के प्रभावी

समाधान का मार्ग प्रशस्त हो सके। यह कहते हुए कि शहर में मेघालय के पहाड़ से नीचे आने वाले पानी का प्रवाह कृत्रिम बाढ़ के प्रमुख कारणों में से एक है, इस पानी को शहर के बाहर ब्रह्मपुत्र नद या दीपर बील (झील) तक कैसे ले जाया जाए, गुवाहाटी की नालियों को पूरी तरह से कचरा मुक्त बनाकर पानी की प्राकृतिक धाराओं को साफ रखने के लिए, नालों को गाद मुक्त रखने के उद्देश्य से अवैध मिट्टी कटाई और अवैध निर्माण को बंद करने तथा नदी और जलाओं के किनारे होने वाले अवैध कब्जे को रोकने के लिए प्रभावी उपाय करने की आवश्यकता पर बल दिया। इसके लिए उन्होंने गुवाहाटी नगर निगम के पार्षदों और मिशन फ्लड फ्री गुवाहाटी के अधिकारियों को गुवाहाटी नगर निगम के साथ-साथ वन विभाग के साथ समन्वय बनाकर काम करने के निर्देश दिए। दूसरी ओर, आज एक अन्य महत्वपूर्ण बैठक में अमृत 2.0 के तहत राज्य के विभिन्न शहरों में शुरू की गई शहरी पेयजल आपूर्ति योजनाओं पर काम की नवीनतम स्थिति पर चर्चा की गई। इस मिशन के पहले चरण के तहत, 238.33 करोड़ रुपए की लागत से नगांव जल आपूर्ति योजना, 193.93 करोड़ रुपए की लागत से डिब्रूगढ़ जल आपूर्ति योजना और 177.47 करोड़ रुपए की लागत से सिलचर जल आपूर्ति योजना शुरू की गई। इसके साथ ही अमृत 2.0 के अधीन हाथ में ली गई योजनाओं में बिहपुरिया, जोरहाट, उत्तर लखीमपुर, लखीपुर (कछार), कोकराझार, तिनसुकिया, बिलासीपाड़ा, सिलचर (फेज-2), रंगिया आदि जलापूर्ति परियोजनाओं की प्रगति का जायजा लेते हुए मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए। आज एक अन्य बैठक में मंत्री सिंघल ने स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के तहत हाथ में ली गई ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, इस्तेमाल किए गए जल प्रबंधन, सार्वजनिक शौचालयों के उचित रखरखाव, नगर पालिकाओं के निवासियों के घरों से 100 प्रतिशत कचरा संग्रह पर जोर दिया। मंत्री ने आज आवास और शहरी मामलों के विभाग के तकनीकी विंग के साथ-साथ शहरी और ग्राम नियोजन निदेशालय के शीर्ष अधिकारियों के साथ दो अन्य महत्वपूर्ण बैठकें भी कीं।

विधायक भवेश कलिता ने निर्माणाधीन भवनों का लिया जायजा

रंगिया (विभास)। रंगिया नगर के वार्ड नं-7 स्थित सार्वजनिक सहकारी धान मिल परिसर में 3 करोड़ रुपए की लागत से 600 से अधिक सीटों वाले अत्याधुनिक वातानुकूलित श्रीमंत शंकरदेव भवन का निर्माण किया जा रहा है। जिसका अबतक 60 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। इस दौरान आज रंगिया के विधायक तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता ने स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों के साथ उपस्थित होकर इसके निर्माण कार्य की अग्रगति का मुआयना किया। उनके साथ रंगिया के महकमाधिपति तथा अतिरिक्त आयुक्त देवाशीष गोस्वामी, रंगिया पोरसभा के अध्यक्ष अमरेंद्र लहकर सहित वार्ड की पारिषद पुरोबी दास और कई प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहे। इस मौके पर विधायक कलिता ने आशा जताई कि कुछ ही महीनों में ही वृहत्तर रंगिया के लोगो की सेवा में यह सार्वजनिक भवन तैयार हो जाएगा। इसके पश्चात विधायक कलिता ने रंगिया खंड विकास अधिकारी के पुराने कार्यालय परिसर में 18 करोड़ रुपए की लागत से निर्माणाधीन असम के पहले रंगिया एकीकृत महकमाधिपति तथा उप-जिला कार्यालय के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया और इस मौके पर इसके निर्माण कार्य में लगे श्रमिकों से वार्तालाप किया।

सत्र की 33 बीघा जमीन को प्रशासन ने अतिक्रमण मुक्त कराया

बजाली (हिंस)। धरोहर स्थल भवानीपुर गोपाल आता सत्र (मठ) की 33 बीघा जमीन को बजाली प्रशासन ने अभियान चलाकर आज अतिक्रमण मुक्त कराया। सरकार द्वारा सत्र नामघर की जमीन को बार-बार अतिक्रमण से मुक्त कराए जाने के बावजूद सत्र की जमीन पर बार-बार अतिक्रमण किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि गोपाल आता सत्र की उक्त भूमि को बजाली जिला प्रशासन ने करीब एक साल पहले भी अतिक्रमण मुक्त कराया था। लेकिन फिर से, संदिग्धों के एक समूह ने जमीन को जुताईकर अतिक्रमण कर लिया।

राजीव गांधी विवि में भाषा और साहित्य पर दो दिवसीय कार्यशाला आरंभ

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश की राजधानी इटानगर के दोईमुख स्थित राजीव गांधी विश्वविद्यालय में *भाषा और साहित्य में अनुसंधान करना* विषय पर आगामी 11 जून तक होने वाले दो दिवसीय कार्यशाला आज से आरंभ हुई। कार्यशाला का आयोजन अंग्रेजी विभाग द्वारा वर्तमान और पूर्व बैच के छात्रों और शोधार्थियों को अपने क्षेत्रों और अनुसंधान के विषयों को चयन करने में सुविधा प्रदान करने के लिए किया जा रहा है। कार्यशाला का एक मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को एनईपी-2020 में परिकल्पित अनुसंधान में अंतरविषय और बहु-विषयक दृष्टिकोण से परिचित कराना है। इन दो दिनों के सत्र में विश्वविद्यालयॉय के भीतर और बाहर के संसाधन व्यक्ति शामिल होंगे जो भाषा और साहित्य में अनुसंधान से संबंधित पहलू के विभिन्न विषयों पर चर्चा करेंगे। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. एनटी रिकम ने की। इस अवसर पर भाषा संकाय के डीन प्रो. एसएस सिंह समेत कई प्रोफेशर भी उपस्थित थे। अपने संबोधन में रजिस्ट्रार डॉ. एनटी रिकम ने उच्च कार्यशाला के आयोजन के लिए विभाग के प्रयासों की सराहना की। साथ ही कहा कि शैक्षणिक प्रासंगिकता प्रतिभागियों के लिए बहुत उपयोगी साबित होगी। साथ ही एनईपी-2020 के समग्र डिजाइन में अनुसंधान के महत्व पर बात की।

चार चोर गिरफ्तार

ग्वालपाड़ा (हिंस)। ग्वालपाड़ा जिले के दुधनै के डमरा पथार इलाके में स्थित एक मोटर गैरेज में खड़ी अल्टो कार के टायर चुराने के आरोप में स्थानीय लोगों की मदद से गैरेज के कर्मचारियों ने चार चोरों को पकड़ कर पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने सोमवार को बताया कि डमरा पथार इलाके में स्थित दीप गैरेज में ऑल्टो कार (एएस-01ईएच-4116) से आए चार चोर गैरेज.में खड़ी ऑल्टो कार (एएस-01एलसी-9572) के टायर खोलने लगे।

खंडेलवाल जैन महासभा का वैवाहिक परिचय सम्मेलन संपन्न

गुवाहाटी (विभास)। श्री भारतवर्षीय खंडेलवाल दिगंबर जैन महासभा, पूर्वांचल ने पूर्वोत्तर में पहली बार गुवाहाटी स्थित *श्री आसाम महेश्वरी भवन, छत्रीबाड़ी* में युवक-युवती का परिचय सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें 225 से भी अधिक युवक युवतियों ने अपना नाम पंजीकरण कराया। कार्यक्रम का शुभारंभ सिलचर निवासी महावीरजी सेठी एवं उनके परिवार वालों ने झंडा रोहण करके किया। उसके पश्चात मुख्य द्वार का उद्घाटन जोरहाट निवासी गजेंद्रजी बाकलीवाल एवं उसके परिवार वालों ने किया। सभागार के मुख्य दरवाजे का बरपेटा निवासी अशोकजी चूडीवाल एवं उनके परिवार वालों ने फीता काटकर उद्घाटन किया। मंच पर कार्यक्रम का शुभारंभ तिनसुकिया निवासी विजय कुमारजी पाटनी एवं उनके परिवार वालों ने दीप प्रज्ज्वलित करके किया। इस अवसर पर कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष-प्रकाश चंदजी बड़जात्या, राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष पवनजी गोधा, राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष महिपालजी पहाड़िया, राष्ट्रीय महामंत्री गजेंद्रजी जैन पाटनी, पूर्वांचल कार्याध्यक्ष डॉ. संतोष काला(सी.ए), महामंत्री-सुभाष बड़जात्या, परिचय सम्मेलन के संयोजक महिपाल

पाटनी, अनिल सेठी, मनोज काला। महासभा की पूर्वांचल के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. संतोष कुमार जैन ने स्वागत भाषण देते हुए पूर्वोत्तर में पहली बार आयोजित वैवाहिक परिचय सम्मेलन के औचित्य के बारे में बताया। राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रकाशजी बड़जात्या ने अपने संबोधन में कहा कि हमारी चेष्टा है कि स्व-जातीय विवाह ही हो। स्व-जातिय विवाह से पैदा हुए बच्चे संस्कारित, विद्वान और बुद्धिमान होते हैं। बच्चों का विवाह सही उम्र में करने से उनकी संतान का पालन पोषण सही ढंग से हो जाता है। आज 27 वर्ष से 40 वर्ष तक की उम्र के बच्चे अविवाहित रहते हैं। इस बढ़ती उम्र के बाद विवाह होने से बच्चों का लालन-पालन सही ढंग से नहीं हो पाता है। इस तरह के वैवाहिक परिचय सम्मेलनों से इस समस्या का कुछ हद तक समाधान निकलेगा। इस अवसर पर स्वर्गीय निर्मलजी सेठी के परिवार द्वारा स्मारिका *खंडेलवाल समाज कि गौरव गाथा* का भी विमोचन किया गया। इसके पश्चात वैवाहिक परिचय सम्मेलन की शुरुआत की गई। जिसमें सभी युवक युवतियों ने मंच पर उपस्थित होकर अपना अपना परिचय दिया। सभी प्रार्थियों को एक-एक परिचय पुस्तिका दी गई। विवाह के इच्छुक युवक युवतियों के एवं उनके परिवार वालों को प्रारंभिक बातचीत करने के लिए अलग से व्यवस्था भी की गई थी। जिसके चलते इस विवाह परिचय सम्मेलन में दो जोड़ों का विवाह होना निश्चित हुआ। जो इस परिचय सम्मेलन की सफलता का प्रतीक माना गया। कार्यक्रम के अंतिम चरणों में मंच से विवाह संबंधित प्रश्न दर्शकों से वाद विवाद के रूप में पूछे गए। जिसमें सर्वश्रेष्ठ तर्क प्रस्तुत करने वाले को पुरस्कृत भी किया गया। परिचय सम्मेलन में गुवाहाटी से पधारे एक दिव्यांग युवक की चित्रांकन प्रतिभा को देखकर सभी दंग रह गए। परिचय सम्मेलन में नागपुर, मुंबई, सूरत, जयपुर, बिहार, पश्चिम बंगाल के अलावा पूरबोत्तर राज्यों के विभिन्न शहर और गांव से भी युवक युवतियों ने अपना पंजीकरण कराया।

नगांव माहेश्वरी महिला समिति ने साड़ी वाकेथान का आयोजन किया

नगांव (निसं)। माहेश्वरी जिला समिति नगांव के तत्वावधान में साड़ी वाकेथान का आयोजन शनिवार को किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री कृष्णाश्रम शिव मंदिर से किया गया। सर्वप्रथम उक्त मंदिर में भोलेनाथ की पूजा अर्चना के साथ अभिषेक किया गया और प्रसाद वितरण किया गया। तत्पश्चात जैन श्वेतांबर तेरापंथ मंडल की अध्यक्ष सरला बोरड़, सचिव ललिता बोथरा के द्वारा साड़ी वाकेथान के बैनर का आनावरण किया गया और अखिल मारवाड़ी महिला समिति की अध्यक्ष सुमन बोथरा ने वाकेथान यात्रा का फ्लैग आफ करके शुभारंभ किया। इससे पहले इस अवसर पर उपस्थित सभी अतिथियो का फुलाम गोमछा से

अभिनंदन किया। साड़ी वाकेथान श्री कृष्णाश्रम शिव मंदिर से आरंभ होकर नगर भ्रमण करते हुए श्री श्याम धाम , नगांव पहुंचकर कार्यक्रम कासमापन किया गया। साड़ी वाकेथान में महिलाए पीली साड़ी व लाल दुपट्टा परिधान किए हुए थी। कार्यक्रम में माहेश्वरी महिला समिति की तमाम सदस्यायें उपस्थित थी। कार्यक्रम के समापन पर आयोजन समिति की अध्यक्ष किरण धूत ने सभी को धन्यवाद ज्ञापन किया। इस आशय की जानकारी सचिव सरला चांडक ने दी।

पांच करोड़ 52 लाख की हेरोइन एवं विदेशी सिगरेट जब्त, एक गिरफ्तार

एजल (हिंस)। असम राइफल्स, मिजोरम पुलिस, उत्पाद शुल्क और केंद्रीय सीमा शुल्क विभाग मिजोरम में विदेशी सिगरेट, अवैध सामानों और हेरोइन की तस्करी के खिलाफ अपनी छापेमारी जारी रखे हुए है। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि मिजोरम में लुंगले और चंपाई जिले में अलग-अलग छापेमारी में भारी मात्रा में हेरोइन और विदेशी सिगरेट जब्त किया है। असम राइफल्स और आबकारी विभाग ने लुंगले जिले के राची वेंग इलाके में छापेमारी की। मौके से हेरोइन युक्त 40 साबुनदानियां जब्त की गईं। साबुनदानी से कुल 483.98 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। जब्त की गई हेरोइन की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 3 करोड़ 38 लाख रुपए आंकी गई है। हेरोइन तस्करी के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। इस बीच, असम राइफल्स, पुलिस और सीमा शुल्क विभाग ने चंपाई जिले के रुटलांग इलाके में एक संयुक्त अभियान चलाते हुए 151 कार्टून विदेशी सिगरेट और 26 ग्राम हेरोइन जब्त की। जब्त किए गए सामानों की कीमत 2 करोड़ 14 लाख रुपए आंकी गई है। जब्त सामानों को संबोधित थानों की पुलिस को आगे की कार्रवाई के लिए सौंप दिया गया है।

रंगिया आंचलिक छात्र संघ ने मनाया छात्र संहति (एकजुटता) दिवस

रंगिया (विभास)। रंगिया आंचलिक छात्र संस्था ने सोमवार को स्थानीय शहीद भवन प्रांगण में छात्र संहति (एकजुटता) दिवस मनाया। कार्यक्रम के अंतर्गत सुबह ध्वजारोहण और शहीद तर्पण के बाद रंगिया आंचलिक छात्र संस्था के महासचिव नवो ज्योति कुमार के संचालन में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपस्थित अखिल कामरूप जिला छात्र संस्था के महासचिव तौफीकुर रहमान ने कहा कि आज ऐतिहासिक छात्र संहति

(एकजुटता) दिवस है। सन 1974 में खाद्य आंदोलन की सूचना से असम के छात्र समाज ने आर्थिक शोषण और कृत्रिम गरीबी के खिलाफ आवाज उठाई थी। उन्होंने कहा कि सरकार की दमन नीति के कारण छात्र आंदोलन को नष्ट करने की कोशिश के परिणामस्वरूप सन 1974 में आज ही के दिन मोरीगांव जिले के भूरबोंधा अंचल के गजेन इंग्ती और पुतुल सैकिया शहीद हो गए थे। इन दोनों शहीद छात्रों की याद में अखिल असम छात्र संस्था उसी समय से छात्र समाज को एकजुट होकर नेतृत्व करने के लिए प्रतिवर्ष 10 जून को छात्र एकजुटता दिवस मनाती आ रही हैं। इन छात्रों के बलिदान और जातीय भावना ने असमिया जातीय जीवन को समृद्ध किया है। वर्तमान समय में छात्र एकजुटता दिवस की और भी अधिक जरूरत है। आयोजित कार्यक्रम में कामरूप जिला छात्र संस्था के कार्यालय सचिव बुबुल अली, रंगिया आंचलिक छात्र संस्था के अध्यक्ष मृण्मय कुमार डेका उपस्थित थे।

पलासबाड़ी गर्ल्स हाई स्कूल में मनाया गया फादर्स डे

गुवाहाटी। फादर्स दे के मार्मिक अवसर पर, जेके पेपर ने डाकरूम के सहयोग से *पलासबाड़ी गर्ल्स हाई स्कूल, असम* में पत्र लेखन की कालातीत कला को बढ़ावा देने और कागज को एक स्थायी माध्यम के रूप में उजागर करने के लिए एक अनूठा कार्यक्रम आयोजित किया। *लेटर टू माई सुपरडेड* नामक इस अभियान के तीसरे संस्करण में, देश भर के 60 बच्चा स्कूलों के लगभग 30, 000 छात्रों ने अपने पिताओं को दिल को छू लेने वाले पत्र लिखकर व्यक्तिगत पत्राचार के आकर्षण को फिर से वापस लाने की कोशिश की और साथ ही छात्र स्थायी कागज उत्पादन विधियों के बारे में भी सीखा। एक अग्रणी कागज निर्माता के रूप में, जेके पेपर उच्च गुणवत्ता वाले, टिकाऊ कागज उत्पादों के उत्पादन के लिए समर्पित है। पत्र लेखन की खुशी को बढ़ावा देने के लिए जाने जाने वाले डाकरूम ने अपनी मजेदार स्टेशनरी के माध्यम से सार्थक कनेक्शन को प्रेरित करने के लिए इस कार्यक्रम को आगे बढ़ाया। इस सहयोग ने न केवल पिता और बच्चों के बीच विशेष बंधन का जश्न मनाया, बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी में स्थायी प्रथाओं के महत्व पर भी जोर दिया।

फूलों की खेती के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने का प्रयास

गुवाहाटी। महानगर के नारंगी के पास कुरकुरिया गांव में डॉ. नबा गोस्वामी फाउंडेशन ने हेल्पएड फाउंडेशन के साथ मिलकर एक महत्वाकांक्षी परियोजना शुरू की है, जिसका उद्देश्य फूलों की खेती के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाना और सामुदायिक विकास को बढ़ावा देना है। पंडित हेमचंद्र गोस्वामी के पोते और स्व. प्रफुल्ल चंद्र गोस्वामी और गौरी प्रभा गोस्वामी के बेटे डॉ. नबा गोस्वामी की अगुवाई में इस पहल के अंतर्गत नारंगी के पास कुरकुरिया गांव को गोद लिया गया है। पिछले एक साल में, इस परियोजना ने गृहिणियों को पेशेवर रूप से फूल लगाने और उनकी देखभाल करने का प्रशिक्षण देने पर ध्यान केंद्रित किया है, उन्हें खेती के लिए बीज उपलब्ध कराए हैं। इससे न केवल उनके बागवानी कौशल में वृद्धि होती है बल्कि उनके परिवारों के लिए आय का एक स्थायी स्रोत भी बनता है। हर 2 से 4 सप्ताह में, विक्रेता उगाए गए फूलों को खरीदने के लिए कुरकुरिया आते हैं, जिससे महिलाओं को अपने घर चलाने के लिए आय का एक अतिरिक्त स्रोत मिल जाता है। आर्थिक लाभों से परे,

इस पहल का उद्देश्य कुरकुरिया को एक पर्यटक आकर्षण में बदलना है, जो अपने जीवंत और रंगीन फूलों के बगीचों को प्रदर्शित करता है। हेल्पएड फाउंडेशन की अंजुलिना देब चौधरी इस परियोजना में शुरू से ही सक्रिय रूप से शामिल रही हैं और इसकी सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एक महत्वपूर्ण विकास में समाजसेवी लक्ष्मी कांत शर्मा ने अपनी माता स्व. दुर्गा देवी शर्मा की याद में एक मारुति वैन अनुदान स्वरूप प्रदान की है।

केंदुकोना में सड़क हादसे में महिला की मौत

कामरूप (हिंस)। केंदुकोना के बामून गांव में सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई। पुलिस ने आज बताया कि यह मौत नेशनल हाईवे-31 पर बीती रात हुए एक भीषण सड़क हादसे में हुई। हादसे में एक महिला की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। रंगिया से गुवाहाटी जा रहे पल्सर (एएस-01एफए-4058) बाइक की ठोकर से रानी बेगम नामक महिला की मौत हो गई। बाइक सवार को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने हाईवे जाम कर दिया और प्रदर्शन किया। कमलपुर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रण में किया।

नगांव : दुर्गा मंदिर का स्थापना दिवस सोल्लास संपन्न

नगांव (निसं)। श्री कृष्णाश्रम शिव मंदिर स्थित दुर्गा मंदिर प्रांगण में शनिवार को जय अम्बे सत्संग समिति के तत्वावधान में बड़े धूमधाम एवं भक्ति पूर्ण माहौल में एक दिवसीय कार्यक्रम के साथ स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर मंदिर प्रांगण में पंडाल बनाकर परिसर को फूलों से सजाया गया एवं माता का भव्य श्रृंगार किया गया। सर्वप्रथम ओमप्रकाश-उषा पोद्दार द्वारा सपत्नीक विधिवत पूजा अर्चना की गई तत्पश्चात समिति की सदस्याओं द्वारा अखंड कीर्तन प्रारंभ किया गया, जिसमें कांता भरतीया, यशोदा माहेश्वरी, मीना ढाणीवाल, उषा पोद्दार, तुलसी बंका, उमा चौधरी, लक्ष्मी बिदासरिया, लता शोभासरिया, हर्षदा सोलंकी, रचना बंका, राजू धानुका, बबीता शर्मा, मंजू शर्मा, पूर्णिमा देवी मोर, नीतू पोद्दार, किरण जाजोदिया,

मंजू शोभासरिया, नीता पोद्दार, सरला महर्षि, उर्मिला सिंह साहित जय अंबे सत्संग समिति की सभी महिला सदस्याओं ने अपना भरपूर सहयोग प्रदान किया। दोपहर 3 बजे से एक विशेष भजन संध्या का आयोजन किया गया जिसमें स्थानीय भजन गायक अरुण नागरका ने श्री गणेश वंदना प्रस्तुत कर भजनों की प्रस्तुति दी। इसी दौरान स्थानीय उदीयमान गायिका गुनगुन बोरा, स्नेहा शर्मा, संजय पोद्दार, पत्रकार एवं गायक अजित माहेश्वरी एवं अजय महतो ने एक से बढ़कर एक माता के भजनों की प्रस्तुति देकर पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम के मध्य में समिति की पूर्व अध्यक्ष संतोष भजनका एवं समिति की वरिष्ठ एवं संस्थापक सदस्या कांता भरतीया के साथ सभी गायक कलाकारों का फुलाम गोमछा से सम्मान किया गया। सांय 6 बजे माता को गजरा एवं चुनरी अर्पित की गई जिसमें नृत्य की प्रस्तुति हर्षिता चौधरी एवं मुस्कान चौधरी द्वारा दी गई। कार्यक्रम के दौरान माता को छप्पन भोग अर्पण कर छप्पन भोग का प्रसाद वितरण भक्तों के बीच किया गया। 7 बजे की संध्या आरती के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ समिति के अध्यक्ष मुकेश पोद्दार ने कार्यक्रम की सफलता हेतु सभी सदस्याओं, कलाकारों सहित सभी समाज बंधुओं को धन्यवाद दिया है। ज्ञातव्य हो कि जय अम्बे सत्संग समिति द्वारा दुर्गा मंदिर के स्थापना द कल से ही स्थापना दिवस पर प्रत्येक वर्ष कार्यक्रम का आयोजन करती है।

संपादकीय

तीसरी ताजपोशी

नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बने हैं। जिस दौर में यह प्रतिष्ठा और स्वीकृति जवाहर लाल नेहरू को मिली थी, तब कांग्रेस का ही वर्चस्व था। तीनों बार कांग्रेस को बहुमत हासिल हुआ था। आज स्थानीय और क्षेत्रीय स्तर पर राजनीतिक दलों का प्रभाव है, लिहाजा जनादेश भी विभाजित और खंडित आते हैं। बेशक मोदी प्रधानमंत्री बने हैं, लेकिन उनकी पार्टी भाजपा को बहुमत हासिल नहीं हुआ है। वह 240 सीटें ही जीत सकी है। मोदी भाजपा-एनडीए संसदीय दल के नेता के तौर पर प्रधानमंत्री बने हैं। गठबंधन को 293 सीटें मिली हैं। विविधता का ऐसा गठबंधन चमत्कार से कम नहीं है, लिहाजा लगातार तीसरी बार की ताजपोशी भी चमत्कार है। सवाल और संदेह उठाए जा रहे हैं कि चंद्रबाबू नायडू की तेलुगूदेशम पार्टी (टीडीपी) और नीतीश कुमार का जद-यू आखिर कब तक मोदी सरकार का समर्थन करते रहेंगे? वे दोनों दल आंध्रप्रदेश और बिहार में भाजपा गठबंधन में हैं। आंध्र के नए जनादेश में प्रधानमंत्री मोदी के आह्वानों और संबोधनों का भी योगदान है, नतीजतन नायडू 12 जून को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। बेशक नायडू 2019 में विपक्षी गठबंधन का एक हिस्सा थे और नीतीश ने 2023 तक विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' को लामबंद करने की कोशिशें कीं, लेकिन यह उनका 'राजनीतिक अतीत' था। अब वे पूरी तरह मोदी और भाजपा के साथ हैं। आम चुनाव भी साथ-साथ लड़े हैं। वे परस्पर पूरक हैं, क्योंकि आंध्र और बिहार को केंद्र सरकार से जो आर्थिक मदद चाहिए, वह मोदी सरकार ही दे सकती है। आंध्र पर 3.5 लाख करोड़ रुपए से अधिक का कर्ज है और उसे अपनी नई राजधानी बनानी है। हालांकि मोदी सरकार के पहले कालखंड के दौरान नायडू की ऐसी ही मांगों के कारण केंद्र से खटपट हुई थी। आज टीडीपी 16 सांसदों के साथ एनडीए की दूसरी सबसे बड़ी पार्टी है और भाजपा की सरकार उसके भरोसे है। हमें नायडू की राजनीतिक शख्सियत के एक और पहलू पर भी ध्यान देना चाहिए कि वह बेहिसाब सियासी मोल-तोल के अभ्यस्त हैं। बहरहाल प्रधानमंत्री मोदी ने अगले दशक के लिए सुशासन, समग्र विकास और आम आदमी की जिंदगी में सुधार के लक्ष्य तय किए हैं, लेकिन कुछ विरोधाभास ऐसे हैं कि सुशासन के लिए जरूरी आर्थिक नीतियां प्रभावित हो सकती हैं। आंध्र-बिहार को विशेष दर्जा, अग्निवीर योजना, मुस्लिम आरक्षण और तुष्टिकरण, जातीय जनगणना, समान नागरिक संहिता आदि आर्थिक मुद्दे नहीं हैं, लेकिन इनके कारण सुशासन, समावेशी, समन्वय की दशा और दिशा जरूर प्रभावित होगी। यदि ये प्रभाव और दबाव प्रधानमंत्री मोदी को महसूस करने पड़ते हैं, तो सरकार और सुशासन के इकबाल पर सवाल उठाए जा सकते हैं। यह यक्ष-प्रश्न देश के सामने है कि ऐसे विरोधाभासी गठबंधन वाली सरकार कब तक चलेगी? आंध्र और बिहार दोनों ही विपन्न राज्य हैं। उन्हें केंद्र सरकार की विशेष आर्थिक मदद की दरकार है। राज्यों को 'विशेष दर्जा' दिया जाए, यह मुद्दा और मांग दोनों ही राज्यों में प्रबल है। इस संदर्भ में वित्त आयोग और नीति आयोग की अपनी सीमाएं हैं। नायडू और नीतीश की विवशता यह भी है कि उन्हें अनुभव है कि यदि विपक्षी गठबंधन में शामिल हुआ जाए, तो कांग्रेस नेतृत्व की सरकार उन्हें आर्थिक मदद नहीं देगी, बल्कि मध्यावधि चुनाव के आसार ज्यादा बन जाएंगे, लिहाजा दोनों नेता फिलहाल मोदी सरकार के साथ ही रहना चाहते हैं। नायडू और नीतीश जानते हैं कि गठबंधन को लेकर देश उन पर शक कर रहा है, क्योंकि मानसिक तौर पर वे भाजपा-विरोधी राजनीति के पक्षधर रहे हैं, लिहाजा वे आगामी 5 साल भाजपा के साथ गठबंधन में रहने की गारंटी दे रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी का आकलन गुजरात के मुख्यमंत्री काल या बहुमत वाले प्रधानमंत्री से नहीं किया जाना चाहिए। अब नया दौर है और मोदी संगठन के माहिर नेता रहे हैं।

तीनों बार कांग्रेस को बहुमत हासिल हुआ था। आज स्थानीय और क्षेत्रीय स्तर पर राजनीतिक दलों का प्रभाव है, लिहाजा जनादेश भी विभाजित और खंडित आते हैं। बेशक मोदी प्रधानमंत्री बने हैं, लेकिन उनकी पार्टी भाजपा को बहुमत हासिल नहीं हुआ है। वह 240 सीटें ही जीत सकी है। मोदी भाजपा-एनडीए संसदीय दल के नेता के तौर पर प्रधानमंत्री बने हैं। गठबंधन को 293 सीटें मिली हैं। विविधता का ऐसा गठबंधन चमत्कार से कम नहीं है, लिहाजा लगातार तीसरी बार की ताजपोशी भी चमत्कार है। सवाल और संदेह उठाए जा रहे हैं कि चंद्रबाबू नायडू की तेलुगूदेशम पार्टी (टीडीपी) और नीतीश कुमार का जद-यू आखिर कब तक मोदी सरकार का समर्थन करते रहेंगे? वे दोनों दल आंध्रप्रदेश और बिहार में भाजपा गठबंधन में हैं। आंध्र के नए जनादेश में प्रधानमंत्री मोदी के आह्वानों और संबोधनों का भी योगदान है, नतीजतन नायडू 12 जून को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। बेशक नायडू 2019 में विपक्षी गठबंधन का एक हिस्सा थे और नीतीश ने 2023 तक विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' को लामबंद करने की कोशिशें कीं, लेकिन यह उनका 'राजनीतिक अतीत' था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सराहना दी गई और विकसित भारत के लिए हर तरह का योगदान देने का संकल्प दोहराया गया

नई सरकार से मजबूत होगी आर्थिकी

डा. जयंती लाल भंडारी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि अब बनने वाली एनडीए के तीसरे कार्यकाल की नई सरकार देश को आर्थिक विकास की डगर पर तेजी से आगे बढ़ाएगी। निश्चित रूप से देश को एक बेहतर आर्थिक परिवेश के साथ बेहतर मानसून की सौगातें विरासत में मिलते हुए दिखाई दे रही हैं। स्थिति यह है कि देश की बेहतर आर्थिकी के परिप्रेक्ष्य में दुनिया की क्रेडिट रेटिंग एजेंसियां यह कहते हुए दिखाई दे रही हैं कि भारत में कोई भी सरकार बने, अब आर्थिकी तेज गति से मजबूत होगी।

चार जून को 18वीं लोकसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि अब बनने वाली एनडीए के तीसरे कार्यकाल की नई सरकार देश को आर्थिक विकास की डगर पर तेजी से आगे बढ़ाएगी। निश्चित रूप से देश को एक बेहतर आर्थिक परिवेश के साथ बेहतर मानसून की सौगातें विरासत में मिलते हुए दिखाई दे रही हैं। स्थिति यह है कि देश की बेहतर आर्थिकी के परिप्रेक्ष्य में दुनिया की क्रेडिट रेटिंग एजेंसियां यह कहते हुए दिखाई दे रही हैं कि भारत में कोई भी सरकार बने, अब आर्थिकी तेज गति से मजबूत होगी। खास बात यह भी है कि 7 जून को एनडीए के संसदीय बोर्ड की बैठक में जिस तरह से गठबंधन के समर्थक नेताओं के द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सराहना दी गई और विकसित भारत के लिए हर तरह का योगदान देने का संकल्प दोहराया गया, उससे निश्चित रूप से देश की अर्थव्यवस्था और तेज गति से आगे बढ़ेगी। उल्लेखनीय कि हाल ही में केंद्रीय सांख्यिकी संगठन ने वर्ष 2023-24 में देश की विकास दर 8.2 फीसदी रहने संबंधी रिपोर्ट जारी की है। वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों के मुताबिक आर्थिक व वित्तीय बाजार मजबूत हो रहे हैं। भारत के वित्तीय और गैर वित्तीय क्षेत्रों के दमदार बही-खाते भारत की आर्थिक ताकत बढ़ा रहे हैं। रिजर्व बैंक के द्वारा भारत सरकार को दिया गया रिकॉर्ड लाभांश, वैश्विक आर्थिक संगठनों के द्वारा भारत के विकास के नए-नए प्रभावी विश्लेषण प्रस्तुत किए जा रहे हैं। इन सबके साथ-साथ नई सरकार से देश की अर्थव्यवस्था को नई शक्ति मिलने की संभावनाओं से देश की अर्थव्यवस्था मजबूती के साथ आगे बढने के शुभ संकेत देते हुए दिखाई दे रही है। गौरतलब है कि हाल ही में दुनिया की प्रसिद्ध क्रेडिट रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ने भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि, तेज आर्थिक सुधार और बढ़ती राजकोषीय मजबूती के मद्देनजर भारत की रेटिंग को स्थिर यानी स्टेबल से बदलकर पॉजिटिव कर दिया है। रेटिंग एजेंसी का कहना है कि पिछले तीन साल में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की औसत वास्तविक वृद्धि दर 8.1 फीसदी सालाना रही है और अब यह विकास दर अगले तीन साल में लगातार 7 फीसदी के करीब होगी। दुनिया के प्रसिद्ध इन्वेस्टमेंट बैंकर गोल्डमैन सैक्स ने अपनी नई रिपोर्ट में कैलेंडर वर्ष 2024 में भारत की विकास दर को बढ़ाकर 6.7 प्रतिशत कर दिया है। चालू वित्त वर्ष में विकास दर बढने संबंधी अन्य महत्वपूर्ण नई रिपोर्टों के तहत अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने 6.8 प्रतिशत, एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने 7 प्रतिशत तथा विश्व बैंक ने 7.5 प्रतिशत विकास दर रहने के अनुमान व्यक्त किए हैं। देश और दुनिया के प्रमुख अर्थ विशेषज्ञों का मत है कि भारत की विकास दर आगामी दशक तक 6.5 से 7 प्रतिशत के स्तर पर दिखाई देगी। विभिन्न आर्थिक रिपोर्टों में इस बात को भी रेखांकित किया जा रहा है कि भारत में वर्ष 2023-24 में प्रत्यक्ष कर (डायरेक्ट टैक्स) संग्रह 17.7 फीसदी बढक़र 19.58 लाख करोड रुपए हो गया है। इसी तरह से 2023-24 में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) उच्चतम स्तर पर रहा है। इसका आकार 20.18 लाख करोड़ रुपए रहा है, जो कि पिछले वर्ष की तुलना में 11.7 फीसदी अधिक है। कर संग्रह के ये चमकीले आंकड़े भारतीय अर्थव्यवस्था में तेज उछाल और व्यक्तियों तथा कॉरपोरेट सेक्टर की आमदनी में वृद्धि को दर्शाते हैं। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि जिस तरह से रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के द्वारा हाल ही में भारत सरकार के लिए अब तक के सबसे अधिक लाभांश की राशि सुनिश्चित की गई है, वहीं दूसरी ओर देश के शेयर बाजार ने पिछले 10 वर्षों में जो ऊंचाइयां प्राप्त की हैं, उससे दुनिया भर में भारत के नए तेज विकास की नई संभावनाएं आगे बढ़ी हैं। रिजर्व बैंक ने वित्त वर्ष 2023-24 में सरकार को 2.11 लाख करोड़ रुपए लाभांश देने की मंजूरी दी है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 के अंतरिम बजट में सरकार ने रिजर्व बैंक और सरकारी बैंकों के लाभांश से 1.02 लाख करोड़ रुपए मिलने का अनुमान लगाया था। ऐसे में रिजर्व बैंक द्वारा दिया जाने वाला लाभांश बजट अनुमान की तुलना में 107 फीसदी ज्यादा है। यह एक तरह से सरकार के लिए मौजूदा वित्त वर्ष में 1.09 लाख करोड़ रुपए के अप्रत्याशित लाभ जैसा है। इतना ही नहीं, रिजर्व बैंक ने पहली बार आकस्मिक जोखिम बफर (सीआरबी) बढ़ाकर 6.5 फीसदी कर दिया गया है, जो पहले 6 फीसदी था। रिजर्व बैंक ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है, इसीलिए वित्त वर्ष 2023-24 के लिए आकस्मिक जोखिम बफर बढ़ाकर 6.5 फीसदी करने का निर्णय लिया गया है। उल्लेखनीय है कि रिजर्व बैंक के द्वारा सरकार को रिकॉर्ड लाभांश के दिए जाने के निर्णय और वैश्विक आर्थिक संगठनों व वैश्विक क्रेडिट एजेंसियों के द्वारा वर्ष 2024-25 में भारत की ऊंची विकास दर के अनुमानों के बाद भारतीय शेयर बाजार को लाभ मिला। यह उल्लेखनीय है कि शेयर बाजार और निवेशकों को उम्मीद थी कि 4 जून के लोकसभा चुनाव परिणामों से भाजपा और एनडीए को भारी बढ़त मिलेगी, लेकिन चुनाव में भारी अनुमान के मुताबिक ऊंचाई नहीं होने के कारण शेयर बाजार की उम्मीदें पूरी नहीं हो पाई हैं। फिर भी यह कोई छोटी बात नहीं है कि बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण पांच लाख करोड़ डॉलर के पार पहुंचने के साथ ही भारत इस मुकाम तक पहुंचने वाला दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा देश बन गया है। कोरोना काल के बाद भारतीय घरेलू खुदरा निवेशकों की रुचि शेयर बाजार में बढ़ी है। साथ ही पिछले 10 साल में डीमेंट अकाउंट 2.3 करोड़ से बढक़र 15 करोड़ हो गए हैं और म्यूचुअल फंड निवेशकों की संख्या एक करोड़ से बढक़र 4.5 करोड़ हो गई है। स्थिति यह है कि पिछले 10 साल में शेयर बाजार कहां से कहां पहुंच गया है। लाखों छोटे निवेशक आज उत्साहपूर्वक बाजार से जुड़े हैं। भारत दुनिया का चौथा सबसे बड़ा शेयर बाजार है और वैश्विक निवेशकों का भरोसा भी भारत के शेयर बाजार पर बढ़ा है। अब ऐसी आर्थिक मजबूती से देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में वृद्धि होगी। यह देश की उत्पादक क्षमता बढ़ाएगा और वृद्धि की संभावनाओं को बेहतर करेगा। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि भारत के प्रति बढ़ते आर्थिक आकर्षण से न केवल देश में ज्यादा एफडीआई लाने में मदद मिलेगी, बल्कि यह विदेशी कंपनियों और निवेशकों को इस बात के लिए भी प्रोत्साहित करेगा कि वे भारत से हुई कमाई को फिर भारत में ही निवेश करने के लिए तत्पर रहें। इससे भारत में कारोबारी माहौल में सुधार होगा। यह सुधार उन घरेलू निवेशकों को भी बड़े पैमाने पर निवेश बढ़ाने के लिए प्रेरित करेगा जो अभी किनारे बैठकर निवेश करने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। एफडीआई का एक महत्त्वपूर्ण पहलू यह भी है कि विदेशी निवेशक तकनीकी विशेषज्ञता भी लाते हैं। चूंकि भारत लगातार चालू खाते के घाटे से जूझ रहा है और भारत को विदेशी बचतों को हासिल करने की जरूरत है, इसलिए एफडीआई भारत में विदेशी बचतों के सबसे टिकाऊ स्रोत के रूप में लाभप्रद होगा। निश्चित रूप से वर्ष 2023-24 में भारत की विकास दर के 8.2 प्रतिशत रहने, शेयर बाजार के बढने, रिजर्व बैंक द्वारा सरकार को 2.11 लाख करोड़ रुपए का बंपर लाभांश दिए जाने से नई सरकार को व्यय प्रबंधन में खासी मदद मिलेगी। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि फरवरी 2024 में संसद में पेश किए वित्त वर्ष 2024-25 के अंतरिम बजट में सरकार ने 5.1 प्रतिशत राजकोषीय घाटे का लक्ष्य रखा है।

दृष्टि कोण

झीलें बचेंगी...तभी हम बचेंगे, सबके अस्तित्व के लिए आवश्यक है दायित्वबोध

अंतरराष्ट्रीय पत्रिका 'अर्थ फ्यूचर' के ताजा अंक में प्रकाशित शोध 'ग्लोबल लेक हेल्थ इन एंथरोंपोसेन : सोशल इंप्लीकेशन ऐंड ट्रीटमेंट स्ट्रेटजीस' में चेतावनी दी है कि जिस तरह मानव स्वास्थ्य के लिए रणनीति बनाई जाती है, ठीक उसी तरह झीलों की तंदुरुस्ती के लिए व्यापक नीति जरूरी है। इस शोध में 10 हेक्टेयर से अधिक फैलाव वाली दुनिया की 14,27,688 झीलों की सेहत का आकलन किया गया है, जिनमें भारत की 3043 जल निधियां भी हैं। यह समझना होगा कि झीलें जीवित प्रणालियां हैं, जिन्हें सांस लेने के लिए ऑक्सीजन, प्रसन्न रहने के लिए स्वच्छ पानी, अपने भीतर जीव-जंतु जीवित रखने के लिए संतुलित ऊर्जा और पोषक तत्वों की आपूर्ति की आवश्यकता होती है। इन्सान की ही तरह झीलें विभिन्न रोगों की शिकार हो रही हैं, जैसे-बुखार आना अर्थात अधिक गरम होना, परिसंचरण, श्वसन, पोषण और चयापचय संबंधी मुद्दों से लेकर संक्रमण और विषाक्तता की तरह झीलों की कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। एक बात और झीलें बारिश से जितना पानी पाती हैं, उससे दोगुना वाष्पित करती हैं। झीलों की सेहत से बेपरवाही रही, तो समूचे पर्यावरणीय तंत्र पर इसका असर पड़ेगा, जिससे झीलों पर निर्भर बड़ी आबादी के सामाजिक-आर्थिक जीवन में भूचाल आ जाएगा। भारत का हर तालाब अपने आसपास भूवैज्ञानिक इतिहास और पर्यावरणीय महत्व की एक अनूठी कहानी समेटे हुए है। भारत जैसे देश में जहां, तालाबों के किनारे कई पर्व, मान्यताएं और धार्मिक गतिविधियां अनिवार्य मानी जाती हैं, उनका अस्तित्व ही झील की सेहत पर निर्भर है। झील-तालाब बीमार हो, तो इलाके का कार्बन और ताप अवशोषण प्रभावित होता है, जो जैव विविधता को क्षति और बाढ़-सूखे के रूप में सामने आता है। स्थानीय समाज का जलस्रोत यदि सेहतमंद न हो, तो जलजनित रोग बढ़ेंगे। तालाब-झील में ऑक्सीजन की मात्रा कम होना भी खतरनाक है। यह अन्य जलचरों और वनस्पति के लिए जानलेवा है। जलकुंभी या फिर पानी में अधिक मात्रा में दूषित अवशिष्ट का मिलना, गंदे पानी का निस्तार ऑक्सीजन कम होने के मूल कारक हैं। इससे पानी की क्षारीयता भी बढ़ती है, जो किसी तालाब के गंभीर रूप से बीमार होने का लक्षण है। इन्सान के स्वस्थ शरीर की ही तरह झीलों को भी पर्याप्त ऑक्सीजन और अति क्षारीयता से मुक्ति चाहिए होती है। एक बात और, यदि दरिया का पानी हृष्ट-पुष्ट न हो, तो उससे उगने वाले उत्पाद में भी पौष्टिकता में कमी होती है। जलवायु परिवर्तन और वैश्विक तापमान में वृद्धि झीलों की सेहत को बुरी तरह प्रभावित कर रही है। गंभीर जल दोहन और बरसात की अनियमितता के कारण कई झीलों में जलस्तर तेजी से नीचे गिरा, जबकि दूसरी तरफ पेयजल, सिंचाई और मछली पालन आदि में पानी की खपत बढ़ी है। इससे झीलों का पोषण-संतुलन तब गड़बड़ा जाता है, जब उसमें पोषक तत्वों की सांद्रता या तो अधिक हो जाए या फिर बहुत कम हो जाए। इस तरह झील का पारिस्थितिकी तंत्र असंतुलित हो जाता है। पोषक तत्वों की अचानक अधिकता होने से जल निधियों की ऊपरी सतह पर हरे रंग की परत जमने से हम सभी पहले से वाकिफ हैं। इसे वैज्ञानिक भाषा में 'यूट्रोफिकेशन' कहते हैं। वास्तव में हरापन एक तरह के बैक्टीरिया के कारण होता है, जिसे सूक्ष्म या फिलामेंट्स शैवाल कहा जाता है। गंदे पानी सीवरेज, कारखानों से निकलकर अपशिष्ट जल और खेतों से बहकर आए खाद-उर्वरक के अपवाह से इस तरह का विकार जल्दी वृद्धि करता है। इसके कारण पानी में ऑक्सीजन की मात्रा भी कम हो जाती है। समझना होगा कि इस तरह के शैवाल का कुप्रभाव महज जल निधि तक सीमित नहीं रहता, यह सीधे तौर पर मानव स्वास्थ्य के लिए खतरा हो सकता है, क्योंकि कुछ साइनोबैक्टीरियल से विषाक्त पदार्थों का उत्पादन होता है, जो श्वसन, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल और त्वचा संबंधी समस्याएं पैदा कर देता है। इस अंतरराष्ट्रीय शोध में बताया गया है कि इस तरह से बीमार हुई झील के न्यूरोटॉक्सिसिटी प्रभाव होते हैं, जिससे सेलुलर और जीनोमिक क्षति, प्रोटीन संश्लेषण अवरोध और मनुष्यों और वन्यजीवों में संभावित कार्सिनोजेनेसिस होता है।

कुछ अलग

उनासी कितने होते हैं, पापा?

उनासी ही नहीं, बल्कि हिंदी में गिनती के बहुत से साधारण अंकों को भी आज की युवा पीढ़ी समझ पाने में असमर्थ हो चुकी है। मनोविज्ञान यह कहता है कि इनसान अपनी कमी को छुपाना चाहता है, ताकि उसकी कमियों का पता दूसरों को न चल सके, लेकिन इस मामले में यह मनोविज्ञान भी फेल हो चुका है क्योंकि हिंदी में अंकों को समझ न पाने की अपनी इस कमी को छुपाने और इसमें सुधार की बजाय आज की युवा पीढ़ी इस कमी का आनंद उठाने में व्यस्त है। हिंदी में गिनती के अंकों को समझ न पाने की कमजोरी के साथ बड़ी होती भारत की यह युवा पीढ़ी अपनी इस कमी को अपनी कमजोरी नहीं, बल्कि एक शक्ति समझने की गलती भी करती जा रही है। सबसे हैरान करने वाली बात तो यह है कि आज जिस अंदाज में इन अंक संबंधी सवालों को सामने वाले से पूछा जाता है उससे यह प्रतीत होता है कि इस नई पीढ़ी के नुमाइंदे इसको अपनी कमजोरी नहीं बल्कि इसे अपनी प्रतिष्ठा का एक सूचक मानते हैं। आज हालात ये हैं कि जैसे ही हिंदी की गिनती का कोई शब्द उनके कानों के परदे पर दस्तक देता है, तो वैसे ही उनकी जुबान पर सवाल तैयार हो जाता है कि, ये कितने होते हैं? बच्चे सवाल दागते हैं तो माता-पिता उस अंक का अंग्रेजी रूपांतर करके बच्चे की जिज्ञासा को शांत कर देते हैं और अपने बच्चे की कमी को बड़े अंदाज से नजरअंदाज भी कर देते हैं। यहां पर माता-पिता का मनोविज्ञान भी विपरीत काम कर रहा है। अमूमन माता-पिता अपने बच्चों की कमजोरी को भांप कर उसमें सुधार के लिए कोशिश करते हुए देखे जाते हैं, लेकिन इस मामले में माता-पिता भी अपने बच्चे की इस आधारभूत कमी के प्रति गौरव महसूस करते हुए बड़ी प्रसन्नता से हिंदी के अंक का अंग्रेजी रूपांतर कर देते हैं। हालांकि अब ये प्रश्न घरों की दहलीज को पार कर विद्यालयों और बाजारों में भी आम तौर पर पूछे जाने लगे हैं। सबसे मजेदार बात यह है कि आज एक दसवीं पास या अनपढ़ व्यापारी से ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट हो चुका युवा भी ऐसे प्रश्न पूछ कर अपनी शिक्षा की धज्जियां उड़ाते हुए देखा जा सकता है। क्योंकि एक अनपढ़ व्यक्ति खुद को हिंदी अंकों का अंग्रेजी में रूपांतर करने में सक्षम बना चुका है, लेकिन एक ग्रेजुएट या पोस्ट ग्रेजुएट युवा खुद को हिंदी के अंकों को समझने के योग्य नहीं बना पा रहा है। हिंदी गिनती के इतनी तेजी से हाशिए पर जाने के कुछ प्रमुख कारणों पर अगर नजर दौड़ाई जाए, तो उनमें से सबसे प्रमुख कारण पिछले कुछ वर्षों में कॉन्वेंट प्रथा और अंग्रेजी माध्यम का प्रचलन बढना है। अंग्रेजी एक भाषा है और भाषा से संप्रेषण आसान बनता है, लेकिन अंग्रेजी अब संप्रेषण का माध्यम होने से कहीं ज्यादा आगे निकलकर पढ़ाई करने का माध्यम बन गई है। अंग्रेजी सीखना कोई बुरी बात नहीं है, लेकिन अंग्रेजी सीखने के लिए अपनी हिंदी को भूलना बेशक बुरी बात है। आज विद्यालयों की अपेक्षा घरों में भी अंग्रेजी गिनती को सिखाने पर ज्यादा जोर लगाया जाता है। एक-दो का स्थान अब वन-टू ने ले लिया है। आजकल पुरानी दादियां अगर बच्चों को हिंदी में गिनती सिखाती हैं तो उनको कई बार परिवार के पश्चिमी सभ्यता के दीवानों के गुस्से का शिकार भी होना पड़ता है। जबकि पहले ऐसा नहीं था और परिवार के बुजुर्ग सदस्य बच्चे के होश संभालते ही उसको घर से ही हिंदी की गिनती और वर्णमाला सिखाना आरंभ कर देते थे। पुराने बुजुर्गों द्वारा अपने बच्चों को घर पर हिंदी की गिनती सिखाए जाने से हिंदी गिनती का एक पहाड़ी संस्करण भी उपलब्ध था, जोकि धीरे धीरे अब लुप्त होता जा रहा है। इसके अलावा आजकल संयुक्त परिवारों का प्रचलन भी कम होता जा रहा है।

देश दुनीया से

विकसित भारत के लिए जरूरी है राजग के हर दल में प्रतिबद्धता, यह भी है भाजपा की चुनौती

भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने का अवसर मिला था। चुनाव परिणामों पर काफी समीक्षा हो चुकी है। अब तक शायद ही किसी के पास कुछ नया कहने के लिए बचा हो। लेकिन इतना तो तय है कि यह चुनाव अनेक आश्चर्यों का चुनाव रहा। पहला आश्चर्य तो यह कि जिन दक्षिण भारतीय राज्यों का दरवाजा भारतीय जनता पार्टी की राजनीतिक सफलता के लिए बंद था, या यों कहें कि जहां की जमीन भारतीय जनता पार्टी की राजनीति के लिए माकूल नहीं मानी जाती थी, इस चुनाव परिणाम ने उन राज्यों, यथा केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना को भाजपा के लिए नई संभावनाओं का प्रदेश बना दिया है।

भारत के संसदीय चुनाव-2024 का परिणाम आ चुका है। एक बार फिर से नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन, जिसे सामान्यतः राजग कहा जाता है, ने बहुमत प्राप्त कर सरकार बना ली है। नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बने हैं। भारतीय जनतांत्रिक इतिहास में यह दूसरी घटना है। इसके पूर्व भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने का अवसर मिला था। चुनाव परिणामों पर काफी समीक्षा हो चुकी है। अब तक शायद ही किसी के पास कुछ नया कहने के लिए बचा हो। लेकिन इतना तो तय है कि यह चुनाव अनेक आश्चर्यों का चुनाव रहा। पहला आश्चर्य तो यह कि जिन दक्षिण भारतीय राज्यों का दरवाजा भारतीय जनता पार्टी की राजनीतिक सफलता के लिए बंद था, या यों कहें कि जहां की जमीन भारतीय जनता पार्टी की राजनीति के लिए माकूल नहीं मानी जाती थी, इस चुनाव परिणाम ने उन राज्यों, यथा केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना को भाजपा के लिए नई संभावनाओं का प्रदेश बना दिया है। दूसरा आश्चर्य यह देखने में आया कि ओडिशा, जहां राजनीतिक विचारक बीजू जनता दल (बीजद) के नेता नवीन पटनायक के जादू को उनके जीवित रहने तक समाप्त होता नहीं देख रहे थे, वहां भाजपा ने अपनी महान सफलता दर्ज की। इसका मुख्य कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति ओडिशा की जनता में बढ़ता आकर्षण ही है। प्रधानमंत्री मोदी और ओडिशा के प्रभावी नेता धर्मेंद्र प्रधान ने पूरे चुनाव अभियान में 'उड़यि अस्मिता' के प्रश्न को एक 'लोकप्रिय जन प्रश्न' में बदल दिया। इस लोकप्रिय अभियान ने ओडिशा की राजनीति के पूरे परिदृश्य को ही बदल कर रख दिया। इस चुनाव परिणाम ने यह भी बताया कि विकास का मोदी मॉडल, नवीन मॉडल पर प्रभावी रहा। ओडिशा के युवाओं में नए डिजिटल भारत के प्रति आकर्षण बढ़ा है। तीसरा आश्चर्य यह रहा कि जहां उत्तर प्रदेश के आस-पास के हिंदी प्रदेशों, यथा मध्य प्रदेश, बिहार में भाजपा और राजग ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया, वहीं उत्तर प्रदेश में इसका प्रदर्शन प्रभावी नहीं रहा। 'इंडिया' गठबंधन ने आरक्षण, संविधान इत्यादि के खतरे पर आधारित जो वृत्तांत तैयार किया, उसने उत्तर प्रदेश में जातीय गोलबंदी की जमीन तैयार की। कई राजनीतिक विश्लेषक यह मानते हैं कि यह ऐसी जातीय गोलबंदी की राजनीति थी, जिसने पिछड़े-अति पिछड़े एवं दलितों के एक हिस्से को समाजवादी पार्टी या 'इंडिया' गठबंधन की तरह गोलबंद होने का आधार तैयार किया। ऐसे विश्लेषकों का मानना है कि इस प्रकार की जातीय गोलबंदी ने ही उत्तर प्रदेश में हिंदुत्व के वृहत वृत्तांत को तोड़कर जातियों के अस्मितापरक वृत्तांत को शक्तिवान बनाया। अब प्रश्न यह उठता है कि अगर ऐसा है, तो यह पैटर्न मंडल राजनीति से गहरे रूप से प्रभावित बिहार या उत्तर प्रदेश से सटे मध्य प्रदेश में क्यों सफल होता नहीं दिखाई पड़ा? इस प्रश्न के उत्तर में यह कहा जा सकता है कि बिहार में भाजपा और राजग गठबंधन के पास अनेक पिछड़े एवं दलित प्रभावी चेहरों का एक कोलाज मौजूद था, जिसमें नीतीश कुमार, सम्राट चौधरी, जीतन राम मांझी, चिराग पासवान जैसे नेता शामिल हैं। नीतीश कुमार का गैर-यादव, पिछड़े समूहों, महादलित सामाजिक समूहों में अपना प्रभाव तो है ही, अगड़े वोटों के एक हिस्से पर भी उनका अच्छा असर है। वहीं जीतन राम मांझी के कारण मुसहर, जो बिहार में एक बड़ी 'महादलित जातीय समूह' है, राजग की तरफ बड़े पैमाने पर झुकी। चिराग पासवान के कारण संख्या बल में बिहार की सबसे बड़ी दलित जाति दुसाध या पासवान की गोलबंदी राजग के पक्ष में हुई। इसलिए बिहार में 'इंडिया' गठबंधन के भयदोहन पर आधारित गोलबंदी के वृत्तांत पिछड़ों एवं दलितों में प्रभावी नहीं हो सके। मध्य प्रदेश में कांग्रेस संगठन की कमजोरी, उसमें प्रभावी नेताओं का अभाव इत्यादि के कारण 'इंडिया' गठबंधन की जातीय अस्मिता आधारित गोलबंदी की राजनीति सफल नहीं हो सकी। वहीं दूसरी तरफ, मध्य प्रदेश में भाजपा के पास पिछड़े एवं अति पिछड़े समूहों से जुड़े अनेक नेता मौजूद हैं। शिवराज सिंह चौहान, मोहन यादव, प्रह्लाद सिंह पटेल आदि अनेक पिछड़े, अति पिछड़े चेहरों ने वहां कांग्रेस एवं 'इंडिया' गठबंधन के पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक (पीडीए) की राजनीति को इस चुनाव में कमजोर बना दिया। यह ठीक है कि आगे आने वाले समय में हिंदी पट्टी की राजनीति भाजपा के लिए चुनौतीपूर्ण तो होगी ही, 'इंडिया' गठबंधन के लिए भी चुनौतियां कम नहीं होंगी। एक तरफ भाजपा को उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा इत्यादि राज्यों में अपनी सांगठनिक एवं चुनावी रणनीति पर विचार कर उसे पुनर्नवा करना होगा। वहीं दूसरी तरफ 'इंडिया' गठबंधन से जुड़े राजनीतिक दलों के लिए भी उत्तर प्रदेश में अपने अर्जित प्रभाव को बचाए रखना भी एक बड़ी चुनौती होगी। गैर-यादव पिछड़े, अति पिछड़े एवं दलितों का जो हिस्सा उनकी तरफ झुका है, उन्हें अपने साथ जोड़े रखना उनके लिए एक बड़ी चुनौती होगी। राजग गठबंधन को उत्तर प्रदेश जैसे हिंदी पट्टी के प्रदेशों में पिछड़े, अति पिछड़े एवं दलित समूहों में जमीन से जुड़े नेता एवं कार्यकर्ताओं की एक फौज तैयार करनी होगी, जो इन समूहों को पुनः अपनी तरफ ला सके। हिंदुत्व एवं विकास की राजनीति के साथ उसे अपने पक्ष में सामाजिक समूहों के गठबंधन को पुनर्गठित करना होगा।

आप का नजरीया

पर्यटन की नई चोटियां

ग्रीष्म कालीन पर्यटन की शिनाख्त में हिमाचल की नई चोटियां चुनी जा रही हैं, मानो पूरे प्रदेश का यात्रा वत्तांत चूड़धार, बिजली महादेव, शिकारी देवी, हिमानी चामुंडा या त्रियूंड हो गया। पहाडियां और भी हैं और चोटियों पर पर्यटन का सुरूर और भी है, लेकिन तीव्रता से फैल रहे नए पर्यटन को समझना होगा। हिमाचल से वाकिफ होते सैलानियों का एक ऐसा वर्ग सामने आ रहा है, जो अपनी तरह के अनुभव और यात्रा के अद्भुत वत्तांत का पात्र होना चाहता है। वह हिमाचल के परिचय से खुद परिचित होना चाहता है, इसलिए पर्यटन के डेरे जब चूड़धार पर लगते हैं, तो चुनौतियां भी रू-ब-रू होती हैं। फिलहाल हम बिना किसी तैयारी के चोटियों पर चढ़ते सैलानी को देखकर खुश हैं, लेकिन ये मंजिलें सहेजने और संभलने की भी हैं। इस बार सप्ताहांत पर्यटन की शाखा पर चढ़ा हिमानी चामुंडा का आकर्षण पंद्रह हजार लोगों का जमावड़ा देख चुका है। इसके मायने न धार्मिक आस्था में पूरे होते हैं और न ही पर्यटन आर्थिकी में मजबूत हो रहे हैं। यही सब शिकारी देवी के प्रांगण में खचाखच भीड़ में देखा जा रहा है। यह दीगर है कि इससे पर्यटन की नई परिभाषा, जरूरत, आकर्षण और विकास गाथा दिखाई देती है। पंद्रह हजार पर्यटकों से भरी हिमानी चामुंडा की एक रात्रि में हम वही नजारा देख रहे हैं, जो हरिद्वार के एक दिन में हजारों की भीड़ में देखते हैं। अंतर यह कि हिमानी चामुंडा में अधोसंरचना, सुरक्षा व्यवस्था, आम सुविधाएं व भीड़ नियंत्रण इतना सक्षम नहीं कि कुछ अर्थ या निष्कर्ष निकाला जाए। कमोबेश यही हाल ऐसे सभी स्थलों का है जहां युवा सैलानी प्रकृति के नजदीक कुछ समय गुजारना चाहते हैं। हकीकत यह कि गर्मियों का पर्यटक अब मनाली, मकलोडगंज, डलहौजी और शिमला से कहीं आगे पहाड़ की कंद्राओं में छिपे आकर्षण और सुकून के पल में अपना अनुभव गुजारना चाहता है। ऐसे में हिमाचल की अपनी पर्यटन परियोजनाओं को फिर से मांजना पड़ेगा और इसके लिए सैलानियों की रुचि का नख-शिख वर्णन चाहिए। वैसे तो सैलानी को ऊना, सिरमौर, पांवटा साहिब, काला अंब या नूरपुर के प्रवेश द्वारों पर ही रोकने व मनोरंजन करने की अधोसंरचना विकसित करनी चाहिए, लेकिन अब बात मनाली, मकलोडगंज या शिमला से आगे की है। एक हफ्ते में मनाली सुरंग के आर पार आधा लाख गाडियां गुजर रही हैं, तो इस संभावना के अक्स में हिमाचल की क्षमता का विकास लाहुल-स्पीति के पर्यटन को हाई एंड टूरिज्म से जोडक़र ही पूरा होगा। अगर चामुंडा देवी का तीर्थाटन अब हिमानी चामुंडा की चढ़ाई चढ़ कर पूरा हो रहा है, तो इस परिदृश्य में वैष्णो देवी की तर्ज पर ढांचागत, व्यवस्थागत और भविष्यगत त्वरित विकास होना चाहिए। अगर कांगड़ा को पर्यटन की राजधानी बनाना है, तो हिमानी चामुंडा की संभावना में हिमाचल मंदिर पर्यटन के स्वरूप में एक बड़ी आर्थिक संरचना कर सकता है, वरना किसी सडक़ पर भारत का ऊंचा म्यूजिकल फाउंटेन खड़ा करके भी पर्वत की तासीर में सैलानी को सुकून नहीं मिलेगा। हमें चूड़धार, त्रियूंड, बिजली महादेव, शिकारी देवी व इसी तरह के अन्य स्थलों को भविष्य के पर्यटन से जोडक़र विकसित करना होगा। इतना ही नहीं युवा पर्यटक की खासियत को श्रीखंड व मणिमहेश यात्राओं के मंजर के अलावा खेल, संगीत, ट्राइबल, फूड, शीतकालीन, सिने, प्राकृतिक वनस्पति एवं फूल पर्यटन से भी जोडऩा होगा।

कलश यात्रा के साथ श्री सीताराम महायज्ञ शुरू

नवादा (हिंस)। नवादा विधानसभा क्षेत्र के विधायक विभा देवी ने सोमवार को सदर प्रखंड के समाय गाँव में आयोजित श्री सीताराम महायज्ञ का शुभारंभ कलश यात्रा को रवाना करके किया। इस अवसर पर हजारों महिला श्रद्धालुओं ने कलश यात्रा निकालकर देश में शांति सौहार्द एवं विकास की कामना की। यज्ञ के औचित्य पर प्रकाश डालते हुए विभा देवी ने कहा कि आस्था हमारे धर्म का जीवन पद्धति है। हम यज्ञ के माध्यम से अपनी बुराइयों को त्यागकर अच्छाइयों की ओर अग्रसर होने लगते हैं। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को प्रेरित करते हुए सन्देश दिया कि हम अपनी सांस्कृतिक और धार्मिक भावनाओं का प्रकटीकरण इन्हीं माध्यमों से कर पाते हैं। इसमें लोक कल्याण और सामाजिक उत्थान की भावना सर्वोपरि होती है। उन्होंने यज्ञ की पारंपरिक कर्मकांडों की चर्चा करते हुए कहा कि यज्ञ किसी व्यक्तिगत आस्था का नहीं बल्कि सामूहिक विचारधारा और विश्वकल्याण की भावना का प्रकटीकरण है।

यूपी में भाजपा की सीटें घटी, लेकिन मोदी मंत्रिमंडल में दबदबा बरकरार

लखनऊ (हिंस)। लोकसभा चुनाव में इस बार भाजपा को यूपी में आशा के अनुसार नतीजे हासिल नहीं हुए। 2019 के मुकाबले इस बार उसकी सीटें काफी कम आईं, इसके बावजूद मोदी सरकार 3.0 में सबसे ज्यादा 11 मंत्री यहीं से बनाए गए हैं। ऐसे में एक बात साफ है कि बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व की नजर में उत्तर प्रदेश की अहमियत बरकरार है। उल्लेखनीय है कि नरेंद्र मोदी ने रविवार को लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री बने। पीएम मोदी समेत कुल 72 मंत्रियों ने पद और गोपनीयता की शपथ ली। मोदी कैबिनेट में सबसे ज्यादा 11 मंत्री उत्तर प्रदेश से बनाए गए हैं। बता दें, मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में पीएम मोदी सहित यूपी से करीब 15 सांसद मंत्रिपरिषद में थे। यूपी से 11 मंत्री बनाए गए हैं। नौ बीजेपी, 1-1 राष्ट्रीय लोक दल और अपना दल (एस) से एक मंत्री बनाए गए हैं। लोकसभा चुनाव के नतीजों में यूपी में बीजेपी को 33, राष्ट्रीय लोक दल को 2 और अपना दल (एस) को 1 सीट मिली है। राजनाथ सिंह और हरदीप पुरी को कैबिनेट मंत्री, जयंत चौधरी को राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और बाकी को राज्य मंत्री के तौर पर मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है। 2014 में बीजेपी और सहयोगी अपना दल सोनेलाल ने मिलकर 80 में से 73 सीटें जीती थी। बीजेपी के खाते में 71 और अपना दल को 2 सीटें मिली थी। तब मोदी मंत्रिमंडल में यूपी को खास तवज्जो मिली थी। केंद्रीय मंत्रिपरिषद में पीएम मोदी सहित 16 मंत्री यूपी से थे। 2019 के चुनाव में 62 सीटें बीजेपी और दो अपना दल एस ने जीती। मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में पीएम मोदी सहित 15 मंत्री केंद्रीय मंत्रिपरिषद में शामिल थे। 18वीं लोकसभा के चुनाव में बीजेपी को 33, रालोद को 2 और अपना दल एस को एक सीट पर जीत मिली है। एनडीए का पूरा 36 सीट का बैठता है। बावजूद इसके पीएम सहित 11 मंत्री यूपी से मंत्रिपरिषद में शामिल किये गये हैं। यूपी से मोदी सरकार में शामिल मंत्री साध्वी निरंजन, स्मृति ईरानी, अजय मिश्र टेनी, संजीव बालियान, भानु प्रताप सिंह वर्मा, कौशल किशोर और मेनका गांधी और महेन्द्र नाथ पांडेय को इस बार चुनाव में हार का मुंह देखना पड़ा है। जबकि, पार्टी ने जनरल वीके सिंह को इस बार गाजियाबाद से टिकट नहीं दिया। प्रधानमंत्री मोदी नरेंद्र मोदी वाराणसी से लगातार तीसरी बार सांसद बने हैं। इस लोकसभा सीट से उन्होंने कांग्रेस के अजय राय को एक लाख, 52 हजार, 513 लाख वोट से हराया। राजनाथ सिंह लखनऊ से चुनाव जीते हैं। उन्होंने सपा के रविदास मेहरोत्रा को एक लाख, 35 हजार, 159 लाख वोट से हराया। हरदीप सिंह पुरी यूपी से राज्यसभा सांसद हैं। इस बार भी मोदी कैबिनेट में उन्हें जगह मिली है। 2020 में हरदीप सिंह पुरी यूपी से राज्यसभा सांसद बनाया गया था। मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में उन्हें नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री का अतिरिक्त प्रभार दिया गया था। जयंत चौधरी राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। इसके अलावा वो 2022 से राज्यसभा सदस्य हैं। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले इंडी गठबंधन को छोड़कर एनडीए में शामिल हो गए थे। उनकी पार्टी ने एनडीए गठबंधन में मिली दोनों सीटों पर जीत दर्ज की है। जितिन प्रसाद पीलीभीत से चुनाव जीते हैं। पीलीभीत में उन्होंने सपा के भागवत शरण गंगवार को 164935 लाख वोट से हराया। वह योगी सरकार में मंत्री थे। इस बार उन्हें केंद्र में जगह मिली है। 2021 में वो कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में आए थे। पंकज चौधरी को लगातार दूसरी बार मोदी कैबिनेट में शामिल किया गया है। वह महाराजगंज से चुनाव जीते हैं। उन्होंने यहां कांग्रेस के वीरेंद्र चौधरी को 35451 हजार वोट से हराया है। पंकज चौधरी ने लगातार सातवीं बार लोकसभा का चुनाव जीता है। एसपी सिंह बघेल मोदी सरकार में दूसरी बार मंत्री बने हैं। वह आगरा से चुनाव जीतकर आए हैं। यहां उन्होंने समाजवादी पार्टी के सुरेश चंद कदम को 271294 लाख वोट से हराया। अपना दल सोनेलाल की प्रमुख अनुप्रिया पटेल मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में मंत्री बनी हैं। केंद्रीय मंत्रिपरिषद में उन्होंने तीसरी बार राज्य मंत्री के रूप में शपथ ली है। मीरजापुर से उन्होंने जीत की हैट्रिक लगाई है। कीर्तिवर्धन सिंह (गोंडा से सांसद), बनवारी लाल वर्मा (बीएल वर्मा, राज्यसभा सदस्य) और कमलेश पासवान (बांसगांव से सांसद) को राज्य मंत्री बनाया गया है।

पीएम के शपथ ग्रहण समारोह से लौटे सीएम का महिला कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

पटना (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सोमवार को पटना लौटे। सीएम नीतीश के पटना पहुंचते ही पटना एयरपोर्ट पर जदयू कार्यकर्ता ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। जदयू के महिला और पुरुष कार्यकर्ता तपती धूप में पटना एयरपोर्ट पर खड़े होकर सीएम के लिए नारेबाजी की। एयरपोर्ट पर महिला कार्यकर्ताओं ने हाथों में फूल लेकर सीएम का स्वागत किया। सीएम नीतीश ने हाथ जोड़ कर सबका अभिनंदन किया है। कार्यकर्ताओं ने कहा कि सीएम नीतीश देश का नेतृत्व कर रहे हैं। इसलिए वो अपने नेता के स्वागत के लिए खड़े हैं। सीएम नीतीश एनडीए के साथ खड़े हैं। वे पीएम मोदी के साथ हैं और केंद्र में पीएम मोदी की सरकार बनी है। एक महिला कार्यकर्ता ने जदयू के समाप्त होने के सवाल पर कहा कि कहने वाले लोग हैं वो कहते रहे। आप सभी ने फिल्म देखा होगा, टाइगर अभी जिंदा है। सीएम नीतीश भी वैसे ही हमारे नेता हैं, टाइगर हैं। एक महिला कार्यकर्ता ने दावा किया कि विपक्ष खत्म हो जाएगी। उन्होंने कहा कि, विपक्ष का काम है बोलना, वो लोग बोलते रहेंगे।

मधुबनी से लोकसभा का चुनाव हारने के बाद आइएनडीआइए गठबंधन दल में फूटे असंतोष के स्वर

मधुबनी (हिंस)। बिहार में मिथिलांचल की मधुबनी संसदीय सीट से आइएनडीए महागठबंधन राजद उम्मीदवार मो अली अशरफ फातमी की पराजय पर सोमवार को तीव्र प्रतिक्रिया दी जा रही। गठबंधन के घटक दल राजद, कांग्रेस, सीपीआई और सीपीएम माले में असंतोष के स्वर फुटने लगे हैं। महागठबंधन घटक दल के अधिकांश जन प्रतिनिधियों व स्थानीय कार्यकर्ताओं में आपसी समन्वय का पूर्ण अभाव राजद उम्मीदवार के हार का कारण बताया गया। नगर निगम के डिप्टी मेयर अमानुल्लाह खान ने कहा कि राजद उम्मीदवार अली अशरफ फातमी *ओवर कंफीडेंस* में यहां की *श्योर शॉट* जीत की फिजा को हार में तब्दील कर दिया। उप मेयर अमानुल्लाह खान ने कहा कि संसदीय क्षेत्र के सभी छह विधान सभा क्रमश: मधुबनी, जाले, केवटी बिस्फी, बेनीपट्टी, हरलाखी में कहीं से महागठबंधन उम्मीदवार को वोट बढ़त नहीं मिलना इसका उदाहरण है। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष मनोज मिश्रा ने विमर्श मंथन क्रम में रोष प्रकट किया। कांग्रेस अध्यक्ष मनोज ने कहा कि आइएनडीए महागठबंधन के जमीनी कार्यकर्ताओं की घोर उपेक्षा किया गया। महागठबंधन धर्म की फजीहत होती रही। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के मंच पर मुकेश सहनी को महिमामंडित होना, राजद नेताओं को सभी मंच पर अग्रसर बनकर फोटो खिंचवाना, मिडिया वालों को सार्वजनिक *हुड -आउट* करना, गांव के लोगों से मुलाकात में अकड़पन, मधुबनी के बजाय दरभंगा के कार्यकर्ताओं को तरजीह के साथ घमंडी व्यवहार से राजद उम्मीदवार अली अशरफ फातमी इस संसदीय सीट को लूज किया है। राजद नेता ने आश्चर्य लहजे में कहा कि पूर्व मंत्री व क्षेत्रीय विधायक समीर महासेठ के बूथ पर महज बहत्तर वोट राजद उम्मीदवार को मिलना क्या दर्शाता ? कांग्रेस के कद्दावर नेता डॉ. शकील अहमद पूर्व मंत्री डॉ. मदन मोहन झा, पूर्व मंत्री कृपानाथ पाठक, पूर्व विधायक भावना झा सहित अन्य विशिष्ट लोगों की चुनावी कैम्पेन क्षेत्र में निरंतर हुई। आरोप में बताया कि पूर्व विधायक कामरेड राम नरेश पांडेय मनोज मिश्र माले नेता ध्रुव नारायण कर्ण सभी घटक दल के नेतागणों का वोट एकीकृत करने का अथक प्रयास चलता रहा। प्रत्याशी बेखबर अपनी डफली अपना राग अलापते रहे ?

सिक्खों के पांचवें गुरु गुरु अर्जुन देव की शहीदी पर्व गुरुद्वारा में मना

अररिया (हिंस)। फारबिसगंज के राम मनोहर लोहिया पथ स्थित गुरुद्वारा में सिक्खों के पांचवे गुरु गुरु अर्जुन देव की शहीदी पर्व सोमवार को श्रद्धा के साथ मनाया गया। मौके पर शबद कीर्तन के साथ विशेष पाठ का आयोजन किया गया। ज्ञानी प्रदीप सिंह ने भजन-कीर्तन और प्रवचन कर गुरु अर्जुन देव की के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला। ज्ञानी प्रदीप सिंह ने बताया कि धर्म परिवर्तन के दौर के समय का पल उनके जीवन का सबसे महत्वपूर्ण क्षण था। धर्म परिवर्तन के दौर के दौरान औरंगजेब ने उन्हें मजबूर करने के लिए शारीरिक और मानसिक हर तरह की यातनाएं दी। गर्म पानी में उबाला भी गया था लेकिन फिर भी अपने धर्म पर कायम रहे।

नीट परीक्षा फिर कराने के लिए एबीवीपी और एनएसयूआई का प्रदर्शन

लखनऊ, (हिंस)। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के चेयरमैन प्रदीप कुमार जोश के विरुद्ध लखनऊ विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) और नेशनल स्टूडेंट यूनियन आफ इंडिया (एनएसयूआई) से जुड़े छात्रों ने प्रदर्शन किया है। छात्रों की मांग है कि प्रदीप कुमार जोशी अपने स्तर पर जांच करा के नीट परीक्षा पुन: कराए। लखनऊ विश्वविद्यालय में एनएसयूआई के छात्रों व पदाधिकारियों ने प्रदीप कुमार जोशी के विरुद्ध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान छात्र सड़क पर उतर आये तो पुलिसकर्मियों ने उन्हें जबरदस्ती उठाकर हटाया। छात्रों ने आरोप लगाया कि प्रदीप कुमार अपने स्तर पर लापरवाही कर गये, तभी नीट परीक्षा में धांधली हुई है। इसी धांधली के कारण वर्तमान वक्त में बहुत सारे परीक्षा देने वाले छात्रों के नंबर कम आए हैं। वहीं पूरे के पूरे नंबर पाने वाले छात्रों की संख्या चौकाने वाली है। वहीं, एबीवीपी के छात्रों ने पैदल मार्च किया और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के विरुद्ध नारेबाजी की। एबीवीपी के पदाधिकारियों के अनुसार छात्रों का मानना है कि ऐसा कैसे हो सकता है कि एक ही सेंटर के कई छात्रों को पूरे नंबर मिल गये हैं।

यह पहली बार ही है, जब 67 छात्रों को नीट की परीक्षा में पूरे के पूरे नंबर मिले। एबीवीपी के विकास तिवारी ने कहा कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी से या तो पेपर लीक हुआ है या फिर परीक्षा की तैयारी कराने वाली कोचिंग सेंटरों को पेपर पहुंचाया गया है। तभी ऐसा हो सकता है कि पूरे नंबर पाने वाले छात्रों की संख्या अचानक से बढ़ गयी है। जांच तो अपनी जगह है, पहले एजेंसी दूसरी बार परीक्षा करा कर मेडिकल में चयन होने वाले छात्रों का भविष्य बचाएं।

मंत्रिमंडल में कायस्थों को जगह नहीं मिलना दुर्भाग्यपूर्ण : सुमन

अररिया (हिंस)। केंद्रीय मंत्रीमंडल में कायस्थ समाज के किसी नेता को स्थान नहीं मिलने पर कांग्रेस प्रवक्ता सुमन कुमार मल्लिक ने नाराजगी व्यक्त किया है। मल्लिक ने कहा कि भारतीय राजनीति और राष्ट्रनिर्माण में कायस्थों की महती भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है कि कायस्थ समाज राष्ट्र के प्रति अपना सर्वस्व न्योछावर करने में हमेशा अग्रणी रहा है। श्री मल्लिक ने कहा की धर्म, संस्कृति, विज्ञान, अध्यात्म, राजनीति, राष्ट्र सेवा में सदैव समर्पित रहने वाले कायस्थ समाज के लोगों ने सदैव सकारात्मक संदेश दिया है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने नए मंत्रिमंडल में किसी भी कायस्थ प्रतिनिधि को शामिल ही नहीं किया, बल्कि कायस्थ जनप्रतिनिधियों की छटनी भी कर दी। मल्लिक ने कहा की बीजेपी समेत सभी राजनीतिक दलों ने लोकसभा, राज्यसभा, विधान परिषद चुनाव में कायस्थ प्रतिनिधि को टिकट देने में बहुत कमी किया हैं। श्री मल्लिक ने कहा की मंत्रिमंडल में किसे शामिल करना है अथवा नहीं ये प्रधानमंत्री का विशेषाधिकार है। परन्तु समाज के सभी वर्ग का प्रतिनिधित्व हो, यह भी निर्धारित होना चाहिए। उन्होंने कहा की सत्ताधारी केंद्र सरकार द्वारा कायस्थ समाज की उपेक्षा एवं अपमानजनक रवैए से कायस्थ समाज में रोष है।

मिली-जुली सरकार में अब संसद में नहीं हो पाएंगे मनमाने तरीके से काम : पायलट

टोंक (हिंस)। पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा कि यह जनादेश खंडित है। यह किसी एक दल को सरकार बनाने का जनादेश नहीं था, अब मिली जुली सरकार बनी है। जिस तरह का रवैया और जो शासन पिछले दस सालों में रहा है वैसा अब नहीं हो पाएगा। संसद में विपक्षी दल भी बड़ी संख्या में जीत कर आए हैं। मनमाने तरीके से जो कार्य पहले संसद में होते थे, वे अब नहीं होने देंगे। सारा विपक्ष एकमत और एकजुट है और आईएनडीआईए मजबूती के साथ संसद के अंदर और संसद के बाहर सरकार को सचेत रखेगा, जवाबदेही तय करेगा और जो मनमाने तरीके से पहले शासन चला रहे थे उसे नहीं चलने देंगे अब सरकार के तेवर ढीले

पड़े हैं। पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट सोमवार को पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने सोमवार को टोंक में शहीद स्मारक का उद्घाटन किया एवं वीरांगनाओं को सम्मानित किया। इस दौरान पीसीसी उपाध्यक्ष रामविलास चौधरी, जिला अध्यक्ष हरि प्रसाद बैरवा, नगर परिषद सभापति अली अहमद, कांग्रेस नेता सऊद सईदी, पूर्व विधायक कमल बैरवा, पूर्व सैनिक मुकुट बिहारी, लक्ष्मीनारायण मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पायलट ने कहा कि हमारी सरकार ने राजस्थान के प्रत्येक जिले में इस प्रकार के स्मारक बनाने की एक परिकल्पना की थी। बीच में लगातार आचार संहिता आ गई थी। तो इसका उद्घाटन हम लोग नहीं कर पाए थे। उन्होंने कहा कि देश में हमारी सरहदों को सुरक्षित रखने के लिए हमारे नौजवान 24 घंटे पहरा देते हैं। संघर्ष करते हैं जान हथेली पर लेकर हम लोगों को सब लोगों को सुरक्षित रखते हैं। उन शहीदों को शहीदों के परिजनों को मान सम्मान मिले उनकी यादगार हमेशा बनी रहे। सैनिक अगर फौज में काम करता है तो तनख्वाह के लिए नहीं करता है उसमें एक अपना शौर्य, अपनी मातृभूमि के लिए प्रेम और हर कीमत पर इस देश की शरहद को सुरक्षित रखने का जज्बा होता है। मनोबल बनाए रखना किसी एक व्यक्ति की जिम्मेदारी नहीं पूरे देश की है पूरे समाज की है। उन्होंने कहा कि दुनिया में दो सौ देश होंगे लेकिन भारत की जो सेना है, हमारे जो फौजी हैं, वह दुनिया में किसी फौजी से कम नहीं है। हमारा लोहा, हमारा पराक्रम पूरी दुनिया मानती है। वर्दी पहनकर जो अहसास होता है उसका विवरण कोई नहीं कर सकता। वही जानते हैं जिन्होंने वर्दी पहनी है। खाकी और हरी वर्दी पहनने के बाद एक अनूठे अनुभव का अहसास होता है। देश में हम लोग आपस में कुछ भी चर्चा करें सरकार किसी की भी हो, किसी भी रंग की बन जाए, नेता मुख्यमंत्री-प्रधानमंत्री कोई भी हो लेकिन हमारे फौजी पर सबको गर्व है। इसमें कोई किसी को संकोच नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे फौजों ने आगे बढ़कर दुनिया को दिखाया कि हर परिस्थिति में हम दुश्मन का मुकाबला कर सकते हैं।

जम्मू-कश्मीर : बस आतंकी हमले में घायल दंपति के परिजनों से मिले विधायक

वाराणसी (हिंस)। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में तीर्थयात्रियों को ले जा रही बस पर हुए आतंकी हमले में काशी के दंपति अतुल मिश्रा (32) और नेहा (29) भी घायल हुए हैं। इसकी जानकारी पाते ही परिजन मर्माहत हो गए। सोमवार को घटना की जानकारी पड़ोसियों और रिश्तेदारों के साथ शहर दक्षिणी के विधायक डॉ. नीलकंठ तिवारी को हुई तो वे दंपति के कालभैरव मंदिर के पीछे स्थित आवास पर पहुंचे और परिजनों से मिल ढांढ बढ़ाया। विधायक ने परिजनों को हर संभव मदद का भरोसा दिया। इसके पहले रात में ही प्रशासनिक अफसर भी दंपति के आवास पर पहुंचे और पूरे घटना की जानकारी ली। इसी दौरान घायल दंपति ने भी परिजनों को फोन कर बताया कि उनकी हालत ठीक है। दोनों ने परिजनों को पूरे घटना क्रम की जानकारी दी। और बताया कि फिलहाल उन्हें अस्पताल में रखा गया है। आसपास सेना के जवान मौजूद हैं। दोनों के देर रात तक वाराणसी लौटने की संभावना है। आतंकी हमले में घायल अतुल के चाचा योगेश मिश्रा ने पत्रकारों को बताया कि भतीजा और बहू शादी की पहली सालगिरह पर माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए जम्मू गए थे। दोनों बीते 6 जून को वाराणसी से बेगमपुरा ट्रेन से रवाना हुए थे। 7 जून को अतुल और नेहा के शादी की सालगिरह थी। वहां मां वैष्णो देवी का दर्शन कर नौ जून को शिव खोरी मंदिर में दर्शन पूजन के बाद दोनों बस से कटरा लौट रहे थे।

सुरक्षाबलों की तैनाती की मांग को लेकर त्रियाठ के लोगों का प्रदर्शन

त्रियाठ(हिंस)। त्रियाठ इलाके में सुरक्षाबलों को तैनात करने सहित सीएचसी त्रियाठ में स्वास्थय सुविधाओ में सुधार करने की मांग को लेकर सोमवार को वहां के लोगों ने प्रदर्शन किया। गुस्सा लोगों ने स्थानीय रोड बंद कर अपनी मांगों को उजागर किया। लोगों ने कहा कि रविवार को हमारे इलाके में आतंकी हमला होना बहुत बडी बात है। यहां पर सुरक्षाबलों की तैनाती होनी चाहि, ताकि यहां के लोग अपने आप को सुरक्षित तहसूस करें। इसके साथ ही अस्पताल में भी सुविपधाओं में सुघार होना चाहिए ताकि आपातकाल के दौरान मरीजों को जल्द उपचार मिल सके। लोगों ने क्षेत्र में सड़कों की भी मरम्मत करने की अपील की है। वहीं तहसीलदार त्रियाठ ने मौके पर जाकर लोगों से बात की। इसके बाद लोगों ने अपना प्रदर्शन वापिस लिया।

मोदी सरकार में कैबिनेट मंत्री बने भूपेंद्र यादव से अलवर की जनता को आस

अलवर, (हिंस)। अलवर लोकसभा से सांसद का चुनाव जीते और तीसरी बार मोदी सरकार की कैबिनेट में मंत्री बने भूपेंद्र यादव से अलवर की जनता को आस है। अलवर से पहली बार कोई केंद्र सरकार में कैबिनेट मंत्री बना हैं। मनमोहन सिंह सरकार में राज्य मंत्री रहे पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने अलवर जिले के विकास को अपने कार्यकाल में नई गति दी थी। उन्होंने जनता की प्यास बुझाने के लिए चंबल प्रोजेक्ट को अलवर लाने की दिशा में काम किया लेकिन सरकार बदलते ही यह प्रोजेक्ट कागजों में दफन हो गया, चंबल के बाद ईआरसीपी, यमुना जैसे पेयजल के बड़े प्रोजेक्ट सियासत की लड़ाई में ओझल हो गए। समय की काली स्याही से केवल उनके पृष्ठों की संख्या ही बढ़ती गई। अलवर की जनता की बदकिस्मती कहिए या नेताओं की कारगुजारी पिछले 10 साल से राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी के 25 सांसद और प्रदेश के ही केंद्रीय जल शक्ति मंत्री रहे लेकिन जनता को पानी उपलब्ध कराने के लिए इनके मंसूबे अधूरे ही रहे। अब 2024 में पहली बार चुनावी राजनीति में हिस्सा लेकर जीत हासिल करने वाले भूपेंद्र को पिछली एनडीए सरकार में राज्यसभा सांसद रहते हुए कैबिनेट मंत्री बनाया गया था। इस बार आम चुनाव में भूपेंद्र यादव ने बड़ी जीत दर्ज की। अलवर सीट पर उन्होंने 6लाख 31 हजार 992 वोट हासिल कर कांग्रेस के ललित यादव को 48 हजार 282 वोटों से शिकस्त दी। नरेंद्र मोदी सरकार में कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ लेने वाले अलवर सांसद भूपेंद्र यादव से अब जनता को पेयजल उपलब्ध कराने की उम्मीदें हैं। अलवर के लिए गंभीर समस्या बन चुकी पेयजल समस्या से ग्रस्त लोग अब अलवर के नए सांसद की तरफ उम्मीद भरी निगाहों से देख रहे है। अलवर लोकसभा सीट पर अब तक 7 बार कांग्रेस जबकि 4 बार भाजपा और 2 बार जनता दल के सांसद चुने गए। भूपेंद्र यादव कई राज्यों के चुनाव में भाजपा के लिए ना सिर्फ लक्की रहे हैं, बल्कि संगठन में अपनी क्षमता का लोहा भी मनवा चुके हैं। अमित शाह के साथ वे भाजपा की संगठनात्मक रणनीतियां तय करने के लिए विख्यात हैं। यादव ऐसी चुनावी बिसात बिछाने में माहिर हैं, जिससे भाजपा विरोधी दलों की रणनीतियां ध्वस्त करने में सफल हो जाती है। 2013 में राजस्थान का विधानसभा चुनाव हो या फिर 2014 में झारखंड और 2017 में हुए गुजरात और उत्तर प्रदेश के चुनाव या फिर महाराष्ट्र का चुनाव. 2023 में मध्य प्रदेश के चुनाव में भी भूपेंद्र यादव को बड़ी जिम्मेदारी दी गई थी।

जमीन घोटाला मामले में हेमंत सोरेन के वकील कपिल सिब्बल ने झारखंड हाई कोर्ट में रखा पक्ष

रांची (हिंस)। झारखंड हाई कोर्ट में बरियातू के बड़गाई की 8.86 एकड़ जमीन घोटाला मामले में आरोपित पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की जमानत अर्जी पर न्यायाधीश रंगन मुखोपाध्याय की कोर्ट में सुनवाई चल रही है। मामले में ईडी की ओर से जवाब दाखिल किया गया है। हेमंत सोरेन की ओर से वरीय अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने सोमवार को कोर्ट में पक्ष रखा। सिब्बल ने दलील में कहा कि ब ?गाई की 8.86 एकड़ जमीन भूइहरि नेचर की है, जिसे ट्रांसफर नहीं किया जा सकता। इसका मालिकाना हक उनके पास नहीं है और इस पर उनके कब्जे की बात भी गलत है। ईडी के पास इस संबंध कोई दस्तावेज भी नहीं है। यह जमीन विवाद का मामला है, जो सिविल मैटर है, क्रिमिनल मैटर नहीं। उन्होंने कहा कि जमीन पर अवैध कब्जा पीएमएलए में शेड्यूल ऑफेंस में नहीं आता है। सिब्बल ने कोर्ट में कहा कि यह मामला प्रेडिकेट ऑफिस का भी नहीं है। प्रेडिकेट ऑफिस के लिए धन की उत्पत्ति होनी चाहिए थी, जो नहीं हुआ है। ईडी कह रही है कि इस जमीन पर हेमंत सोरेन का कब्जा वर्ष 2009-10 से था लेकिन इस संबंध में उस समय कोई शिकायत या प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई थी। उनके जमीन पर कब्जे के संबंध में बड़गाई के अंचल अधिकारी राजस्व कर्मचारी एवं कुछ लोगों से ईडी ने एस्टेटमेंट लिया था जबकि 29 जनवरी को जमीन का पजेशन जमीन के ओनर राजकुमार पाहन के पास था। उल्लेखनीय है कि हेमंत सोरेन बड़गाई अंचल जमीन घोटाले के आरोप में 31 जनवरी से जेल में बंद हैं। मामले में ईडी ने जांच पूरी करते हुए 30 मार्च को हेमंत सोरेन सहित पांच के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर चुकी है। इसके अलावा जीमेल नेता अंतू तिर्की सहित 10 आरोपियों पर पूरक आरोप पत्र भी बीते दिनों अदालत में दायर हो चुका है। मामले में हेमंत सोरेन सहित 11 आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है।

वैश्विक *हिंदू राष्ट्र महोत्सव* में शामिल होंगे 1000 से अधिक हिंदू संगठन

वाराणसी (हिंस)। हिंदू जनजागृति समिति की पहल पर द्वादश *अखिल भारतीय हिंदू राष्ट्र अधिवेशन* इस वर्ष 24 से 30 जून के बीच श्री विद्याधिराज सभागृह, श्री रामनाथ देवस्थान, बांदोडा, फोंडा, गोवा में आयोजित किया गया है। इस अधिवेशन में 25 राज्यों से 1000 से अधिक हिंदू संगठन भागीदारी करेंगे। सोमवार को यह जानकारी महोत्सव के आयोजक प्रो. महावीर ने दी। उन्होंने बताया कि अब तक हुए 11 हिंदू अधिवेशनों को प्रति वर्ष मिलनेवाला प्रतिसाद बढ़ता ही जा रहा है। इन अधिवेशनों के कारण ही हिंदू संगठन संगठित हुए हैं। इन अधिवेशनों की विशेषता यह है कि नेपाल, श्रीलंका, मलेशिया, बांगलादेश एवं अन्य देशों से भी संत, हिन्दुत्वनिष्ठ संगठनों के प्रतिनिधि, विचारक आदि इनमें सम्मिलित हुए हैं। उन्होंने कहा कि भारत आज तीसरे क्रमांक की आर्थिक महासत्ता होने की दृष्टि से अग्रसर है। ऐसा होते हुए भी जगत में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार कम नहीं हुए। वरन उसमें वृद्धि ही हो रही है। हिंदू धर्म को *डेंगू, मलेरिया,* जैसे रोगों की उपमा देकर उसे समाप्त करने की भाषा बोली जा रही है। प्रति वर्ष लाखों हिंदुओं को धोखा देकर धर्मांतरण किया जा रहा है। कभी कला स्वतंत्रता के नाम पर फिल्म, धारावाहिक आदि के माध्यमों से हिंदुओं के देवताओं का अनादर किया जाता है, तो दूसरी ओर भारतीय अर्थव्यवस्था को खोखला करने के लिए *हलाल अर्थव्यवस्था* खड़ी कर हिंदुओं को हलाल खाद्य पदार्थ लेने के लिए बाध्य किया जाता है। भारत विरोधी आंदोलन कनाडा सहित अनेक देशों में अपना फन उठा रहा है और हिंदुओं के मंदिरों पर जानबूझकर आक्रमण किए जा रहे हैं। ऐसी सभी समस्याओं पर *हिंदू राष्ट्र की स्थापना,* ही एकमेव उपाय है। अखिल भारतीय हिंदू राष्ट्र अधिवेशन में इन बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा होगी। सनातन धर्म की सुरक्षा के लिए वैचारिक स्तर पर प्रयत्न, मंदिरों की सुरक्षा की दृष्टि से उपाय, मंदिर सरकार के नियंत्रण से मुक्त होने हो इसके लिए संगठन बढ़ाना, *जिहादी आतंकवाद* एवं *गजवा-ए-हिंद* जैसे भारत विरोधी संकटों का सामना करने के लिए व्यापक जनजागृति पर भी विमर्श होगा।

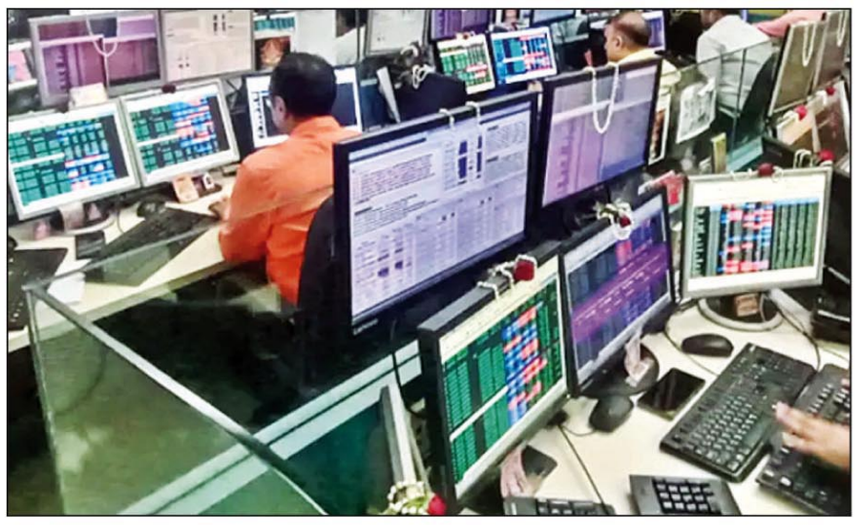

स्टॉक मार्केट का नया किंग रिटेल निवेशक सही समय पर खरीदारी कर बन रहे ट्रेंडसेटर

नई दिल्ली।
भारतीय शेयर बाजार में पिछले कुछ वर्षों में बड़ी तेजी देखने को मिली है. इसके पीछे की वजह बाजार में रिटेल निवेशकों की संख्या में बढ़ोतरी होना है.रिटेल निवेशक बाजार में एक स्मार्ट निवेशक की तरह काम कर रहे हैं।

और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) और अन्य बड़े निवेशकों से कहीं आगे दिखाई देते हैं।

उदाहरण के लिए एग्जिट पोल के नतीजों के कारण 3 जून को शेयर बाजार में बड़ी तेजी हुई. एनएसई के डेटा के अनुसार, इस दिन रिटेल निवेशकों ने 8,588 करोड़ रुपये की बिकवाली की.वहीं, एफआईआई और म्यूचुअल फंड्स ने इस दौरान 10,000 करोड़ रुपये से ज्यादा निवेश किया था।

लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजों के दिन 4 जून को जब निफ्टी 5.9 प्रतिशत गिर गया. उस दौरान रिटेल निवेशकों ने 21,178 करोड़ रुपये की बंपर खरीदारी की थी. वहीं, इस दिन एफआईआई ने 12,511 करोड़ रुपये और म्यूचुअल फंड्स ने 6,249 करोड़ रुपये की बिकवाली की थी।

5 जून को रिटेल निवेशकों ने 3,006 करोड़ रुपये की खरीदारी की. वहीं, विदेशी निवेशकों की ओर से 6,481 करोड़ रुपये की बिकवाली की गई. हालांकि, इस दिन म्यूचुअल फंड्स ने 2,672 करोड़ रुपये का निवेश किया था।

बाजार के जानकारों का कहना है कि पिछले हफ्ते बाजार में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला, लेकिन अब ये समझना होगा कि इस बुल मार्केट को रिटेल निवेशक और एचएनआई (हाई नेटवर्थ इंडिविजुअल) लीड कर रहे हैं. एफआईआई की ओर से की जा रही बिकवाली को आसानी से रिटेल निवेशक खरीद रहे हैं. 4 जून को 21,179 करोड़ रुपये की खरीदारी रिटेल निवेशकों की ओर से की गई थी। इस ट्रेंड से ऐसा लगता है कि ये सिलसिला लंबे समय तक जारी रहेगा. भारत में एसआईपी का ट्रेंड भी तेजी से बढ़ रहा है. औसत मासिक एसआईपी का आंकड़ा करीब 20,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

न्यूज ब्रीफ

डब्ल्यूडब्ल्यूडीसी में दिखेगी भविष्य की झलक, आईओएस 18 को एआई के साथ पेश कर सकता है एप्पल

नई दिल्ली। एप्पल की वार्षिक वर्ल्डवाइड डेवलपर्स कॉन्फ्रेंस (डब्ल्यूडब्ल्यूडीसी) शुरू होने जा रही है। माना जा रहा है कि इस बार कई नए फीचर्स के अलावा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर कंपनी का फोकस हो सकता है ।डब्ल्यूडब्ल्यूडीसी एक ईवेंट है, जहां एप्पल की ओर से अपने प्रोडक्ट्स के लिए नए सॉफ्टवेयर और फीचर्स को पेश किया जाता है। इस वर्ष उम्मीद की जा रही है कि आईफोन के लिए आईओएस 18 पेश किया जा सकता है। इसके अलावा अन्य ऑपरेटिंग सिस्टम का भी अपटेड आ सकता है। डब्ल्यूडब्ल्यूडीसी में एप्पल अपने ऑपरेटिंग सिस्टम में एआई को जोड़ सकता है। इसके अलावा सिरी के उपयोग बढ़ाने को लेकर भी ध्यान हो सकता है। कंपनी इसमें लार्ज लैंग्वेज मॉडल जोड़ सकती है, जिससे यह यूजर्स की ओर से पूछे गए सवालों का आसानी से जवाब दे पाए। एप्पल अपने इन एआई फीचर्स को एप्पल इंटेलिजेंस फीचर्स नाम दे सकता है और अपने सभी ऐप्स में जोड़ सकता है। माना जा रहा है कि आने वाले आईओएस 18 में एआई फीचर्स को जोड़कर एप्पल अन्य कंपनियों जैसे गूगल और माइक्रोसॉफ्ट को टक्कर देने की तैयारी कर रहा है। इसके अलावा उम्मीद की जा रही है कि आईओएस 18 में आने वाले सभी फीचर्स आईपैडओएस 18 में भी देखने को मिल सकते हैं। वॉचओएस 11 में भी कई अपडेट्स देखने को मिल सकते हैं। एप्पल विजनओएस का नया वर्जन भी बाजार में उतार सकता है। विजनओएस का उपयोग एप्पल के वीआर हैंडसेट में किया जाता है।

घर में तय सीमा से अधिक सोना रखा तो देना पड़ेगा हिसाब, घोषित आय से की गईखरीद पर नहीं देना पड़ता है कर

नई दिल्ली। सोना एक बहुमूल्य धातु और निवेश का सुरक्षित साधन है ।भारतीय त्योहारों पर सोना

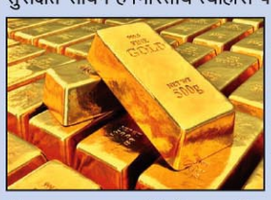

खरीदना शुभ मानते हैं। लोग अपने बच्चों की शादी के लिए पहले से ही सोना खरीदकर घर में रखना शुरू कर देते हैं। हालांकि, ज्यादातर लोग इस बात से अनजान होते हैं कि घर में एक सीमा से ज्यादा सोना रखने पर आयकर विभाग को उसका हिसाब देना पड़ता है। दरअसल, आप घर में जितना चाहें उतना सोना रख सकते हैं ।बशर्ते...कर अधिकारियों के पूछने पर आपको यह बताना पड़ेगा कि आपके घर में रखे सोने को खरीदने के लिए आपके पास पैसा कहां से आया ।केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के मुताबिक, घोषित आय से की गईसोने की खरीद पर कोईकर नहीं देना पड़ता है। 500 ग्राम तक रखने की छूट सीबीडीटी के नियमों के मुताबिक, कर बचत के लिए बिना किसी सबूत के घर में रखे गए सोने और उससे बने आभूषणों की मात्रा की कुछ सीमाएं तय की गई हैं। विवाहित महिला घर में बिना किसी सबूत के अधिकतम 500 ग्राम तक सोना रख सकती है। अविवाहित महिलाओं के लिए अधिकतम सीमा 250 ग्राम है। पुरुष (विवाहित व अविवाहित) 100 ग्राम तक सोना रख सकते हैं। अगर आप सोना खरीदने के तीन साल के भीतर उसे बेच देते हैं तो उस पर शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स लगता है। शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन्स आपकी कुल आय में जुड़ता है और स्लैब के अनुसार कर लगता है।

रुपया 10 पैसे गिरकर 83.50 प्रति डॉलर पर

मुंबई । रुपया सप्ताह के पहले कारोबारी दिन शुरुआती कारोबार में 10 पैसे की गिरावट के साथ

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.50 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि नरेन्द्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद बाजार में अनिश्चितता कम हुई है। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती ने स्थानीय इकाई पर दबाव डाला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.48 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 83.50 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 10 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.40 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.29 प्रतिशत की बढ़त के साथ 105.18 पर रहा।

क्रोनॉक्स लैब साइंसेज 21.2 प्रतिशत ऊपर 164.95 रुपए लिस्ट

इश्यू प्राइस 136 रुपए था, स्पेशलिटी केमिकल की मैन्युफैक्चरिंग करती है कंपनी

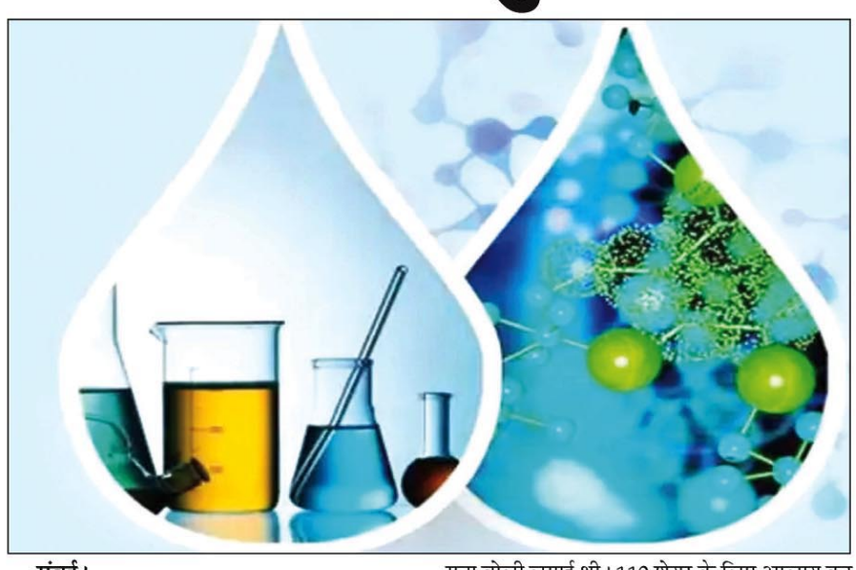

मुंबई।

क्रोनॉक्स लैब साइंसेज का शेयर का आज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर 21.2 प्रतिशत ऊपर 164.95 रुपए लिस्ट हुआ। कंपनी ने आईपीओ का प्राइस बैंड 129-136 प्रति शेयर तय किया था। इसका इश्यू प्राइस 136 रुपए था। अभी ये 160 रुपए के करीब कारोबार कर रहा है। क्रोनॉक्स लैब के शेयर की लिस्टिंग बाजार की उम्मीदों के अनुरूप हुई है। ऐसा इसलिए, क्योंकि ग्रे मार्केट के रुझानों से पहले ही संकेत मिल रहा था कि स्टॉक लगभग 22-30 प्रतिशत प्रीमियम के साथ लिस्ट हो सकता है। क्रोनॉक्स एक स्पेशलिटी केमिकल मैन्युफैक्चर है। आईपीओ को 117 गुना से ज्यादा सब्सक्रिप्शन मिला था कंपनी के 130 करोड़ रुपए के आईपीओ को 117 गुना से ज्यादा सब्सक्रिप्शन मिला था। सब्सक्रिप्शन में सबसे आगे रहे। उन्होंने आवंटित कोटे से 302 गुना ज्यादा बोली लगाई थी। 89 गुना और रिटेल निवेशकों ने 54.23 गुना बोली लगाई थी। 110 शेयर के लिए अप्लाय कर सकते थे रिटेल निवेशक रिटेल निवेशक को मिनिमम एक लॉट यानी 110 शेयर के लिए अप्लाय कर सकते थे। आईपीओ के अपर प्राइज बैंड 136 के हिसाब से 1 लॉट के लिए 14,960 लगा सकते थे। वहीं अधिकतम 13 लॉट यानी 1430 शेयर के 194,480 इन्वेस्ट कर सकते थे। कंपनी के पोर्टफोलियो में 185 से ज्यादा प्रोडक्ट क्रोनॉक्स के हाई प्योरिटी स्पेशलिटी फाइन केमिकल्स पोर्टफोलियो में 185 से ज्यादा प्रोडक्ट हैं। इनका इस्तेमाल फार्मास्यूटिकल्स, न्यूट्रास्यूटिकल्स, बायोटेक, पशु स्वास्थ्य, वैज्ञानिक अनुसंधान, कृषि रसायन, पर्सनल केयर आदि में किया जाता है। क्रोनॉक्स अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, मैक्सिको, ऑस्ट्रेलिया, मिस्र समेत 20 से अधिक देशों में निर्यात करती है। कंपनी की 3 मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी और एक रिसर्च, डेवलपमेंट और टेस्टिंग (आरडीटी) लैब है, जो वडोदरा में स्थित है।

किंगमेकर बनते ही चंद्र बाबू नायडू परिवार की संपत्ति में 1225 करोड़ का इजाफा

नई दिल्ली । पिछले पांच साल से सत्ता से बाहर चल रहे चंद्र बाबू नायडू की किस्मत ने पलटी मारी है। ना केवल आंध्र प्रदेश में उनकी सत्ता में वापसी हुई है, बल्कि 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद वे केंद्र सरकार के लिए भी किंग मेकर की भूमिका में आए गए हैं। इस बीच, एन चंद्रबाबू नायडू के परिवार की संपत्ति में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। आंध्र प्रदेश स्थित हेरिटेज फूड्स के शेयरों में पिछले 12 कारोबारी सत्रों में 105 प्रतिशत से अधिक की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इस उछाल से परिवार की संपत्ति में 1,225 करोड़ रुपये की आश्चर्यजनक वृद्धि दर्ज की गई। हेरिटेज फूड्स के शेयर बीएसई पर 727.9 रुपये के नए 52-सप्ताह के उच्च स्तर पर पहुंच गए। कंपनी के शेयरों में 10 प्रतिशत का ऊपरी सर्किट लगा। दो हफ्ते पहले यानी 23 मई को कंपनी के शेयर 354.5 के भाव पर बंद हुए थे। 3 जून (चुनाव परिणाम से एक दिन पहले) से 10 जून तक कंपनी के शेयरों में मजबूत वृद्धि दिखी। आंध्र प्रदेश के मनोनीत मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के परिवार की कंपनी में कुल हिस्सेदारी 35.71 प्रतिशत है।

पीएम मोदी के नेतृत्व में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ता भारत : सीआईआई

नई दिल्ली।

कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की आर्थिक गति जारी रहेगी और यह दुनिया के टॉप तीन देशों में जल्द शामिल होगा ।सीआईआई के प्रेसिडेंट संजीव पुरी ने कहा, लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री का पद संभालने के लिए उन्हें बधाई देते हैं। पुरी ने आगे कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 में भारतीय अर्थव्यवस्था में 8.2 प्रतिशत की दर से वृद्धि हुई है। उनके नेतृत्व में अगले चरण के सुधारों के जरिए भारत वैश्विक अवसरों का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठा सकता है। साथ ही बताया कि भारतीय अर्थव्यवस्था की नींव काफी मजबूत है।

ऐसा माना जा रहा है कि भारत की अर्थव्यवस्था जल्द जापान को पछाड़ कर दुनिया की चौथी-सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी। सरकार की ओर से भी हाल ही में कहा गया था कि भारतीय अर्थव्यवस्था 2027 में जापान और जर्मनी को पछाड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी।

उन्होंने आगे कहा कि यह भारत के लिए बड़ा पल है और भारतीय उद्योग नई सरकार के साथ काम करने को लेकर उत्साहित है। इससे देश का तेजी से विकास होगा।

सीआईआई के डायरेक्टर जनरल चंद्रजीत बनर्जी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत के विकास का सुनहरा अध्याय शुरू होगा।

कार्यभार संभालने के बाद पीएम मोदी की ओर से पीएम किसान सम्मान निधि की 17वीं किस्त किसानों को जारी की गई।

इसका सीधा फायदा 9.3 करोड़ किसानों को होगा। इसमें करीब 20,000 करोड़ रुपये की राशि किसानों को दी गई है।

बनर्जी ने कहा कि सीआईआई अगले चरण के सुधारों पर सभी पक्षकारों की सहमति बनाने के लिए अपनी पहल तेज करेगा। साथ ही कहा कि हम नई सरकार के साथ भारत के डेमोग्राफिक डिविडेंड को अनलॉक करने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और स्किल डेवलपमेंट के क्षेत्रों में काम करेंगे।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में आएगा बड़ा उछाल गोल्डमैन सैक्स ने दी चिंता बढ़ाने वाली खबर

नई दिल्ली।

प्रतिष्ठित रेटिंग एजेंसी गोल्डमैन सैक्स का अनुमान है कि गर्मियों में कच्चे तेल की डिमांड में तगड़ा उछाल आएगा और इससे बेंचमार्क ब्रेंट का भाव भी बढ़ेगा। इससे आशंका है कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भी बढ़ोतरी हो सकती है। गोल्डमैन सैक्स का कहना है कि कच्चे तेल की डिमांड में तेजी मुख्य तौर पर जेट फ्यूल की मांग में रिकवरी की वजह से आएगी।

86 डॉलर प्रति बैरल तक जाएगा क्रूड ऑयल!

अभी क्रूड ऑयल का मौजूदा भाव करीब 80 डॉलर प्रति बैरल है। गोल्डमैन सैक्स का अनुमान है कि चीन से डिमांड कमजोर होने के बाद भी यह 86 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकता है। इसने कच्चे तेल की कीमतों को 75-90 डॉलर प्रति बैरल के बीच रहने का अनुमान जताया है। लेकिन, अगर भूराजनीतिक तनाव ज्यादा बढ़ता है, तो यह 90 डॉलर के पार भी जा सकता है।

अगर कच्चे तेल का भाव ज्यादा बढ़ता है, तो तेल कंपनियों को अधिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। ऐसे में वे अपने घाटे की भरपाई करने के लिए पेट्रोल-डीजल का भाव बढ़ाकर अपना बोझ आम जनता पर डाल सकती हैं। इससे ओवरऑल महंगाई भी बढ़ सकती है, क्योंकि डीजल का दाम बढ़ने से ट्रांसपोर्टेशन की लागत बढ़ेगी और फल सब्जियों कीमतों में भी उछाल आ सकता है। लंबे समय से कीमतों में नहीं हुआ है बड़ा बदलाव तेल कंपनियों ने 2 साल से अधिक समय से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बड़ा इजाफा नहीं किया है।

पेटीएम ने फिर दिया कर्मचारियों को झटका एक साथ कर दी इतने लोगों की छंटनी

नई दिल्ली।

पेटीएम ब्रांड की मालिक फिनटेक फर्म वन97 कम्युनिकेशंस ने एक बयान जारी किया। इस बयान में कंपनी ने बताया कि उन्होंने कर्मचारियों की छंटनी करना शुरू कर दिया। पेटीएम ने अपने बयान में बताया कि वह कर्मचारियों को आउटप्लेसमेंट के लिएमदद कर रही है।

मार्च 2024 तिमाही में पेटीएम के सेल इम्प्लॉज की संख्या तिमाही-दर-तिमाही आधार पर लगभग 3,500 घटकर 36,521 रह गई। कर्मचारियों की संख्या में आई कमी की मुख्य वजह आरबीआई द्वारा लिया गया एक्शन है। भारतीय रिजर्व बैंक ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक की सेवाओं पर प्रतिबंध लगाया था।

वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड (ओसीएल) उन कर्मचारियों को आउटप्लेसमेंट देने में मदद कर रहा है, जिन्होंने कंपनी के पुनर्गठन प्रयासों के तहत इस्तीफा दे दिया है। कंपनी ने बताया कि कंपनी की मानव संसाधन टीमें 30 से अधिक कंपनियों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग कर रही हैं।

हालांकि, पेटीएम ने पुनर्गठन से प्रभावित कर्मचारियों की संख्या का खुलासा नहीं किया। कंपनी के बयान के अनुसार पेटीएम कर्मचारियों को बोनस भी दे रही है, जिससे प्रक्रिया में निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके। आरबीआई का एक्शन भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने ग्राहकों के हित को ध्यान में रखते हुए पेटीएम के सहयोगी पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) को किसी भी ग्राहक खाते, वॉलेट और फास्टैग में जमा, क्रेडिट लेनदेन या टॉप-अप स्वीकार करने से रोक दिया था। आरबीआई ने 15 मार्च 2024 से पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड प्रतिबंध लगाया था। आरबीआई के एक्शन के बाद पेटीएम ने जानकारी दी कि जनवरी-मार्च 2024 में घाटा बढ़कर 550 करोड़ रुपये हो गया है। एक साल पहले इसी अवधि में कंपनी को 167.5 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। पेटीएम के शेयर 3 फीसदी की तेजी के साथ 396.20 रुपये प्रति शेयर पर कारोबार कर रहा है।

सैमसंग ने 2024 क्यूएलईडी प्रीमियम टीवी सीरीज लॉन्च की, कीमत 65,990 रुपये से शुरू

नई दिल्ली।

भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने भारत में 65,990 रुपये की शुरुआती कीमत पर 2024 क्यूएलईडी 4के टीवी सीरीज लॉन्च की। 2024 क्यूएलईडी 4के टीवी लाइन-अप ढेर सारे प्रीमियम फीचर्स के साथ आता है ।टीवी तीन साइज -- 55 इंच, 65 इंच और 75 इंच में आएगा। यह सैमसंग डॉट कॉम और अमेजन डॉन इन पर उपलब्ध है। सैमसंग इंडिया के विजुअल डिस्प्ले बिजनेस के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट मोहनदीप सिंह ने कहा, पिछले कुछ सालों में कॉन्टेंट की खपत में तेजी से बदलाव आया है। यूजर्स ज्यादा शानदार और प्रीमियम व्यूइंग एक्सपीरियंस की मांग कर रहे हैं। इस मांग को पूरा करने के लिए हमने 2024 क्यूएलईडी 4के टीवी सीरीज़ लॉन्च की है, जो प्रीमियम और बेहतरीन व्यूइंग एक्सपीरियंस की दुनिया में एक नया कदम

है। 2024 क्यूएलईडी 4के टीवी सीरीज़ क्वॉन्टम प्रोसेसर लाइट 4के दिया गया है। यह एक शक्तिशाली प्रोसेसर है जो विजुअल और ऑडियो पोजीशन को जरूरत के मुताबिक सेट करता है। यूजर्स चाहे जो भी कंटेंट देख रहे हों, उसका रिज़ॉल्यूशन कुछ भी हो, अल्टीमेट 4के अपस्केलिंग फीचर बेहतरीन विजुअल प्रदान करता है। यूजर इस पर रियल पिक्चर क्वालिटी का आनंद ले सकते हैं कि टीवी अपने आप लगभग-4के लेवल में अपग्रेड हो जाता है। किसी कॉन्टेंट के देखने और सुनने के अनुभव को शानदार बनाने के लिए 2024 क्यूएलईडी 4के सीरीज़, क्यू-सिंफनी, ओटीएस लाइट और अडेप्टिव साउंड फीचर्स से लैस है, जिससे यूजर्स ऑन-स्क्रीन मूवमेंट को ऐसे महसूस कर सकते हैं जैसे कि वह वास्तविक हो। इसके अलावा सैमसंग की टीवी प्लस सेवा भी शामिल है जिसमें 100 से ज्यादा मुफ़्त चैनल शामिल हैं। सैमसंग दुनिया को प्रेरित करते हुए बदलाव लाने वाले विचारों और तकनीकों के साथ भविष्य को आकार देता है। कंपनी टीवी, स्मार्टफोन, पहनने योग्य डिवाइस, टैबलेट, घरेलू उपकरण, नेटवर्क सिस्टम और मेमोरी, सिस्टम एलएसआई, फाउंड्री और एलईडी समाधान की दुनिया नए सिरे से परिभाषित कर रही है।

मस्क ने की भारतीय मूल के इंजीनियर की तारीफ कहा- उनके बिना हम केवल एक साधारण कार कंपनी

नई दिल्ली। एलन मस्क ने भारतीय मूल के एक इंजीनियर की जमकर तारीफ की। उन्होंने टेस्ला के ऑटोपायलट टीम के पहले कर्मचारी अशोक एलुस्वामी के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि उनके और उनकी टीम के बिना हम एक सामान्य कार निर्माता होते और एक ऑटोनॉमी सप्लायर को खोज रहे होते, जो कि हकीकत में है ही नहीं ।मस्क ने ये बयान ऐसे समय पर दिया है जब एलुस्वामी ने अपने एक नोट में कहा कि वे एआई और ऑटोनॉमी के मुख्य कर्ताधर्ता रहे हैं। एलुस्वामी ने अपने नोट में आगे कहा कि वे (मस्क) हमें हमेशा सर्वोच्च हासिल करने के लिए प्रोत्साहित करते रहते हैं, जब हमें लगता है कि वे चीजें पाना बिल्कुल मुश्किल हैं। इसके बाद मस्क ने एलुस्वामी की पोस्ट को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कोट करते हुए लिखा कि धन्यवाद अशोक। यह पहले व्यक्ति हैं, जिन्होंने टेस्ला की एआई और ऑटोपायलट टीम को ज्वाइन किया था। इसके बाद आज सभी एआई और ऑटोपायलट टीम को लीड कर रहे हैं। आगे मस्क ने कहा कि वैसे मैंने कभी उन्हें ये सुझाव नहीं दिया कि वे ये सब कहें और उन्हें तब पता लगा जब पोस्ट को 10 मिनट पहले देखा। एलुस्वामी ने अपने नोट में कहा कि 2014 में ऑटोपायलट एक छोटे से कम्प्यूटर से शुरू हुआ था। उसकी मेमोरी करीब 384 केबी की थी। उन्होंने इंजीनियरिंग टीम से लेन कीपिंग, लेन बदलना, वाहनों के लिए लॉंगिट्युडिनल कंट्रोल और कर्वेचर आदि लागू करने को कहा। टीम के कई लोगों ने सोचा था कि ये बिल्कुल नामुमकिन काम है। बहरहाल, उन्होंने कभी हार नहीं मानी और टीम को इस बेहद कठिन लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रेरित किया।

फ्रेंच ओपन चैंपियन बने कार्लोस अल्काराज, फाइनल में ज्वेरेव को पांच सेट तक चले मुकाबले में हराया

पेरिस ।
स्पेन के युवा टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने यहां पुरुष एकल के फाइनल में जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव को पांच सेटों के कड़े मुकाबले में हराकर फ्रेंच ओपन का एकल वर्ग का खिताब जीत लिया। अल्काराज ने यह मुकाबला 6-3, 2-6, 5-7, 6-1, 6-2 से अपने नाम किया। साल 2022 से अल्काराज ने प्रत्येक वर्ष एक ग्रैंडस्लैम की ट्रॉफी जीती है। यह अल्काराज का तीसरा ग्रैंडस्लैम खिताब रहा। इससे पहले 21 वर्षीय अल्काराज ने 2022 में यूएस ओपन और 2023 में विंबलडन जीता था। अल्काराज ने पहला सेट आसानी से जीत लिया था लेकिन इसके बाद कई गलतियां कर बैठे जिससे ज्वेरेव ने दूसरा और तीसरा सेट जीत लिया। अल्काराज ने चौथा सेट एकतरफा अंदाज में 6-1 से जीता और फिर पांचवां सेट 6-2 से जीतकर खिताब अपने नाम कर लिया। अल्काराज ने 11 एटीपी टूर खिताब जीते हैं। 21 वर्षीय अल्काराज तीन अलग-अलग ग्रैंडस्लैम (सतह) को जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं और उन्होंने हमवतन राफेल नडाल को पीछे छोड़ दिया। नडाल 14 बार के फ्रेंच ओपन विजेता हैं। फ्रेंच ओपन में खेलने से पहले अल्कारेज चोट के कारण तीन सप्ताह तक नहीं खेल पाए थे। ज्वेरेव दूसरी बार ग्रैंडस्लैम के फाइनल में हारे हैं। इससे पहले उन्हें 2020 यूएस ओपन के फाइनल में शिकस्त मिली थी। दूसरी वरीयता प्राप्त अल्काराज ने तीनों सतहों में से हर एक पर ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाले सबसे कम उम्र के एटीपी खिलाड़ी बन गए। अल्काराज तीनों सतहों पर ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाले सातवें खिलाड़ी हैं। अल्कराज का ग्रैंड स्लैम रिकॉर्ड प्रभावशाली 52-10 पर है, जो इस मेजर टूर्नामेंट में उनके निरंतर अच्छे प्रदर्शन को दर्शाता है। वह अब उन सात स्पैनिश खिलाड़ियों में शामिल हो गए, जिसने रोला गैरों पर विजेता की ट्रॉफी उठाई है। अल्काराज के कोच जुआन कार्लोस फेरेरो ने भी 2003 में पेरिस में यह खिताब जीता था। 2014 के बाद फाइनल में नहीं खेले नडाल, जोकोविच, फेडरर विश्व नंबर तीन अल्काराज और विश्व नंबर चार ज्वेरेव पहली बार फ्रेंच ओपन के फाइनल में खेले थे। इसके अलावा 2004 के बाद ऐसा पहली बार हुआ है जब फ्रेंच ओपन के फाइनल में रोजर फेडरर, राफेल नडाल और नोवाक जोकोविच नहीं खेल पाए। नडाल इस बार पहले दौर में ज्वेरेव से हार गए थे।

न्यूज ब्रीफ

ब्रैंडन मैकमुलेन ने खेली धांसू पारी, स्कॉटलैंड ने ओमान को रौंदकर दर्ज की लगातार दूसरी जीत

नई दिल्ली। स्कॉटलैंड ने अपने बल्लेबाजों के दम पर टी20 विश्व कप में ओमान को सात विकेट से हरा दिया। यह स्कॉटलैंड की प्रतियोगिता में दूसरी जीत है। वहीं ओमान की लगातार तीसरी हार है। बल्लेबाजी करने उतरी ओमान की टीम लड़खड़ाती नजर आई। टीम के आरंभिक बल्लेबाज प्रतीक अठावले (54) ने अर्धशतकीय पारी खेल कर पारी को संभालने का काम किया है। वहीं, अयान खान की 39 गेंदों में 41 रनों की पारी की बदौलत ओमान ने 20 ओवर में सात विकेट पर 150 रन बनाए। स्कॉटलैंड की ओर से सफयान शरीफ ने सबसे ज्यादा दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए स्कॉटलैंड के बल्लेबाजों ने शानदार शुरुआत की और पावरप्ले में ही 50 रन जोड़ लिए। हालांकि इस दौरान जार्ज (41) और जोंस (16) रन बनाकर आउट होकर पवेलियन लौट गए। लेकिन तीसरे स्थान पर आए ब्रैंडन मैकमुलेन ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करके 10 ओवर से पहले ही टीम को 100 के पार पहुंचा दिया। इसके बाद मैकमुलेन ने अविजित 61 रन की पारी खेल स्कॉटलैंड को 13.1 ओवर में ही जीत दिलाने का काम किया। ओमान की ओर से बिलाल, अकीब और मेहरान ने एक-एक विकेट चटकाए। मैकमुलेन को बेहतरीन बल्लेबाजी के लिए प्लेयर आफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। संक्षिप्त स्कोर ओमान 150/7 (20 ओवर) प्रतीक 54, सफयान 2/40, स्कॉटलैंड 153/3 (13.1 ओवर) मैकमुलेन 61*, बिलाल 1/12 था।

आईपीएल से बाहर रहने का लाभ मिल रहा : जंपा

ब्रिजटाउन । ऑस्ट्रेलियाई टीम के स्पिनर एडम जंपा ने कहा है इस साल आईपीएल नहीं खेलने का उनका

फैसला सही रहा, इसका लाभ अब उन्हें मिल रहा है। जंपा का मानना है कि इसी कारण उन्हें टी20 विश्वकप की तैयारियों के लिए भी पर्याप्त समय मिला। इसके साथ ही उनकी फिटनेस भी बेहतर हुई। जिससे वह अब तक विश्वकप में अच्छा प्रदर्शन कर पाये हैं। जंपा का मानना है कि आईपीएल से बाहर रहने के कारण ही वह अपने परिवार के साथ समय बिता पाये हैं। जम्पा ने इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबल में अच्छी गेंदबाजी की थी। जम्पा ने कहा, 'निश्चित तौर पर विश्व कप को ध्यान में रखते हुए आईपीएल से हटने का मेरा फैसला पूरी तरह से सही रहा। आईपीएल से पहले मैं काफी थका हुआ महसूस कर रहा था तथा मैं पूरी तरह से फिट भी नहीं था। इसके अलावा मैं परिवार के साथ समय बिताना चाहता था। मेरा मानना है कि परिवार को काम से अधिक प्राथमिकता दी जानी चाहिये। उन्होंने कहा, 'खेल में मैं थोड़ा धीमी शुरुआत करने वाला व्यक्ति हूं और इस कारण मुझे थोड़ी अधिक मेहनत करनी होती है पर अब मैं अब पूरी तरह से फिट हूं और आराम से गेंदबाजी कर रहा हूं।

भारतीय महिला हॉकी टीम को ब्रिटेन से मिली 2-3 से हार, लगातार आठवां मैच हारी टीम इंडिया

लंदन । भारतीय महिला हॉकी टीम को अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) प्रो लीग में ग्रेट ब्रिटेन से 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम की यह लगाता आठवीं हार है। भारतीय टीम ने मैच में ज्यादातर समय अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन बावजूद इसके टीम को अंततः हार झेलनी पड़ी। मेजबान टीम की ग्रेस बाल्डसन ने 56वें और 58वें मिनट में दो गोल कर भारत के हाथ से जीत छीन ली। एक वीडियो रिव्यू सहित दो फैसले के कारण कोच हरेंद्र सिंह काफी हताश भी हुए। एक समय स्कोर 2-2 से बराबरी पर था और अंतिम हूटर बजने ही वाला था कि ग्रेस ने दमदार हिट के साथ गोल कर दिया। यह वहीं ग्रेस हैं जिन्होंने तीन साल पहले टोक्यो ओलंपिक में भारत के खिलाफ विजयी गोल दागा और अपनी टीम को कांस्य पदक दिलाया था। ग्रेस के गोल से कोच हरेंद्र के मार्गदर्शन में टीम का पहली जीत के लिए इंतजार और बढ़ गया। वाटसन ने तीसरे मिनट में गोल कर ब्रिटेन को बढ़त दिलाई लेकिन लालरेमसियामी ने 14वें मिनट में गोल दागकर 1-1 की बराबरी दिला दी थी। उसके बाद नवनीत कौर ने 23वें मिनट में भारत को 2-1 से आगे किया था।

भारत ने टी-20 में अपना सबसे छोटा टोटल डिफेंड किया

हार्दिक पंड्या पाकिस्तान के खिलाफ सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय

नई दिल्ली ।
भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान पर 6 रन की रोमांचक जीत दर्ज की। न्यूयॉर्क के नसाउ काउंटी क्रिकेट स्टेडियम में टीम इंडिया ने टॉस हारकर बैटिंग करते हुए 119 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 113 तक ही पहुंच सकी।

इस मैच में टीम इंडिया ने टी-20 इंटरनेशनल में अपना सबसे छोटा स्कोर डिफेंड किया। 2016 में टीम इंडिया ने हरारे में जिम्बाब्वे के खिलाफ 138 रन डिफेंड किए थे। भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या पाकिस्तान के खिलाफ सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बन गए।

1. भारत ने अपना सबसे छोटा टारगेट डिफेंड किया

भारतीय टीम ने टी-20 क्रिकेट में अपना सबसे छोटा स्कोर डिफेंड किया है। टीम ने पहली पारी में 119 रन बनाकर पाकिस्तान को 120 रन का टारगेट दिया और जीत हासिल की। इंडिया ने 2016 में हरारे के मैदान पर जिम्बाब्वे के खिलाफ 138 रन का सफल बचाव किया था। टीम ने 139 रन का टारगेट देते हुए जिम्बाब्वे को लक्ष्य पर पहुंचने से रोक दिया।

2. टी-20 वर्ल्ड कप में दूसरी बार सबसे कम स्कोर डिफेंड हुआ

टी-20 वर्ल्ड कप में दूसरी बार 119 रन या इससे कम का स्कोर डिफेंड हुआ। भारतीय टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ 120 रन का टारगेट डिफेंड किया। श्रीलंका 2014 वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड के खिलाफ 120 रन का टारगेट डिफेंड कर चुका है। यह मुकाबला चटगांव में हुआ था। इसी साल श्रीलंका वर्ल्ड कप भी जीता था।

3. पाकिस्तान के खिलाफ पहली बार ऑलआउट भारत

भारत टी-20 इंटरनेशनल में पाकिस्तान के खिलाफ पहली बार ऑलआउट हुआ। इतना ही नहीं, टीम इंडिया ने पाकिस्तान के खिलाफ टी-20 का सबसे छोटा स्कोर बनाया। इसके बावजूद टीम को जीत मिली।

इससे पहले टीम ने सबसे छोटा स्कोर साल 2012 में बनाया था। तब पाकिस्तान के खिलाफ बेंगलुरु के मैदान पर भारतीय टीम ने 9 विकेट पर 133 रन बनाए थे, लेकिन तब भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा था।

4. टी-20 वर्ल्ड कप में पहली बार शाहीन के पहले ओवर में सिक्स

मैच के पहले ही ओवर में रोहित शर्मा ने शाहीन अफरीदी के खिलाफ सिक्स लगा दिया। टी-20 वर्ल्ड कप में पहली बार शाहीन अफरीदी जब पहला ओवर लेकर आए तो उन्हें सिक्स लगाया। शाहीन ने 14 वर्ल्ड कप मैचों में शाहिन जब भी पहला ओवर लेकर आए, उन्हें कोई अन्य बल्लेबाज सिक्स नहीं लगा सका है।

5. दूसरा सबसे छोटा स्कोर चेज नहीं कर सकी पाकिस्तान

पाकिस्तान क्रिकेट टीम दूसरा सबसे छोटा स्कोर चेज नहीं कर सकी। भारत ने 120 रन का टारगेट दिया था, लेकिन पाकिस्तान 113 रन ही बना सका। जिम्बाब्वे इस रिकॉर्ड में टॉप पर है। साल 2021 में जिम्बाबवे ने पाकिस्तान के खिलाफ 119 रन का टारगेट डिफेंड कर लिया था।

6. पंड्या पाकिस्तान के खिलाफ सबसे ज्यादा टी-20 विकेट लेने वाले भारतीय

भारतीय टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या टी-20 क्रिकेट में पाकिस्तान के खिलाफ सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने भुवनेश्वर कुमार को पीछे छोड़ा। भुवनेश्वर कुमार टी-20 क्रिकेट में 11 पाकिस्तानी बैटर्स को आउट किया है।

हार्दिक ने पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में 3 विकेट चटकाए। उन्होंने पाकिस्तान की पारी के 13वें ओवर में फखर जमान का विकेट लेकर भुवी का रिकॉर्ड तोड़ा।

पेरिस ओलंपिक में पदक जीतने का प्रयास करेंगे अमित पंघाल

नई दिल्ली ।
भारतीय मुक्केबाज मुक्केबाज अमित पंघाल का लक्ष्य अब पेरिस ओलंपिक में पदक जीतना रहेगा। पेरिस ओलंपिक के लिए टिकट मिलने के बाद से ही वह अभ्यास में लगे हुए हैं। पंघाल ने एशियाई खेलों और एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक और विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीता है।

पेरिस ओलंपिक के प्री-क्वार्टर फाइनल से बाहर होने के बाद से ही वह निराश थे। तब भारतीय मुक्केबाजी संघ (बीएफआई) की मूल्यांकन प्रणाली के आधार पर उनकी जगह टीम में बनती नहीं दिखी। इस दौरान हो रही आलोचनाओं से भी उनका मनोबल गिरा। पंघाल ने कहा कि इस दौरान उन्होंने अपना हौंसला बनाये रखा।

ऐसे कठिन समय में कोच अनिल धनखड़ ने उनका समर्थन किया। पंघाल ने कहा, 'उस समय कुछ अच्छा नहीं लगता था क्योंकि आप खेलना चाहते हैं और आपको खेलने का अवसर नहीं मिल पा रहा था।'' पंघाल को तब अवसर मिला जब दीपक भोरिया दो प्रयासों के बाद भी 51 किग्रा में ओलंपिक कोटा हासिल नहीं कर पाये। पंघाल को अंतिम क्वालीफाइंग स्पर्धा के लिए चुना गया और उन्होंने इसमें जीत हासिल कर ओलंपिक टिकट हासिल किया। इस मुक्केबाज को पिछले तीन साल में सीमित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के कारण कई पहलुओं पर काम करना पड़ा। उन्हें प्रतियोगिता से केवल एक महीने पहले ही अपने चयन के बारे में पता चला था। उन्होंने कहा, ''मैंने हर चीज पर काम किया। मैंने शरीर को आराम देने पर काम किया क्योंकि मुकाबलों के बीच आराम काफी जरुरी होता है।

भारत में तेजी से सामने आ रहीं बैडमिंटन प्रतिभाएं बीडब्ल्यूएफ

नई दिल्ली ।
विश्व बैडमिंटन की वैश्विक संचालन संस्था (बीडब्ल्यूएफ) के प्रमुख पॉल-एरिक होयर ने कहा है कि भारत में तेजी से बैडमिंटन की प्रतिभाएं सामने आ रही हैं। ऐसे में अगले साल भारत में होने वाले विश्व जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप में रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगी। होयर ने कहा, ''भारत में तेजी से बैडमिंटन में बेहतरीन प्रतिभाएं सामने आ रही हैं, ऐसे में विश्व जूनियर प्रतियोगिता का दूसरी बार भारत में आयोजन और भी अहम है।'' उन्होंने कहा, ''बीएआई के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र बैडमिंटन में सभी अत्याधुनिक सुविधाएं है और ऐसे में यह उभरती हुई प्रतिभाओं के लिए टीम और व्यक्तिगत खिताब के लिए चुनौती पेश करने का बेहतरीन स्थान होगा। विश्व जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप 2025 में भारत में होगी। इसका आयोजन गुवाहाटी में राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में किया जाएगा। (बीडब्ल्यूएफ ने कहा कि करीब 15 साल बाद ये चैंपियनशिप भारत में होने जा रही है। इससे पहले साल 2008 में इसका आयोजन भारत में हुआ था।

भारत और कतर : फीफा विश्वकप क्वालिफायर मैच में छेत्री का स्थान लेंगे गुरप्रीत, कतर के खिलाफ होंगे कप्तान

नई दिल्ली ।
अंतरराष्ट्रीय फुटबाल को अलविदा कह चुके सुनील छेत्री की बतौर कप्तान जगह गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू लेंगे। फीफा विश्वकप क्वालिफायर में भारत का सामना 11 जून को कतर के साथ होना है। कतर ग्रुप में शीर्ष पर है और तीसरे दौर में जगह बना चुका है। वहीं, भारत को तीसरे दौर में जगह बनाने के लिए कतर को हराना होगा, जो आसान काम नहीं है।

भारतीय टीम के क्रोएशियाई कोच इगोर स्टिमेच ने कहा कि छेत्री के स्थान पर कप्तानी देने के लिए ज्यादा दिमाग लगाने की जरूरत नहीं थी। छेत्री के बाद गुरप्रीत सबसे अनुभवी फुटबालर हैं। वह 71 मैच खेल चुके हैं। कतर के खिलाफ मुकाबले के लिए स्टिमेच पहले ही 23 सदस्यीय टीम की घोषणा कर चुके हैं।

भारत के लिए यह मुकाबला करो या मरो वाला है। भारत अगर कतर से पराजित होता है तो क्वालिफायर से बाहर हो जाएगा। फिर से एशियाई चैंपियनशिप के लिए क्वालिफाई करने के लिए अलग से संघर्ष करना होगा। मुकाबला ड्रॉ रहता है तो भारत को कुवैत और अफगानिस्तान के परिणाम पर निर्भर रहना होगा। ये दोनों टीमें भी ड्रॉ खेलती हैं तो भारत बेहतर गोल औसत के आधार पर तीसरे दौर में प्रवेश कर जाएगा। अफगानिस्तान ने भी पिछला मैच कतर से गोल रहित ड्रॉ खेला है।

भारतीय हॉकी टीम ने बेहतरीन टीम वर्क दिखाया : हरमनप्रीत

नई दिल्ली ।
भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने 16 मैचों में 24 अंकों के साथ एफआईएच प्रो लीग 2023-24 में अपने अभियान का अंत किया। इसमें 5 जीत, 5 हार और छह ड्रॉ शामिल हैं। वर्तमान में भारत अंक तालिका में चौथे स्थान पर है।

इस टूर्नामेंट में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, भारत, नीदरलैंड, जर्मनी, ग्रेट ब्रिटेन, स्पेन और आयरलैंड सहित 9 टीमों ने भाग लिया।

एफआईएच प्रो लीग 2023-24, तीस जून तक जारी रहेगा लेकिन भारत ने अपना 16वां और अंतिम मैच खेला, जिससे उसके एक प्रतिस्पर्धी और महत्वपूर्ण सीजन का समापन हुआ।

टीम के प्रदर्शन पर कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा, एफआईएच प्रो लीग 2023-24 हमारे लिए एक अविश्वसनीय यात्रा रही है। नीदरलैंड

2-2 (4-2 शूटआउट), अर्जेंटीना (5-4) और जर्मनी (3-0) जैसी मजबूत टीमों के खिलाफ हमारी कुछ जीत हमारी टीम की कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प को उजागर करती है। हमने पूरे टूर्नामेंट में अच्छा टीम वर्क दिखाया है।

भारत के कप्तान एक स्टार परफॉर्मर के रूप में उभरे और भारत के लिए टूर्नामेंट में शीर्ष स्कोरर रहे। अपने नाम 12 गोल के साथ, वह वर्तमान में ऑस्ट्रेलिया के ब्लेक गोवर्स और नीदरलैंड के जिप जानसेन के साथ टूर्नामेंट के संयुक्त प्रमुख गोल करने वाले खिलाड़ी भी हैं।

हरमनप्रीत ने आगामी 2024 पेरिस ओलंपिक की तैयारी के लिए इस टूर्नामेंट के महत्व पर भी जोर दिया।

उन्होंने कहा, यह लीग हमारी ताकत और सुधार के क्षेत्रों को समझने में हमारी मदद करने में महत्वपूर्ण रही है। शीर्ष स्तरीय टीमों के साथ प्रतिस्पर्धा करने से हमें अपने खेल के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिली है। अब हम जानते हैं कि हम कहां खड़े हैं और वैश्विक मंच पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए हमें किन चीजों पर काम करने की जरूरत है।

अब भारत बैंगलोर में एक शिविर के लिए लौटने से पहले एक छोटा ब्रेक लेगा, जहां वह अपनी रणनीतियों को बेहतर बनाने और प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेगा।

कप्तान ने कहा, हमने अपने खेल के उन विशिष्ट पहलुओं की पहचान की है, जिन पर ध्यान देने की आवश्यकता है और आगामी शिविर उन क्षेत्रों पर काम करने में महत्वपूर्ण होगा। हमारा लक्ष्य अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाना और यह सुनिश्चित करना है कि हम पेरिस ओलंपिक के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

मोलर गर्भधारण बन सकता है समस्या का कारण

मोलर गर्भधारण, गर्भावस्था की एक दुर्लभ समस्या को कहा जाता है। यह समस्या गर्भाधान के दौरान निषेचन में किसी प्रकार की गलती या कमी रह जाने के कारण उत्पन्न होती है, जिस कारण से नाल का निर्माण करने वाली कोशिकाओं में खराबी आ जाती है।

मोलर गर्भधारण मोलर गर्भाधान को कभी-कभी हाइडेटिडिफॉर्म मोल भी कहा जाता है। जो कि गेस्टेशनल ट्रोफोब्लास्टिक ट्यूमर्स नाम की कई स्थितियों के समूह का एक हिस्सा होता है। सामान्यतः ये हानिकारक नहीं होते हैं। यह गर्भाशय से आगे तक भी फैल सकते हैं। हांलाकि इनका अपचार किया जा सकता है। भ्रूण के विकास में आने वाली समस्या गर्भधारण की दर को कम करने वाली विकृति में मोलर गर्भधारण भी एक है। यह समस्या आमतौर पर गर्भाधान के दौरान निषेचन में किसी प्रकार की त्रुटि होने पर उत्पन्न होती है। मोलर गर्भाधान हाइडेटिडिफॉर्म मोल के नाम से भी जाना जाता है। सामान्य गर्भावस्था में निषेचित अंडे में पिता और मां दोनों के 23-23 क्रोमोजोम मौजूद होते हैं। लेकिन, एक संपूर्ण मोलर गर्भाधान में निषेचित अंडे में माता का कोई क्रोमोजोम नहीं होता, किंतु पिता के शुक्राणुओं की संख्या दोगुनी हो जाती है। जिस कारण से पिता के क्रोमोजोम की संख्या भी दुगुनी हो जाती है। ऐसा होने पर निषेचित हुए अंडे में माता का एक भी क्रोमोजोम नहीं होता पर पिता के क्रोमोजोम के 2 सेट आ जाते हैं।

जानें कुछ और ऐसी ही महत्वपूर्ण बातें

- मोलर गर्भधारण की स्थिति में महिला का कोई क्रोमोसोम निषेचित अंडे में मौजूद नहीं होता और पुरूष के शुक्राणुओं की संख्या अधिक होने से क्रामोजोम की संख्या दुगुनी हो जाती है।
- मोलर गर्भधारण होने पर त्रुटिपूर्ण ऊतकों का गुच्छा बनने लगता है जो कि अल्ट्रासाउंड में आसानी से दिखाई देता है।
- बी रक्त वाली महिलाओं में मोलर गर्भधारण की आशंका ज्यादा होती है।
- मोलर गर्भधारण में शुरूआती अवस्था सामान्य गर्भधारण के लक्षणों जैसी ही होती है लेकिन कुछ समय के अंतराल के बाद रक्तस्राव होने लगता है।
- गर्भावस्था में रक्तस्राव हमेशा किसी गंभीर रोग का लक्षण नहीं होता, पर यह मोलर गर्भधारण का लक्षण हो सकता है।
- मोलर गर्भधारण के बारे में आप अल्ट्रासाउंड स्कैन के माध्यम से पता कर सकते है।
- मोलर गर्भधारण का पता रक्तजांच के माध्यम से एचसीजी स्तर पता करके भी लगा सकते हैं। ऐसे में एचसीजी स्तर अधिक तेजी से बढ़ने लगता है।
- मोलर गर्भधारण के दौरान 6 से 16वें हफ्ते के बीच रक्त स्राव शुरू हो जाता है और उल्टियां आने लगती हैं, उदर में सूजन आना इत्यादि लक्षण भी दिखाई देने लगते हैं।
- मोलर गर्भधारण का पता चलने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।
- मोलर गर्भधारण में त्रुटिपूर्ण ऊतकों को हटाया जाता है जिसके लिए डी एंड सी (डायलेशन एंड क्युरेटेज) शल्य-चिकित्सा की जाती है या फिर दवाईयों के जरिए भी इसे दूर किया जा सकता है।
- इलाज के बाद दोबारा मोलर गर्भधारण न हो, इसके लिए लगभग 6 महीने तक निगरानी रखना आवश्यक है।
- मोलर गर्भधारण के इलाज के दौरान दोबारा गर्भधारण के लिए कुछ समय का अंतराल जरूरी है। जैसे 6 महीने तक लगातार जांच उसके बाद डॉक्टर की सलाह पर ही पुनः गर्भधारण की सोचें।

कैसी हो पानी की बोतल...

अक्सर लोग बोतल से पानी पी लेते हैं तो कुछ लोग प्लास्टिक के गिलास में पानी पीते हैं। बोतल और गिलास में बहुत वैराइटी आती है। आज हम आपको बताएंगे कि कौन सी बोतल पानी पीने के लिए हेल्दी हैं। बीपीए यानी बिसफेनोल ए एक खतरनाक रसायन है जो कि पानी के साथ मिलकर काफी नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए जब भी आप प्लास्टिक की बोतल खरीदें तो इस बात का ध्यान रखें की आपकी बोतल बीपीए मुक्त हो। कांच की बोतल को नैचुरल चीजों जैसे लाइम और रेत से बनाया जाता है। इसलिए कांच की बोतल का इस्तेमाल ज्यादा बेहतर विकल्प हो सकता है। कांच की बोतल में पानी कितने ही दिन तक रखें लेकिन पानी का स्वाद नहीं बदलता जबकि प्लास्टिक की बोतल में पानी का स्वाद बदल जाता है। सूरज की किरणों से प्लास्टिक की बोतल में मौजूद रसायन काफी जल्दी पानी में मिल जाता है। ऐसे में प्लास्टिक की बोतल में पानी है तो उसे धूप से बचाएं। प्लास्टिक की बोतल को यदि ठीक से साफ ना किया जाए तो उसमें जीवाणु पैदा हो जाते हैं। वैसे भी प्लास्टिक से ज्यादा कांच की बोतल साफ करना ज्यादा आसान होता है। छोटे बच्चों को भी कांच की बोतल से ही दूध पिलाना बेहतर होता है। यूं तो कांच की बोतल टूटने का डर बरकरार रहता है। ऐसे में आप ऐसी कांच की बोतल लें जिस पर सिलिकॉन की एक परत चढ़ी हो जो कांच को जल्दी टूटने से बचाती हैं। प्लास्टिक की बोतल को साफ करने के लिए कड़े क्लीनर्स का इस्तेमाल न करें। खासतौर पर उन बोतलों को जिनमें पॉलीकार्बोनेट हो क्योंकि इससे पॉलीकार्बोनेट जल्दी टूटता हैं। गर्म पानी या तरल पदार्थों को प्लास्टिक की बोतलों में न रखें क्योंकि प्लास्टिक की बोतल में मौजूद रसायन इनमें मिक्स हो जाता है जिससे तरल पदार्थ खराब होने की आशंका रहती है। हर तरह की प्लास्टिक की बोतल को दोबारा इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। जैसे कोल्ड ड्रिंक्स की बोतल, मिनरल पानी की बोतल। यदि आप गौर करेंगे तो इन बोतलों के नीरे सिरे पर एक त्रिकोण बना होता है जिस पर 1 लिखा होता है। इसका मतलब है कि इस बोतल का इस्तेमाल सिर्फ एक बार हो सकता है। इन बोतलों का दोबारा इस्तेमाल करने से आप बीमारियों को बुलावा दे रहे हैं।

घर और रिश्तों की परिभाषा बदली...

एक वक्त था जब लड़कियों की दुनिया शादी और शौहर के साथ जिंदगी बिताने के ख्वाबों में जाकर खत्म हो जाया करती थी। लेकिन यह वक्त दूसरा है और लड़कियों के ख्वाब दूसरे। इन दिनों दुनिया में अविवाहित महिलाओं की तादाद तेजी से बढ़ी है। यह ट्रेंड एशिया के देशों सहित तमाम मुल्कों में देखने को मिल रहा है। अविवाहित महिलाओं ने घर और रिश्तों की परिभाषा को ही बदल दिया है।

ताइवान की नई नेता त्साई इंग-वेन पर चीन की सरकारी मीडिया में लिखे गए एक लेख पर बवाल मच गया है। लेख में कहा गया है कि शादीशुदा न होने के कारण त्साई इंग-वेन की काम करने की शैली उग्र है। इसके बाद सोशल मीडिया पर लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। लेख में कहा गया है कि वेन पर परिवार का भावनात्मक बोझ नहीं है इसलिए उनके काम करने की आक्रामक शैली है। कई महिलाएं त्साई की दृढ़ता और जोश की वजह से उनकी प्रशंसक हैं, खास कर इस तथ्य को लेकर भी कि वो बहुत मजबूत और आजाद महिला हैं और उन्हें किसी ऐसे पुरुष की जरूरत नहीं जो उनपर शासन करे। वास्तव में एशिया में महिलाओं का शादी से भागने का एक कारण यह भी है कि यहां एक शादीशुदा कामकाजी महिला के लिए ज्यादा मुश्किलें होती हैं। महिलाओं की प्राथमिकता अपने पति, उसके बुजुर्ग माता-पिता और बच्चों का ध्यान रखना होती है। काम के साथ-साथ उनसे यह भी उम्मीद की जाती है कि वे अपने इस रोल को भी कामयाबी के साथ निभाएं। वैसे तो यह दुनिया की हर महिला की परेशानी है, लेकिन एशियन महिलाओं पर यह बोझ ज्यादा लाद दिया जाता है।

आजादी का सेलिब्रेशन

अविवाहित महिलाओं ने घर और रिश्तों की परिभाषा को ही बदल दिया है। पैसिफिक माइक्रेमार्केटिंग नामक अनुसंधान संस्था के अनुसार ज्यादा से ज्यादा महिलाएं जीवन भर अविवाहित रहने का फैसला कर रही हैं। ऐसे में बाजार और सरकार दोनों को यह स्वीकार करना होगा कि घर का मतलब अब पति-पत्नी और बच्चे नहीं रह गया है। शादी न करने का एक कारण यह भी है कि एशियन महिलाएं अपनी आजादी को इंजॉय करने लगी हैं। वे अपनी आजादी को सेलिब्रेट करने लगी हैं, पर इससे कई सामाजिक समस्याएं भी पैदा होने लगी हैं। अगर पश्चिमी देशों से तुलना की जाए तो एशिया के देश अपनी पेंशन और सोशल प्रोटेक्शन में बहुत कम इन्वेस्ट करते हैं। वे यह कल्पना कर लेते हैं कि बुढ़ापे या बीमार पड़ने पर उनका परिवार उनकी देखभाल कर लेगा। अब इस बात को इतनी आसानी से नहीं लिया जा सकता है। शादियों की संख्या में कमी आने से बर्थ रेट में भी गिरावट आई है। ईस्ट एशिया में 1960 के दौरान प्रत्येक महिला के 5.3 बच्चे होते थे जो कि अब 1.6 रेश्यो है। जिन देशों में शादियों की संख्या में गिरावट हो रही है, वहां फर्टिलिटी रेट 1.0 है। शादी करने से कोई भी व्यक्ति ज्यादा सोशल बनता है, लेकिन शादियों में कमी आने से सामाजिक व्यवहार में भी बदलाव आता है। शादियों में कमी से क्राइम रेट में इजाफा होता है। शादी होने से व्यक्ति फैमिली के साथ जुड़ा रहता है।

क्या बदलाव की गुंजाइश है ?

एशियाई देशों की सरकारों को अब इस भूल में नहीं जीना चाहिए कि उनके यहां फैमिली लाइफ पश्चिमी देशों से बेहतर है क्योंकि उनका यह भ्रम कभी भी टूट सकता है। दरअसल एशियाई देशों में जिस तरह से तेजी से सामाजिक बदलाव हो रहे हैं उससे इन देशों को अब संभलने की जरूरत है और इन बदलावों से कैसे निपटा जाए, सोचने की जरूरत है। क्या एशिया में शादियां दोबारा प्रचलन में आ सकती हैं? कुछ रास्ते हैं, जिनसे ऐसा हो सकता है। इसके लिए सरकार को भी कानून बनाने पड़ेंगे। महिलाएं शादी में तभी बंधना चाहेंगी जब उन्हें पता होगा कि अगर शादी काम नहीं करती तो वह इससे कभी भी आजादी पा सकती हैं। परिवार कानून के अंतर्गत तलाक लेने वाली महिला को संपत्ति का अच्छा खासा शेयर मिले। एशियाई देशों की सरकारों को ऐसे कानून बनाने चाहिए, जिसमें वे अपने कर्मचारियों को मेटरनल के साथ-साथ पेटरनल लीव भी दें। यानी बच्चे के पैदा होने के बाद मां के साथ-साथ पिता को भी छुट्टियां मिलें, जिससे पति-पत्नी दोनों मिलकर बच्चे की देखभाल कर सकें। इन कोशिशों से फैमिली लाइफ को प्रमोट करने में काफी मदद मिलेगी और महिलाओं के ऊपर से अतिरिक्त बोझ भी थोड़ा कम होगा।

महंगाई भी बनी वजह

अविवाहित महिलाओं की बढ़ती संख्या के पीछे लगातार बढ़ती महंगाई, नौकरी की अस्थिरता और आज की चमक-धमक वाली लाइफ स्टाइल भी है, जिसे शादी करके और परिवार बढ़ाकर मेंटेन करना बहुत मुश्किल है। यह आर्थिक जिम्मेदारी को बढ़ाने वाला काम है। अर्थशास्त्री कहते हैं कि कई युवक और युवतियां मकानों की बढ़ती कीमतों, घरों के बढ़ते किराए और महंगाई के चलते शादी की जिम्मेदारी उठाने से बचते हैं। वे अकेले रहकर ज्यादा पैसा जोड़ना चाहते हैं और इस तरह शादी की उम्र बीतती रहती है।

सामाजिक कारण भी

सामाजिक कार्यकर्ता मानते हैं कि महिलाओं के शादी देर से करने के पीछे मुख्य वजहों में से एक सामाजिक स्थितियां भी हैं। उनके मुताबिक शादी की महंगी आलीशान पार्टियां, शादी के बाद बढ़ने वाला खर्च और करियर को बिना किसी रोक-टोक को आगे ले जाने की इच्छा ने लड़कियों में शादी के प्रति गंभीरता को खत्म कर दिया है। मनोवैज्ञानिक महिलाओं के भीतर शादी के प्रति इस नीरसता के पीछे कई मनोवैज्ञानिक कारणों को गिनाते हैं। वे कहते हैं कि आज के हाईटेक होते समाज में इस तरह की मानसिकता स्त्री और पुरुषों दोनों में ही सामान्य है।

भारत में भी सिंगल पेरेंट

इक्कीसवीं सदी में शब्दकोश में सिंगल पेरेंट के नाम से एक नया शब्द जुड़ गया है। भारत में भी सिंगल पेरेंट का रिवाज बड़ी तेजी से बढ़ रहा है। पहले बीमारी, युद्ध, मृत्यु के कारण सिंगल पेरेंट होना विवशता थी। तब विधवा या विधुर बच्चों का पालन करते थे। बच्चे वाली विधवा या बच्चे वाले विधुर को सिंगल पेरेंट के नाम से नहीं पुकारा जाता था। पहले कुंआरी मां की कल्पना भी नहीं की जाती थी, सभ्य समाज में कुंआरी मां बहुत घृणात्मक शब्द गिना जाता था, परंतु अब यह एक सामान्य शब्द है। अब इसे पसंद किया जाने लगा है। केवल इतना ही नहीं, अब तो यह रिवाज और स्टेटस सिंबल बन गया है। वैसे तो उस समय कोई कुंआरी मां नहीं थी, यदि होती भी तो ऐसी महिला को कोई किराए पर भी मकान नहीं देता था। यही स्थिति कुंआरे पुरुष की भी थी, परंतु अब समय बदल गया है। उस समय केवल विवाहित दंपती को ही बच्चे पैदा करने का अधिकार था। पति-पत्नी दोनों मिल कर बच्चों का पालनपोषण करते थे। पहले जब 2 विवाहित महिलाएं मिलती थीं, एक महिला अपने लड़के की ओर संकेत करती हुई कहती थी, इस के पिता बाहर गए हुए हैं, कहना नहीं मानता तथा बहुत परेशान करता है। कहने का तात्पर्य है कि माता-पिता दोनों मिल कर ही बच्चों का पालनपोषण करने में समर्थ थे, अकेले नहीं। यद्यपि माता की गरिमा पृथ्वी से भी भारी है तो पिता का सम्मान आकाश से भी उच्चतर है। इस के विपरीत अब सिंगल मदर सहर्ष फुलटाइम काम भी करती है तथा बच्चों को पालती भी है।

भारत की स्थिति

जनगणना के आंकड़ों के अनुसार, भारत में अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या में 39 फीसदी की वृद्धी हुई है। वर्ष 2001 में अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या 51.2 मिलियन पाई गई थी जबकि 2011 के आंकड़ों के अनुसार यह आंकड़े बढ़ कर 71.4 मिलियन हुए हैं। अकेली रहने वाली महिलाओं में विधवाएं, तलाकशुदा महिलाएं, अविवाहित एवं पति से अलग रहने वाली महिलाएं शामिल हैं। एकल महिलाओं की संख्या में वृद्धि की कारण पति की मृत्यु होना, पति से अलग होना एवं तलाक लेना है। 20 से 24 की आयु वर्ग की महिलाओं (16.9 मिलियन) में अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या 23 फीसदी है। यह आंकड़े संकेत है कि देश में लड़कियों की विवाह की उम्र और उपर हुई है। जनगणना के आंकड़ों के अनुसार 1990 में जहां लड़कियों की शादी की आयु 19.3 वर्ष थी वहीं 2011 में यह बढ़ कर 21.2 वर्ष हुई है। 20 से 24 वर्ष के आयु वर्ग के बाद सबसे अधिक अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या 60 से 64 के आयु वर्ग में है। 2011 के आंकड़ों के मुताबिक इस वर्ग में अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या सात मिलियन है। 2001 से 2011 के बीच 25 से 29 वर्ष के आयु वर्ग में अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या में सबसे अधिक वृद्धि (68 फीसदी) देखी गई है, वहीं 20 से 24 आयु वर्ग में अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या 60 फीसदी दर्ज की गई है। यह आंकड़े निश्चित तौर पर विवाह व्यवस्था में विकार का संकेत देती है। ग्रामीण इलाकों में विधवाओं की संख्या, 29.2 मिलियन, सबसे अधिक दर्ज की गई है। वहीं अविवाहित महिलाओं की संख्या 13.2 मिलियन पाई गई है। शहरी इलाकों में भी स्थिति कुछ ऐसी ही है। यहां भी विधवा महिलाओं की संख्या सबसे अधिक, 13.6 मिलियन है जबकि अविवाहित महिलाओं की संख्या 12.3 मिलियन दर्ज की गई है। देश के ग्रामीण इलाकों में करीब 44.4 अकेले रहने वाली महिलाएं रहती हैं यानी देश की 62 फीसदी अकेले रहने वाली महिलाएं ग्रामीण क्षेत्र से हैं। हालांकि शहरी इलाकों के मुकाबले ग्रामीण क्षेत्रों में अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या अधिक है, शहरों में अकली रहने वाली महिलाओं की संख्या में 58 फीसदी वृद्धि दर्ज की गई है। आंकड़ों के मुताबिक 2001 में शहरी इलाकों में ऐसी महिलाओं की संख्या 17.1 मिलियन थी जबकि 2011 में यह बढ़ कर 27 मिलियन हुए हैं।

चीन की स्थिति

चीन के शहरों में अविवाहित महिलाओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है। चीन में तेज आर्थिक प्रगति के बीच महिलाओं का वित्तीय विकास तेजी से हो रहा है। इस बीच ऐसी महिलाओं की संख्या भी बढ़ रही है जो शादी करने की बजाए अकेले जिंदगी गुजारना पंसद करती हैं। आर्थिक तरक्की के बीच महिलाओं को स्वतंत्र होकर रहने के बढ़ते चलन के बीच यहां के पारंपरिक समाज में उन्हें दोयम दर्जे का नागरिक माना जाता है। जनगणना के मुताबिक शंघाई में पांच लाख से अधिक अविवाहित महिलाएं हैं, जिनकी उम्र 20 से 50 साल के बीच है। एक शोधकर्ता का कहना है, चीन के समाज में अब भी अविवाहित महिलाओं को 'एलियन' माना जाता है। यहां का मीडिया भी 30 पार कर चुकी अवविवाहित महिलाओं को अकेला करार देता है। युवा अविवाहित महिलाएं अब समाज में प्रचलित अपमानजनक लेबल शेंग नू या लेफ्टओवर वुमन को सख्ती से नकार रही हैं। वे साफ कर रही हैं कि अविवाहित महिलाएं कैसे अपनी सफलता और आत्मनिर्भरता का आनंद ले रही हैं। अपनी पहचान को केवल शादी से जुड़ा न मानते हुए वे पूरे समाज को इसे नए नजरिए से दिखा रही हैं। सफल अविवाहित लड़कियों पर एक खास उम्र तक शादी कर लेने का दबाव उन्हें पावर वुमन मानने के बजाए लेफ्टओवर वुमन की संज्ञा देने से नहीं चूकता। चीन के कई शहरों में लगने वाले शादी के बाजार भी अपने आप में अनोखे होते हैं। यहां शादी के लायक लड़के-लड़की के माता-पिता उनके इश्तेहार लगाते हैं।

जापान की स्थिति

जापानी महिलाएं जो कि ऑफिस में एक हफ्ते में 40 घंटे काम करती हैं, वहीं उन्हें 30 घंटे घर का काम भी करना पड़ता है। उनके पति घर का काम सिर्फ 3 घंटे करते हैं। ऑफिस और घर संभालने के साथ-साथ बच्चों को देखना उनके लिए बेहद मुश्किल हो जाता है। इस साल एक सर्वे के अनुसार जापानी पुरुषों की अपेक्षा बहुत कम जापानी महिलाएं शादी को लेकर पॉजिटिव महसूस करती हैं। बाहर के वर्क कल्चर ने शादी को लेकर महिलाओं को अकेले रहने का एक विकल्प दे दिया है। ज्यादातर महिलाएं फाइनैंशली इंडिपेंडेंट हैं और इस वजह से वे आसानी से अकेले जिंदगी गुजार सकती हैं। महिलाओं में बढ़ते एजुकेशन के ग्राफ ने भी शादियों की संख्या घटाई है। आज कई एशियन महिलाएं बेहद पढ़ी लिखी हैं और वे शादी को लेकर ज्यादा उत्सुक नहीं होती हैं।

सऊदी अरब का हाल

चौंकाने वाली बात यह है कि अविवाहित महिलाओं की संख्या के मामले में सऊदी अरब दूसरे पायदान पर है। एक तरह से सऊदी अरब दुनिया में अविवाहित महिलाओं और पुरुषों का गढ़ बनता जा रहा है। सऊदी समाज में हो रहे इस बदलाव को समाजशास्त्री और मनोवैज्ञानिक दोनों ही अलग-अलग निगाह से देखते हैं। सऊदी सरकार के विवाहित महिलाओं और पुरुषों की संख्या को लेकर जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार 1995 के बाद से देश में अविवाहित महिलाओं की संख्या में तकरीबन 15 फीसदी का इजाफा हुआ है। ये पिछले दो दशकों में सर्वाधिक है। विशेषज्ञों की मानें तो अविवाहित महिलाओं की संख्या में बढ़ोतरी के मामले में अन्य देशों की तुलना में सऊदी अरब दूसरे नंबर पर है। उनके मुताबिक अकेले रहने वाली स्त्रियों की संख्या में अब तक की यह सबसे बड़ी बढोतरी है। सऊदी समाज में लगातार बढ़ती अविवाहित महिलाओं की संख्या के पीछे समाजशास्त्रियों की अपनी-अपनी राय है। विशेषज्ञ मानते हैं कि लड़कियां शादी का फैसला मानसिक और शारीरिक परिपक्वता के आधार पर करने लगी हैं, जब तक वे खुद को शादी के लिए इस स्तर पर तैयार नहीं पातीं तब तक वे शादी जैसे बंधन में बंधने से हिचकने लगी हैं।

अब बन गई सेकेंड स्किन...

वैज्ञानिकों ने एक ऐसी कृत्रिम त्वचा विकसित की है, जिसे आप किसी टाइट कपड़े की तरह शरीर पर पहन सकते हैं। मजे की बात यह कि कोई इसे देख नहीं पाएगा यानी यह कृत्रिम त्वचा तकरीबन अदृश्य होगी। शोधकर्ताओं ने इसे 'सेकेंड स्किन' नाम दिया है, क्योंकि इसे मूल त्वचा के ऊपर धारण किया जाएगा। इससे आपकी झुर्रियां नहीं दिखेंगी और आप अपनी वास्तविक उम्र से काफी जवां दिखेंगे। इसलिए इसे लेकर दुनियाभर में व्यापक जिज्ञासा है।

उम्र बढ़ने के साथ इंसान की त्वचा ढीली पड़ने लगती है और उसके अनेक हिस्सों में झुर्रियां पड़ने लगती हैं। ऐसा किसी बीमारी के कारण नहीं होता, बल्कि उम्र बढ़ने के साथ यह एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। लेकिन, ज्यादातर लोग, खासकर महिलाएं, त्वचा की कसावट को बरकरार रखना चाहती हैं, ताकि ढलती उम्र में भी वे युवा दिख सकें।

इसके लिए महिलाएं अनेक प्रकार की कॉसमेटिक्स का इस्तेमाल करती हैं। साधन संपन्न परिवारों की महिलाएं इसके लिए नवीनतम तकनीक आधारित स्किन ट्रीटमेंट भी करवाती हैं।

अब इनके नए विकल्प के तौर पर वैज्ञानिकों ने 'सेकेंड स्किन' का विकास किया है, जिसे शरीर पर धारण किया जा सकेगा।

क्रॉसलिंक्ड पॉलिमर लेयर

वैज्ञानिकों ने एक्सपीएल यानी क्रॉसलिंक्ड पॉलिमर लेयर के रूप में इलास्टिक की तरह पहना जानेवाला एक नया प्रोडक्ट तैयार किया है, जिसमें प्राकृतिक त्वचा की तरह अनेक गुण मौजूद हैं और यह बिल्कुल उसका डुप्लीकेट प्रतीत होता है। एक्सपीएल एक ट्यूनेबल पॉलिसाइलोक्सेन आधारित मैटेरियल है, जिसे खास इलास्टिसिटी और ऐसे अनेक गुणों के साथ इंजीनियर्ड किया जा सकता है। एक्सपीएल को बिना किसी हीट या लाइट मीडिएटेड एक्टिवेशन के प्रयुक्त किया जा सकता है। हाल ही में इनसानों पर इसका एक पायलट अध्ययन किया गया है। इस दौरान वैज्ञानिकों ने पाया कि त्वचा के खिंचाव की दशा में एक्सपीएल के टेन्सिल मॉड्यूल्स ने ठीक वैसी ही प्रतिक्रिया दी, जैसी सामान्य प्राकृतिक त्वचा देती है। वैज्ञानिकों ने इसे एक बड़ी उपलब्धि करार दिया है। इसके विकास से यह उम्मीद भी जगी है कि जल्द ही हम सनबर्न से सुरक्षा के लिए इस तकनीक का इस्तेमाल कर पाएंगे। इसके अलावा एक्जिमा जैसी त्वचा की बीमारियों का इलाज भी इससे मुमकिन होगा। हालांकि, सामान्य लोगों में इसके प्रति जो उत्साह पैदा हुआ है, वह कुछ अलग तरीके का देखने में आ रहा है। उन्हें यह एहसास काफी गुदगुदाता है कि वे सुबह में इस डुप्लीकेट त्वचा को पहन लेंगे और दिनभर पहनने के बाद रात में उसे निकाल देंगे।

आंखों के नीचे पहला परीक्षण

शोधकर्ताओं ने इसका सबसे पहला परीक्षण इंसान की आंखों के हिस्से में किया है, जिससे बेहद आशाजनक नतीजे सामने आए हैं। शोधकर्ताओं को इससे एक नई उम्मीद जगी है कि वे शरीर के अन्य भागों में ढीली पड़ चुकी या झुर्रियोंवाली त्वचा को ठीक कर पाएंगे। इस शोध टीम में शामिल अमेरिका के मेसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के डेनियल एंडरसन का कहना है कि ओरिजनल स्किन पर पहनी जानेवाली यह अदृश्य परतवाली त्वचा मूल त्वचा को किसी प्रकार के बाहरी खराब असर से बचाती है, जिसके लिए आम तौर पर लोग दवाओं का इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई है कि भविष्य में यदि इसे किसी अन्य कम्पोनेंट के साथ मिला कर कोई नया उत्पाद बनाया जाएगा, तो वह इनसान की त्वचा को अल्ट्रावायलेट किरणों के दुष्प्रभाव से बचाने में सक्षम होगा। हालांकि, मौजूदा समय में त्वचा को अल्ट्रावायलेट किरणों के दुष्प्रभाव से बचाने के लिए ज्यादातर लोग सनस्क्रीन का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन लंबे समय तक इसका इस्तेमाल सही नहीं माना जाता और अनेक लोगों में उसका साइड इफेक्ट देखा गया है।

सुरक्षित रसायनों का इस्तेमाल

त्वचा रूपी इस 'सेकेंड स्किन' को बनाने में इस्तेमाल किए गए तत्व और रायायनिक पदार्थों को अमेरिका की संबंधित एजेंसी 'फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन' ने सुरक्षित बताया है। इसमें इस्तेमाल किए गए केमिकल्स साइलोक्सेंस हैं, जिसमें ऑक्सीजन का एक अणु और सिलिकॉन के दो अणु होते हैं। शोधकर्ताओं ने इनके आण्विक गुणों में सुधार करते हुए इनका एक बड़ा समूह तैयार किया और इन्हीं गुणों के आधार पर इस उत्पाद को विकसित करने में कामयाब हुए। उन्होंने इसे दो प्रक्रियाओं में विभाजित किया। पहला, पॉलिमर को अप्लाई किया, जो पूरी तरह से द्रव है। हालांकि, सीरीज में यह ज्यादा मजबूत नहीं होते, लेकिन अगले चरण में इसे दूसरे प्रोडक्ट के साथ जोड़ दिया जाता है। सीरीज की केमिस्ट्री में सुधार लाते हुए शोधकर्ता सेकेंड स्किन के गुणों में विविधता ला सकते हैं, जो इस बात पर निर्भर करेगा कि उसका कैसे इस्तेमाल किया जाना है। बायोटेक्नोलॉजी विधा से संबंधित कैंब्रिज की एक निजी कंपनी लिविंग प्रूफ ने अपनी प्रयोगशाला में इसे विकसित किया है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**